Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI No. DLHIN/2012/483
वर्ष 13 । अंक 66
नई दिल्ली, शुक्रवार, 10 जनवरी 2025
पृष्ठ 12 ₹ मूल्य 3
नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय-10

भविष्य युद्ध में नहीं, बल्कि बुद्ध में निहित है : नरेंद्र मोदी

इंडिया गुट में किनारे हुई कांग्रेस

मोहित कंधारी। जम्मू

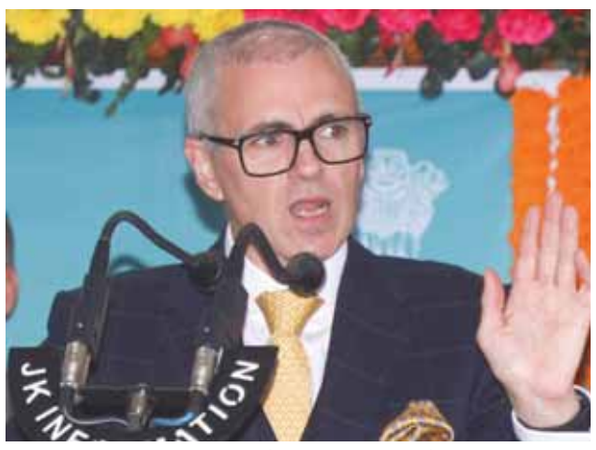

इंडिया गुट के भीतर बढ़ते मतभेदों के बीच जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट संकेत दिए कि वह भी विपक्षी मंच से संबंध तोड़ने की कगार पर हैं। उमर ने यह भी मांग की कि इंडिया गुट को भंग कर दिया जाए क्योंकि विपक्षी पार्टियां दिल्ली चुनावों से पहले एकजुट नहीं हैं। राहुल गांधी के करीबी दोस्त माने जाने वाले उमर द्वारा दिए गए तीखे बयान ने एक बार फिर कांग्रेस पार्टी के इंडिया गुट में भविष्य को लेकर अटकलों को जन्म दे दिया है। जहां एक तरफ आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस इंडिया गुट का हिस्सा हैं, वहीं दोनों पार्टियां दिल्ली चुनावों में अलग-अलग चुनाव लड़ रही हैं।

ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी), और अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी (एसपी) पहले ही दिल्ली चुनावों में आम आदमी पार्टी का समर्थन करने की घोषणा कर चुकी हैं, जिससे कांग्रेस पार्टी बहुकोणीय चुनावी संघर्ष में अकेली पड़ गई है। अब्दुल्ला की टिप्पणी का समय, जो कि राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव के बयान के एक दिन बाद आया, ने सत्ता के गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। तेजस्वी यादव ने कहा था कि इंडिया गुट का महत्व अब समाप्त हो गया है और इसे विशेष रूप से लोकसभा चुनावों के लिए बनाया गया था। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, 'इंडिया गुट केवल लोकसभा चुनावों के लिए और भाजपा की विजय यात्रा को रोकने के लिए बनाया गया था। इसका अब कोई महत्व नहीं है। कांग्रेस और आप के बीच मतभेद अप्रत्याशित नहीं हैं।'

अब्दुल्ला की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा कि इंडिया गुट के सहयोगियों की राय पार्टी पर बाध्यकारी नहीं है। उन्होंने कहा, 'इंडिया गुट के सहयोगी यह तय नहीं करेंगे कि कांग्रेस दिल्ली में क्या करना चाहती है।' इंडिया गुट का हिस्सा रहे अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इंडिया गुट की कोई बैठक नहीं हुई। नेतृत्व कौन करेगा? एजेंडा क्या होगा? गठबंधन कैसे आगे बढ़ेगा? इन मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं है। यह स्पष्ट नहीं है कि हम एकजुट रहेंगे या नहीं।' उमर अब्दुल्ला ने जम्मू में नव-निर्वाचित विधायकों के तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कहा, दिल्ली में विधानसभा चुनावों के बाद, उन्हें (इंडिया गुट) सभी गठबंधन सदस्यों की बैठक बुलानी चाहिए। यदि यह गठबंधन केवल संसदीय चुनावों के लिए था, तो इसे भंग कर देना चाहिए, और हम अलग-अलग काम करेंगे। लेकिन अगर यह विधानसभा चुनावों के लिए भी है, तो हमें एक साथ बैठकर सामूहिक रूप से काम करना होगा। दिसंबर 2024 में, जब तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए आक्रामक रूप से प्रचार शुरू किया, तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पार्टी के लोकसभा सांसदों को इंडिया गुट की पार्टियों के 'मध्यम और निचले स्तर' के नेताओं की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया न देने का निर्देश दिया।

अगले महीने दिल्ली चुनावों से पहले आप के बढ़ते समर्थन पर एक अन्य सवाल का जवाब देते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा, 'मैं इस पर फिलहाल कुछ नहीं कह सकता क्योंकि हमारा दिल्ली चुनावों से कोई लेना-देना नहीं है। आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दल यह तय करेंगे कि भाजपा से मजबूती से कैसे मुकाबला किया जाए।' दिल्ली में आप की पिछली दो सफलताओं का जिक्र करते हुए अब्दुल्ला ने कहा, 'इस बार, हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि दिल्ली की जनता क्या फैसला करती है।' इस बीच, नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी का 'नई दिल्ली से लड़ने' का इरादा नहीं है, बल्कि केंद्र सरकार के साथ मिलकर जम्मू-कश्मीर के ज्वलंत मुद्दों को सुलझाने का प्रयास करना है। इंडिया गुट की एकता पर टिप्पणी करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि यह गठबंधन केवल चुनाव लड़ने के लिए नहीं है, बल्कि भारत को मजबूत करने और नफरत को खत्म करने के लिए है। 'यह गठबंधन स्थायी है — यह हर दिन और हर पल के लिए है।'

पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों से कहा, 'हम नई दिल्ली से लड़ना नहीं चाहते। हम दिल्ली के साथ मिलकर राज्य की समस्याओं को सुलझाना चाहते हैं। हम लड़ाई में शामिल नहीं होना चाहते। जो लोग लड़ना चाहते हैं, वे ऐसा कर सकते हैं।' अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस का भाजपा से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन यह केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वह राज्य सरकारों का स्थानीय मुद्दों को हल करने में समर्थन करे। उन्होंने कहा, 'हम भाजपा के साथ नहीं हैं, और न ही हमारा उनसे कोई संबंध है।' अब्दुल्ला ने जोर देकर कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों दोनों को लोगों की जरूरतों को प्राथमिकता देनी चाहिए, न कि ऐसे संघर्षों में उलझना चाहिए जो प्रगति में बाधा डालते हैं। अपने बेटे और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर नई दिल्ली के प्रभाव के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए एनसी प्रमुख ने कहा, 'उमर अब्दल्ला लोगों द्वारा चुने गए मुख्यमंत्री हैं।' (शेष पृष्ठ 9)

भाजपा भी कर सकती फ्री बिजली-पानी का वादा

राजेश कुमार। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा के लिए 5 फरवरी को होने वाले चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दलों के प्रयास तेज होने के साथ एक दूसरे पर सियासी हमले भी तेज हो गए हैं। वहीं दूसरे दलों पर 'मुफ्त की रेवड़ी' और 'मुफ्त उपहार' की आलोचना करने वाले राजनीतिक दलों के लिए अब ऐसा करना मुख्य मुद्दा बन गया है। दिल्ली में सत्तारूढ़ आप के चुनाव से पहले जनता से एक से बढ़कर एक किए वादों की बराबरी करने के लिए, भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव में इसी तरह के कई बड़े वादे कर सकती है। सूत्रों के अनुसार भाजपा अपने घोषणापत्र में मतदाताओं को लुभाने के लिए घरों के लिए 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली, मुफ्त पाइप से पानी और लाडली बहना जैसी योजना (पात्र महिलाओं के लिए 2500 रुपये की वित्तीय सहायता) की घोषणा कर सकती है। इसके साथ ही, भाजपा मंदिरों और गुरुद्वारों जैसे धार्मिक स्थलों को 500 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की भी योजना बना रही है। शीर्ष सूत्रों ने कहा कि इन सिफारिशों को घोषणापत्र का हिस्सा होने की उम्मीद है। सिफारिशों को मंजूरी के लिए केंद्रीय नेतृत्व को भेजा गया है। सूत्रों के अनुसार, घोषणापत्र समिति ने महिलाओं के लिए मुफ्त सार्वजनिक (शेष पृष्ठ 9)

भारतीय पासपोर्ट की विश्व रैंकिंग गिरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत से विदेश यात्रा की संख्या तेजी से बढ़ रही है और कई गंतव्य भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके बावजूद भारतीय यात्रियों के लिए वीज़ा प्राप्त करना कठिन हो गया है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2025 के अनुसार, भारतीय पासपोर्ट की वैश्विक रैंकिंग पांच स्थान गिरकर 85वें स्थान पर आ गई है, जबकि सिंगापुर ने शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया है और जापान दूसरे स्थान पर है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2025 के अनुसार, भारत 2024 में 80वें स्थान से गिरकर 2025 में 85वें स्थान पर आ गया है। एक भारतीय नागरिक दुनिया भर में 57 वीज़ा-फ्री गंतव्यों की यात्रा कर सकता है। हेनले एंड पार्टनर्स के अनुसार, यह इंडेक्स वैश्विक नागरिकों और संप्रभु राज्यों के लिए एक मानक संदर्भ उपकरण है, जो यह आकलन करने के लिए उपयोग किया जाता है कि पासपोर्ट वैश्विक गतिशीलता स्पेक्ट्रम पर कहां रैंक करता है।

2025 के इंडेक्स के अनुसार, भारत 85वें स्थान पर है, जबकि पाकिस्तान और बांग्लादेश की रैंकिंग क्रमश: 103वें (2024 में 101वें) और 100वें (2024 में 97वें) स्थान पर है। फर्म की वेबसाइट पर उपलब्ध डेटा चार्ट के अनुसार, 2006-2025 की अवधि के लिए, भारत की रैंकिंग 2021 में सबसे कम 90वीं थी, जबकि इसका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 2006 में था, जब देश 71वें स्थान पर था। सिंगापुर के पासपोर्ट धारक वर्तमान में दुनिया भर में 227 में से 195 गंतव्यों पर वीज़ा-फ्री यात्रा कर सकते हैं, जिससे उनके नागरिकों को कहीं भी सबसे अधिक अनियंत्रित यात्रा पहुंच मिलती है। इसके बाद जापान, जो 2025 की रैंकिंग में तीसरे से दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। जापानी पासपोर्ट 193 देशों में वीज़ा-फ्री यात्रा की सुविधा प्रदान करता है, जिसमें पहली बार कोविड-19 के बाद चीन भी शामिल है।छह देश 'फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, दक्षिण कोरिया और स्पेन' 192 (शेष पृष्ठ 9)

प्रदूषण बढ़ा, ग्रैप 3 फिर से लागू हुआ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बढ़ते वायु प्रदूषण के स्तर ने एक बार फिर अधिकारियों को बीएस 3 पेट्रोल और बीएस 4 डीजल कारों पर वाहन प्रतिबंध लगाने के लिए मजबूर कर दिया है क्योंकि दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्र के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने तत्काल प्रभाव से दिल्ली-एनसीआर के लिए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत स्टेज- 3 ('गंभीर' वायु गुणवत्ता) उपाय लागू किए हैं। चरण 3 में दिल्ली में गैर-जरूरी बीएस 4 डीजल ट्रकों के प्रवेश पर भी प्रतिबंध है। हालांकि यह प्रतिबंध आवश्यक सेवाओं में शामिल वाणिज्यिक वाहनों पर लागू नहीं हैं। सीएक्यूएम ने एक बयान में कहा, विकलांग व्यक्तियों को बीएस -3 पेट्रोल / बीएस -4 डीजल एलएमवी चलाने की अनुमति होगी, बशर्ते कि ये विशेष रूप से उनके लिए अपनाए गए हों और केवल उनके व्यक्तिगत उपयोग के लिए चलाए जाएं। वायु गुणवत्ता में किसी भी तरह की गिरावट को रोकने के लिए ग्रैप चरण 3, को रविवार को निरस्त कर दिया गया, इसके साथ ही पूरे एनसीआर में संबंधित एजेंसियों द्वारा इन उपायों को लागू, निगरानी और समीक्षा जारी रहेगी। चरण 3 के तहत, 5 तक की कक्षाओं को हाइब्रिड मोड में स्थानांतरित करना आवश्यक है। माता-पिता और छात्रों के पास, जहां भी उपलब्ध हो, ऑनलाइन शिक्षा चुनने का विकल्प है। प्रतिबंधों में सड़क निर्माण गतिविधियों और प्रमुख मरम्मत पर प्रतिबंध भी शामिल है। सरकार एनसीआर के अन्य क्षेत्रों में सार्वजनिक कार्यालयों और नगर निकायों के लिए समय में बदलाव करने का निर्णय ले सकती है। (शेष पृष्ठ 9)

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को भगदड़ में घायल लोगों से मिलने अस्पताल पहुंचे।

तिरुपति भगदड़ में घायलों से मिलने अस्पताल पहुंचे चंद्रबाबू नायडू

पायनियर समाचार सेवा। तिरुपति

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बृहस्पतिवार को तिरुपति में बृहस्पतिवार को अस्पताल में इलाज करा रहे घायलों से मुलाकात की। इस भगदड़ में छह लोगों की मौत हो गई थी। तिरुपति में बुधवार रात एमजीएम स्कूल के पास बैरागी पट्टेडा में भगदड़ मचने से छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और करीब 40 अन्य घायल हो गए थे। तिरुमाला हिल्स पर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शनम के टिकट लेने के लिए सैकड़ों श्रद्धालु के बीच भगदड़ मच गई थी। 10 जनवरी से शुरू हो रहे 10 दिवसीय वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए देश भर से सैकड़ों श्रद्धालु यहां पहुंचे हैं। इससे पहले नायडू ने दुर्घटना स्थल का दौरा किया, जहां भगदड़ में (शेष पृष्ठ 9)

कांग्रेस दिल्ली में अब भी प्रासंगिक: संदीप दीक्षित

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

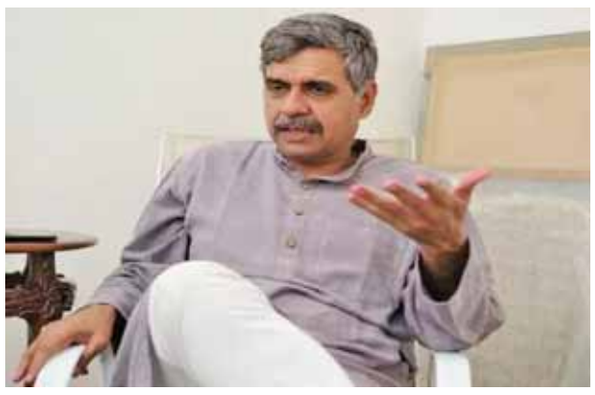

नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार और पूर्वी दिल्ली से दो बार सांसद रहे संदीप दीक्षित ने आप पर आरोप लगाया है कि अन्य राज्यों में कांग्रेस के वोटों को हड़पने के काम में लगी है। पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे को आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल का धुर आलोचक माना जाता है, आगामी चुनाव में केजरीवाल के खिलाफ उन्हें मैदान में उतारने का एक कारण यह भी माना जा रहा है। आप दीक्षित और कांग्रेस पर भाजपा से मिलीभगत होने का कई बार आरोप लगा चुकी है।

दीक्षित ने पायनियर को दिए गए एक इंटरव्यू में इन आरोप को खारिज करते दावा किया कि बल्कि भाजपा उनकी आलोचना को अलग तरह से ले रही है। उन्होंने कहा, 'भाजपा वही दोहरा रही है जो मैं कह रहा हूं। उन्होंने कभी भी तथ्यात्मक जानकारी के आधार पर केजरीवाल पर हमला नहीं किया। मैंने ऐसा किया है और मुझे लगता है कि जो भी इसे अपना रहा है वह अच्छा है। दूसरा, आप की आलोचना और आलोचना भी है, जो किसी पार्टी विशेष से संबंधित नहीं है। उन्होंने कहा, 'आलोचना विपक्ष-विशिष्ट होती है।' अगर यमुना गंदी है, तो क्या आप उम्मीद करते हैं कि भाजपा इस बारे में कुछ और कहेगी? हम कुछ और कहना चाहते हैं? हम विपक्ष में हैं, हम करेंगे। आप पर उन सभी चीजों के लिए हमला किया जाएगा जो आप ने नहीं की हैं। जब वे थे विपक्ष में रहते हुए आप और भाजपा दोनों ने 2012-13 में हमें भ्रष्ट कहा था। विपक्ष की भूमिका सरकार की आलोचना करना है, चाहे वह कहीं भी हो। उन्होंने कहा, 'इसकी आलोचना वैध है।' उन्होंने आप के दिल्ली से बाहर चुनाव लड़ने पर भी सवाल उठाए। और दावा किया कि उन्होंने भाजपा की मदद के लिए कांग्रेस के वोट काटे। उन्होंने दावा किया कि आप को कांग्रेस के चुनाव लड़ने का डर है। उन्होंने पूछा कि आप उनसे या एआईसीसी कोषाध्यक्ष अजय माकन से क्यों डरी हुई है? उनका कहना है कि दिल्ली में कांग्रेस प्रासंगिक नहीं है। उनकी समस्या यह है कि उन्हें लग रहा है कि कांग्रेस पूरी ताकत से लड़ रही है और हम आप और भाजपा दोनों की संभावनाओं को बहुत नुकसान पहुंचाने जा रहे हैं। दीक्षित ने कहा, 'यह बहुत गंभीर मामला है।'

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार के खिलाफ लगाए गए आरोपों के लिए पार्टी पर निशाना साधा। अपनी मां के समय को याद करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली में देरी स्पष्ट है, जहां फाइलें पहले अनुमोदन के लिए उपराज्यपाल (एलजी) से संपर्क किया जाएगा। हालाँकि, उन्होंने कहा कि यह इनकार की बजाय देरी का मामला है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने आप को वहां काम करने रोक दिया जहां उनका मानना था कि वे भ्रष्टाचार में लिप्त थे। ' अन्यथा कहां आपको रोक गया? दीक्षित ने कहा दिल्ली में फाइलों में देरी इसलिए होती है क्योंकि अन्य राज्यों में जहां मुख्यमंत्री फाइल पर दस्तखत कर देते हैं तो वह नीति बन जाती है, दिल्ली में मामले में कई विषयों पर फाइल को एलजी स्तर तक भेजना होता है।' जबकि आप की कहानी 'फिर लाएंगे केजरीवाल' के इर्द-गिर्द केंद्रित है, केजरीवाल के प्रतिद्वंदी ने कहा कि भले ही वह एक ऐसे मुख्यमंत्री होंगे जो 'जेल में होंगे', या वह सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई शर्तों के कारण 'कोई काम नहीं करेंगे।' उन्होंने कहा, इस बात की बहुत कम संभावना है कि आप फिर से दिल्ली जीतें। भले ही आप (केजरीवाल) मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले लें, काम नहीं कर सकते, एक दिन के लिए भी नहीं। उन्होंने 2,100 रुपए देने का वादा किया था। महिलाओं के लिए बनाया गया। हकीकत में, अगर वे उस फाइल पर हस्ताक्षर करते हैं तो वे जेल जाएंगे। ऐसा करके वे अपने जमानत की शर्तें तोड़ देंगे।

आप संयोजक ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया, न कि किसी नेता के रूप में। वह बलिदान देने से इसलिए चूक गए क्योंकि वह जानते थे कि वे अपने कर्तव्यों का पालन नहीं कर सकते। कांग्रेस उम्मीदवार लोगों को अपने काम की याद दिलाने की भी योजना बना रहे हैं। वे लोगों को बताएंगे कि उनकी मां ने दिल्ली के लिए क्या किया और केजरीवाल उसे कैसे (शेष पृष्ठ 9)

गोवा में अफसरों के लिए मन की बात सुनना जरूरी

पायनियर समाचार सेवा। पणजी

गोवा की भाजपा सरकार ने अपने सभी विभागों के प्रमुखों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को सुनना अनिवार्य कर दिया है। बृहस्पतिवार को जारी एक परिपत्र में अवर सचिव (सामान्य प्रशासन) श्रेयस डिसिल्वा ने सभी विभागाध्यक्षों से 'मन की बात' कार्यक्रम सुनने तथा कार्यक्रम में उल्लिखित सुझावों और सर्वोत्तम प्रथाओं से प्रेरणा लेने को कहा। अपने सोशल मीडिया हैंडल पर सर्कुलर पोस्ट करते हुए मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा, 'माननीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी का मासिक संवादात्मक कार्यक्रम मन की बात, शासन के साथ-साथ व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से नागरिकों के विचारों और विचारों पर प्रकाश डालता है। सामाजिक परिवर्तन को प्रेरित करने वाले प्रयास।' उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान साझा की गई सफलता की कहानियों और सर्वोत्तम प्रथाओं को शासन में सुधार के लिए अपनाया जा सकता है। गोवा में सभी सरकारी विभागों के प्रमुखों को मन की बात को सक्रिय रूप से सुनने का निर्देश दिया गया है। कार्यक्रम के दौरान साझा की गई सफलता की कहानियों और सर्वोत्तम प्रथाओं से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे पूरे देश में सकारात्मक बदलाव आए हैं। इन जानकारियों पर उचित रूप से विचार किया जाएगा। सावंत ने कहा, 'गोवा में शासन व्यवस्था में सुधार और सेवा वितरण को बढ़ाने के लिए इसे अपनाया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा, गोवा प्रगतिशील शासन पद्धतियों को लागू करने में अग्रणी रहा है, जिसका राज्य और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर अनुकरण किया गया है। उन्होंने अपनी सरकार के स्वयंपूर्ण और विकसित गोवा के विजन के बारे में भी बात की। सावंत ने कहा, 'यह आवश्यक है कि हम निरंतर प्रेरणा लें और पूरे भारत से नवीन प्रथाओं को अपनाएं, चाहे वह व्यक्तियों, संगठनों या राज्य की पहलों से हो।

जेईई एडवांस्ड प्रयासों में कमी के खिलाफ अर्जी पर सुनवाई पर विचार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई)-एडवांस्ड के अभ्यर्थियों को दिए जाने वाले प्रयासों की संख्या तीन से घटाकर दो करने के खिलाफ दायर याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई। यह याचिका न्यायमूर्ति बीआर गवई और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के समक्ष जब आई, तो याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, यह मामला आईआईटी प्रवेश प्रवेश परीक्षा से संबंधित है, जिसमें प्रयासों की संख्या तीन से घटाकर दो कर दी गई है। वकील ने कहा कि इसी तरह की एक याचिका 10 जनवरी को पीठ के समक्ष सूचीबद्ध की गई थी, जिसके बाद अदालत ने दोनों को टैग करने का निर्देश दिया था। अधिवक्ता संजीत कुमार त्रिवेदी के द्वारा दायर नई याचिका में कहा गया है कि यह प्रतिष्ठित आईआईटी में प्रवेश की प्रक्रिया से संबंधित है, लेकिन जेईई-एडवांस्ड परीक्षा आयोजित करने के लिए नियुक्त संयुक्त प्रवेश बोर्ड (जेएबी) ने छात्रों के लिए पात्रता मानदंड को 'मनमाने' तरीके से बदल दिया गया है। याचिका में कहा गया, जेएबी ने 5 नवंबर, 2024 की अपनी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से पहले जेईई-एडवांस्ड के लिए प्रयासों की संख्या तीन निर्धारित की, (शेष पृष्ठ 9)

पहली बार सीआरपीएफ के सेवानिवृत्त ट्रेंड डॉग को पालने का मिलेगा मौका

पीटीआई। नई दिल्ली

सीआरपीएफ ने पहली बार देश के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल से सेवानिवृत्त खोजी और हमलावर प्रजाति के ट्रेंड डॉग (कुत्ता) को सार्वजनिक रूप से गोद देने की ऑनलाइन सेवा शुरू की है। जिसके तहत आम लोग पूर्ण प्रशिक्षित इन चार पैरों वाले जवानों को अपने घरों में रख सकेंगे और ताकि इन डॉग को एक फिर से आरामदायक दूसरा जीवन मिल सके। संभवत: यह पहली बार है कि किसी सुरक्षा बल ने अपने प्रशिक्षित डॉग को सार्वजनिक रूप से गोद लेने के लिए पेश करने का फैसला किया है, क्योंकि यह कदम हमेशा से ही इन अत्यधिक कुशल और प्रशिक्षित डॉग का राष्ट्र विरोधी तत्वों द्वारा दुरुपयोग के खतरों से भरा रहा है। अभी तक, केंद्रीय बल और राज्य पुलिस अपने सेवानिवृत्त कुत्तों को उनकी देखभाल के लिए पंजीकृत गैर सरकारी संगठनों या प्रतिष्ठित संगठनों को सौंप रहे थे।

बेल्जियम शेफर्ड मालिनोइस, जर्मन शेफर्ड, लैब्राडोर और स्वदेशी मुधोल हाउंड - चार नस्लों के 30 से अधिक डॉग को कठोर प्रक्रिया के माध्यम से गोद लिया जा सकता है, जिसकी निगरानी बेंगलुरु के पास सीआरपीएफ के विशेष डॉग ब्रीडिंग एंड ट्रेनिंग स्कूल (डीबीटीएस) द्वारा की जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 8-12 वर्ष की आयु के इन कुत्तों ने देश भर में नक्सल विरोधी, उग्रवाद विरोधी और आतंकवाद विरोधी अभियानों में सैकड़ों ऑपरेशन किए हैं और माओवादियों या आतंकवादियों द्वारा लगाए गए विस्फोटक उपकरणों (आईईडी) और घातक हमलों से कई सैनिकों की जान बचाई है। बलू, स्वीटी, वीरू, मोबी, कोको, स्ट्रोल और उनके साथियों को विस्फोटकों का पता लगाने और उन पर नज़र रखने, पैदल सेना की गश्त और हमला करने आदि जैसे विभिन्न खोजी और लड़ाकू गतिविधियों में प्रशिक्षित किया गया है।

अधिकारी ने कहा कि इन डॉग को गोद लेना नि:शुल्क है और गोद लेने वाला व्यक्ति बल की वेबसाइट पर प्रशिक्षित डॉग के बुनियादी विवरण और तस्वीरें की जानकारी प्राप्त कर

सकता है। सेवानिवृत्त पुलिस के9 को गोद लेने के लिए अपनी इच्छा और कारण की जानकारी देते हुए फॉर्म भर सकता है, और साथ यह भी जानकारी दे सकता है कि वह कैसे इन प्रशिक्षित डॉग को अपने पास रखने की योजना बना रहा है, जैसे कि एक साथी, गार्ड या डॉग थेरेपी साथ ही गोद लिए गए डॉग के लिए प्रस्तावित आवास का विवरण भी दे सकते हैं। अधिकारी ने कहा, गोद लेने वाले और डॉग के बीच अनुकूलता बैठक एक निर्दिष्ट शिविर का आयोजन किया जाएगा, जहां सेवानिवृत्त डॉग को रखा गया है। हमने इन चयनित डॉग को उनके व्यवहार विशेषज्ञों द्वारा तैयार भी करवाया है, ताकि वे घरेलू वातावरण में ढल सकें। सीआरपीएफ पोर्टल पर इन 'सैनिक साथियों' का संक्षिप्त प्रोफ़ाइल, चित्र और अन्य विवरण पेश किया गया है। जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि गोद लेने वाला के9 नायक की गरिमा, उचित परिश्रम और करुणा के साथ देखभाल करेगा।

इस गोद लेने की प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, बल गोद लेने वाले के साथ एक 'कानूनी रूप से बाध्यकारी' समझौते पर हस्ताक्षर करेगा और इन कुत्तों के केसीआई (केनेल क्लब ऑफ इंडिया) पंजीकरण प्रमाण पत्र, चिकित्सा और टीकाकरण रिकॉर्ड और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज प्रदान करेगा। सीआरपीएफ के उप महानिरीक्षक मोसेस दिनाकरन ने बताया, हमारे सेवानिवृत्त डॉग को सार्वजनिक रूप से गोद लेने की पहल हमारे डॉग सैनिकों के लिए एक खुशहाल दूसरा जीवन सुनिश्चित करने का एक प्रयास है। गोद लेने की प्रक्रिया के नियमों और शर्तों में यह स्पष्ट किया गया है कि के9 के साथ कोई 'दुर्व्यवहार या बुरा व्यवहार' नहीं किया जाएगा और उन्हें बेचा नहीं जाना चाहिए, पैसे कमाने और किसी भी उद्देश्य के लिए (शेष पृष्ठ 9)

चिल्ला एलिवेटड निर्माण से पहले मिट्टी का परीक्षण

आईआईटी करेगा डिजाइन स्वीकृत, कंपनी को दिया 90 दिन का समय, 800 करोड़ रुपये की परियोजना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

12 साल के लंबे इंतजार के बाद दिल्ली को नोएडा से जोड़ने वाली चिल्ला एलिवेटेड रोड पर अप्रैल में काम शुरू हो सकता है। इससे पहले निर्माण कंपनी स्वायल टेस्टिंग (मृदा परीक्षण) कराएगी।

जांच रिपोर्ट आने पर बदले गए डिजाइन पर अप्रूवल आईआईटी से लिया जाएगा। कंपनी किसी भी आईआईटी से इसका अप्रूवल ले सकती है। इन दोनों प्रक्रिया के लिए कंपनी को 90 दिन का समय दिया गया है। रिपोर्ट ओके पर निर्माण शुरू कराया जाएगा। प्राधिकरण सीईओ लोकेश एम ने बताया कि मिट्टी का परीक्षण उसकी गुणवत्ता, सहन क्षमता के लिए किया जाता है। इसके लिए निर्माण साइट पर करीब 10 से 15 स्थानों पर 10 फीट नीचे से मिट्टी का सैंपल लेकर परीक्षण लैब भेजा जाता है। यहां जियो लॉजिकल ही इसकी जांच करता है। इस जांच में विभिन्न प्रकार के केमिकल के जरिए मिट्टी की भौतिक जांच की जाती है।

किसी भी बुनियादी ढांचे के निर्माण से पहले इसकी जांच जरूरी है। यही जांच तय करती है बुनियादी ढांचे की नींव कैसी होनी चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले भी निर्माण शुरू करने से पहले मिट्टी की जांच कराई गई थी। लेकिन अब निर्माण कार्य दूसरी कंपनी करेगी। क्लॉज के तहत अब कंपनी को दोबारा से मिट्टी का परीक्षण और नए डिजाइन को अप्रूव कराना होगा। जिसके बाद निर्माण शुरू हो सकता है। इस प्रक्रिया में क्लाज के तहत 90 दिनों का समय दिया जाता है।

बता दे निर्माण कंपनी उप्र ब्रिज कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने 17 दिसंबर को ठेकेदार कंपनी एमजी कंस्ट्रक्शन को कार्य अवॉर्ड किया। 2019 में सीएम योगी आदित्यनाथ के शिलान्यास के बाद 79 करोड़ का काम हुआ था। इसे बीच में रोक दिया गया था। इससे एलिवेटेड से रोजाना करीब 5 लाख वाहन चालक को फायदा होगा। ठेकेदार के पास निर्माण पूरा करने के लिए तीन साल का समय होगा। दिल्ली और नोएडा के बीच यातायात भीड़ को कम करने के लिए 2012 में योजना की फिजिबिलिटी तैयार की गई थी।

एलिवेटेड 5.9 किमी लंबी बननी है। योजना के प्रारंभिक फेज में इसकी कुल लागत 605 करोड़ रुपए थी। 2018 में दिल्ली सरकार से मंजूरी मिली। जनवरी 2019 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसकी आधारशिला रखी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से बजट जारी करने में देरी, गेल गैस पाइपलाइन के पुनः मार्ग और डिजाइन में बदलाव के कारण काम रोक दिया गया। कोविड-19 महामारी ने देरी को और बढ़ा दिया, जिससे परियोजना मार्च 2020 में रुक गई। अब तक केवल 13% निर्माण कार्य पूरा हुआ है। नोएडा प्राधिकरण द्वारा 79 करोड़ खर्च किए।

अक्टूबर 2023 में ब्रिज कार्पोरेशन ने बढ़ती सामग्री लागत और टेंडर कास्ट का हवाला देते हुए संशोधित बजट 940 करोड़ का पेश किया। हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। लेकिन नोएडा प्राधिकरण और राज्य सरकार को टेंडर को अंतिम रूप देने से पहले कई बार पुनः अनुमोदन की आवश्यकता थी। जिसके बाद बजट में संशोधन किया गया और अब ये एलिवेटेड कुल 892 करोड़ 75 लाख 34 हजार रुपए में बनाई जाएगी। कंपनी 7 प्रतिशत कम पर लिया टेंडर हासिल किया। ये एलिवेटेड चिल्ला बार्डर से एक्सप्रेस-वे तक जाएगी। ऐसे में चिल्ला बार्डर से लिंक रोड होते हुए एक्सप्रेस वे आने वाले जाम समाप्त हो जाएगा। ये रोड चिल्ला से पीछे मयूर विहार फ्लाई ओवर से जुड़ेगी। जिससे एक एक्सप्रेस वे पर जाने के लिए एक नया लिंक बन जाएगा। इससे रोजाना करीब 5 लाख लोगों को फायदा होगा। एलिवेटेड रोड पर चढ़ने-उतरने के लिए छह जगह लूप बनाए जाएंगे। चिल्ला बॉर्डर की तरफ से आते समय सेक्टर-14-उद्योग मार्ग की ओर उतरने के लिए लूप बनेगा।

इस लूप के दूसरी तरफ सेक्टर-15ए के पास से इस पर चढ़ने के लिए लूप बनाया जाएगा। डीएनडी की तरफ से आने वाले एमपी वन रास्ते पर सेक्टर-16 की तरफ उतरने व सेक्टर-16ए फिल्म सिटी की तरफ चढ़ने के लिए लूप बनेगा। अगला लूप फिल्म सिटी समाप्त होने पर उतरने के लिए बनाया जाएगा। यहां से सेक्टर-18 के सामने से होते हुए एमपी टू एलिवेटेड रोड की ओर जा सकेंगे। इसी तरह जीआईपी मॉल के थोड़ा आगे जाकर चढ़ने के लिए लूप बनेगा।

झगड़े में बीच-बचाव करने आए युवक को दिल का दौरा पड़ा, मौत

- बाइक और ऑटो रिक्शा की टक्कर के बाद दो पक्षों में हुए था विवाद

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बिसरख क्षेत्र में एक मोटरसाइकिल के ऑटो रिक्शा को टक्कर मारने के बाद हुए विवाद के दौरान एक व्यक्ति की कथित तौर पर तबीयत बिगड़ गई और अस्पताल ले जाने पर उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान राजकुमार के रूप में हुई है जो कि ऑटो रिक्शा चलाता था। मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। राजकुमार के शरीर पर चोट का कोई निशान नहीं है और उसकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि घटना बुधवार को बिसरख क्षेत्र में हुई जब मुकेश कुमार ऑटो रिक्शा से रोजा जलालपुर गांव के पास से जा रहा था तभी एक मोटरसाइकिल सवार रविकांत ने ऑटो में टक्कर मार दी जिससे दोनों में झगड़ा हो गया।

उन्होंने बताया कि इसी दौरान राजकुमार वहां पहुंचा और उसने बीच-बचाव का प्रयास किया। इस दौरान रविकांत ने अपने कुछ दोस्तों को फोन करके बुला लिया। अवस्थी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच सड़क पर मारपीट होने लगी और इसी दौरान राजकुमार की तबीयत खराब हो गई जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस उपायुक्त ने बताया, राजकुमार के शरीर पर कोई चोट का निशान नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दिल का दौरा पड़ने से मौत की पुष्टि हुई है। मुकेश की शिकायत पर प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज कर रविकांत, उसके दो साथियों राहुल और विकास को गिरफ्तार कर लिया गया है।

यीडा भूमि घोटाला में कंपनी का निदेशक गिरफ्तार

- 12 आरोपियों के खिलाफ दाखिल हो चुका है आरोप पत्र

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) द्वारा किए गए हाथरस भूमि घोटाले में बड़ी कार्रवाई करते हुए नोएडा पुलिस ने हिमालय इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक विवेक कुमार जैन को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। केस भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा में दर्ज होने के कारण आरोपी को मेरठ एंटी करप्शन कोर्ट में पेश किया गया। वहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

इस मामले में यमुना प्राधिकरण के तत्कालीन मुख्य कार्यपालक अधिकारी पीसी गुप्ता समेत 29 पर केस दर्ज कराया गया है। मामले की विवेचना नोएडा जोन के एसीपी प्रथम प्रवीण कुमार सिंह द्वारा की जा रही है। पुलिस मामले में दो तहसीलदार समेत 12 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र भी दाखिल कर चुकी है। हाथरस में यीडा ने साल 2011-12 में करीब 42 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया था। इसके बदले किसानों को सात प्रतिशत विकसित भूखंड देने का प्राविधान था। इसके लिए प्राधिकरण को पांच हेक्टेयर जमीन की जरूरत थी, लेकिन साल 2014 में अधिकारियों ने कुछ लोगों से मिलीभगत कर हाथरस जिले के मिधावली गांव में जरूरत से अधिक 14.4896 हेक्टेयर जमीन खरीद ली। यह जमीन पहले फेज के मास्टर प्लान से बाहर थी। उस समय इस जमीन को खरीदने में 16,15,28,032 रुपए खर्च हुए।

इस पर 7.77 करोड़ रुपए ब्याज देना पड़ा था। दोनों को जोड़कर 23,92,41,724 रुपए का नुकसान हुआ था। एक शिकायत पर हुई जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि यह सब जानबूझकर और गिरोह बनाकर किया गया। जमीन खरीद के इस गिरोह में शामिल दिल्ली, बुलंदशहर, आगरा, गाजियाबाद आदि जगह से जुड़े लोगों ने पहले किसानों से सस्ती दर पर जमीन खरीदी। इसके तुरंत बाद यीडा ने उसे खरीद लिया, जबकि इन जमीनों पर अब तक प्राधिकरण का कब्जा नहीं है और न ही इस पर कोई प्लान बन सका था। बीटा दो कोतवाली में निरीक्षक गजेंद्र सिंह को शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले की जांच नोएडा जोन में एसीपी प्रथम द्वारा की जा रही है।

समलैंगिक ऐप पर डेटिंग कर करते थे ब्लैकमेल

नोएडा। थाना फेज-3 पुलिस ने चार लोगों के एक गैंग को पकड़ा है। ये समलैंगिक गैंग गिंडर ऐप के जरिए लोगों से संपर्क करता है। उनसे प्रोफाइल मैच करता है।

चैट करते है और अपने स्थान पर बुलाकर उनके साथ संबंध बनाते है। चैट और चोरी से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल, सगे संबंधियों को बताने का डर दिखाकर ब्लैक मेल करते है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर इन चारो आरोपी को सेक्टर-65 के बी ब्लाक पार्क के पास से गिरफ्तार किया। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि ये सभी 20-22 साल के युवक है। इनकी पहचान शनि, करन कुमार, रजत और तुषार के रुप में हुई है। इनके कब्जे से12 हजार 700 रुपये व एक आधार कार्ड, एक पैन कार्ड, एक आरसी बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि ये लोग गिंडर समलैंगिक ऐप के माध्यम से अलग-अलग आईडी बनाकर लोगों को अपने पास बुलाते थे।

बॉलीवुड में गाने की चाहत में यूट्यूबर पहुंचा जेल

- एसटीएम मशीन में कैश डालने वाली कंपनी से 10 लाख किए

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बॉलीवुड में काम करने का चाहत ने एक यू ट्यूबर को जेल तक पहुंचा दिया। बॉलिवुड का सफर तय करने के लिए उसे पैसों की जरूरत थी। इसके लिए सीधा रास्ता नहीं चुना।

एसटीएम मशीन में कैश डालने वाली कंपनी से उसने 10 लाख रुपए चोरी कर लिए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी यू ट्यूबर की पहचान जॉनी कुमार हुई। इसका अपना यूट्यूबर चैनल जेडी दक्षवंशी नाम से है। हाल ही में यू ट्यूब पर ये छोरे से यूपी के गाना काफी पसंद किया गया। 24 घंटे में पुलिस ने उसे सेक्टर-14ए फ्लाई ओवर के पास से गिरफ्तार किया गया।

आरोपी की पहचान जॉनी कुमार हुई। इसके पास से चोरी किए गए 10 लाख रुपए और कैश ट्रे बरामद की गई। एडीसीपी मनीष मिश्र ने बताया कि जॉनी पहले एटीएम में कैश डालने वाली कंपनी हिटाची कैश मैनेजमेंट सेक्टर-2 में काम कर चुका है। उसके पिता व भाई हलवाई का काम करते है। जॉनी इस काम को नहीं करना चाहता था। इसलिए उसने यू ट्यूब चैनल बनाया और वीडियो अपलोड करने लगा। जॉनी ने लव मैरिज की परिवार वालों की नाराजगी के चलते वो अलग से परिवार के साथ खोड़ा में किराए पर रहने लगा। घर से जाते समय उसने पिता के एक लाख रुपए भी चोरी कर लिए थे। अगस्त और सितंबर 2024 में उसने हिटाची कंपनी में काम किया। कंपनी की सारी लोकेशन व कार्य मालूम थे। जिसके चलते जॉनी ने एक प्लान बनाया और उसी के तहत बुधवार की दोपहर के समय कंपनी में कैश वैन के साथ ही मास्क लगाकर अंदर चला गया। इस दौरान जैसे ही गाड़ियों में कैश लोड होने के लिए लॉकर से कैश बैग बाहर निकाला गया। आरोपी ने पैसे से भरा एक कैश ट्रे चोरी कर लिया। पुलिस से बचने के लिए अपने किराये वाले कमरे में पैसे रखकर इधर उधर घूमता रहा। आरोपी यू-ट्यूब पर गाने और वीडियो बनाने का शौकीन है। इसका जेडी दक्ष वंशी के नाम से यूट्यूब पर चैनल है। जिसमें उसके द्वारा ये छोरे से यूपी के गाना काफी लोगों ने पसंद किया। इसी प्रकार अन्य गाने बनाकर बॉलीवुड में काम करने का सपना है।

नोएडा की 15 हजार उद्योगों का होगा सर्वे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

प्रदेश की इकोनॉमिक ग्रोथ एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लिए यहां मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट को बढ़ाना होगा। इसके लिए प्रदेश भर के औद्योगिक प्राधिकरण क्षेत्र में ऑपरेशनल और नॉन ऑपरेशनल इकाइयों का एक सर्वे प्रदेश सरकार करवा रही है। इस सर्वे की जिम्मेदारी यूपी इन्वेस्ट को दी गई है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश की सात औद्योगिक विकास प्राधिकरण में औद्योगिक इकाइयों विस्तृत सर्वे कराया जाएगा। इसमें नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना विकास प्राधिकरण सामूहिक रूप से गौतमबुद्ध नगर में 15 हजार यूनिट शामिल है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण, गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण, यूपी एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण, सतहरिया औद्योगिक विकास प्राधिकरण भी शामिल है। सर्वेक्षण औद्योगिक भूखंड से उनके आकार, भूमि उपयोग के प्रकार, औद्योगिक श्रेणी, परिचालन स्थिति और अन्य विवरण, जैसे कर्मचारियों की संख्या और निर्मित उत्पाद को निर्धारित करने के लिए डेटा एकत्र करेगा। प्राथमिक लक्ष्य फंक्शनल, नॉन फंक्शनल, निष्क्रिय या खाली भूखंड की पहचान करना है। इस सर्वेक्षण की नोडल एजेंसी इन्वेस्ट यूपी होगी। जोकि समय से इस कार्य को कराएगी। डेटा संग्रह को सुव्यवस्थित करने के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया गया है।

बिजली विभाग की टीम ने की छापेमारी, 254 पर कार्रवाई

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मोदीनगर के भोजपुर के गांव कलछीना में ऊर्जा निगम की टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में छापेमारी की। इस दौरान टीम ने 254 से अधिक स्थानों पर कार्रवाई की गई। यहां चार स्थानों पर बड़ी बिजली चोरी पकड़ी गई। आरोपी सरकार को व्यापक स्तर पर राजस्व की हानि पहुंचा रहे थे। ऊर्जा निगम ने 11 लाख रूपये राजस्व वसूली की। मोदीनगर विद्युत वितरण खंड के अधिशासी अभियंता महेश उपाध्याय ने बताया कि भोजपुर के गांव कलछीना में विद्युत चोरी की शिकायतें मिल रही थी। यहां से राजस्व भी कम प्राप्त हो रहा था। उर्जा निगम के अधिकारियों की टीम भोजपुर पुलिस बल के साथ बुधवार कलछीना गांव पहुंची। कार्रवाई से विद्युत चोरी करने वालों में हड़कंप मच गया। अधिशासी अभियंता ने बताया कि 4 स्थानों पर बिजली पकड़ी गई। 20 से अधिक आरोपी कनेक्शन कटने के बाद भी विद्युत का उपभोग करते पाए गए।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Sh. Deepak Kumar Rai is claiming to be the owner of Entire Fourth Floor with Roof Rights, covered area measuring 340.32 sq. mtrs. built on property bearing No. B-136-D, land area measuring 548.95 sq. mtrs., situated at Suncity, Plot No. 112, in the Residential Colony known as "Suncity", in and around Village Haiderpur Viran, Sector-54, Gurugram, Haryana; vide a Sale Deed dated 14.11.2024, duly registered with SRO GGN, as Document No. 15600, Book No. 1, Volume No. 184/6329, on Pages 49/96-99, on dated 14.11.2024, executed by M/s Yuzi Ventures Pvt. Ltd., All persons are hereby informed that above mentioned wants to mortgage the said property and intend to obtain loan from our client against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property, its mortgage/ litigation, & any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 legal@knalegal.com

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mr. Manjul Sharma & Mrs. Pallavi Sharma are joint owners of Property No. 370, area measuring 200 sq. mtrs., Sector-15A, Noida, District Gautam Budh Nagar, U.P: hereinafter referred to as "the said property". By virtue of Transfer deed dated 04.10.2023 having registration Nos. 6993 executed by Mr. Kunal Singh, All persons are hereby informed that above mentioned owners want to take loan facility against the said property from our client i.e. ICICI BANK LTD. by mortgaging the said property. if anybody has any objection/s upon the said property, its title its sale and mortgage, and any kind of litigation etc. and ownership of Mr. Manjul Sharma & Mrs. Pallavi Sharma, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 legal@knalegal.com

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mr. Sanjay Anand and Mrs. Vibha Anand are joint owners of Second Floor, Comprising Two Flats Nos. 5 & 5A, area measuring 204 sq. mtrs., Block-IV, in "RISHI APARTMENT" Built on Property Bearing no. 4, situated at Battery Lane, Rajpur Road, Civil Line Delhi "the said property". By virtue of Sale Deed dt. 12.12.2024 having registration Nos. 20699, executed by Mrs. Pooja Modi and Mr. Anil Modi, All persons are hereby informed that above mentioned owners want to take loan facility against the said property from our client i.e. ICICI BANK LTD. by mortgaging the said property. if anybody has any objection/s upon the said property, its title its sale and mortgage, and any kind of litigation etc. and ownership of Mr. Sanjay Anand and Mrs. Vibha Anand, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 10 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 legal@knalegal.com

PUBLIC NOTICE

To be known to all that **I, RAJESH KUMAR SAXENA S/o SH.GANESHI LAL SAXENA, allottee of JANTA FLAT NO.223,SECOND FLOOR, BLOCK-D, POCKET-11, JASOLA, NEW DELHI** have applied for Certified Copies of the aforesaid flat vide **File No.J/321(1549) 2004/JJHS/JL** in DDA. The original documents i.e.**DEMAND-CUM-ALLOTMENT LETTER, POSSESSION LETTER and NOC to water and electric of the above said flat has been lost.** An NCR/LR No.2451374/2024 dated 31.12.2024 to this effect has been lodged in P.S.Crime Branch, Delhi.Any person(s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write/ contact with above named person at above Address/Phone No.**6396141059** within 15days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property, can personally inform or write to **Deputy Director (H) or Director (H),D Block, Vikas Sadan, New Delhi**

ESAF
ESAF SMALL FINANCE BANK
REGD. OFFICE: ESAF Bhavan, Mannuthy, Thrissur- 680 651, Kerala.

GOLD AUCTION NOTICE

Notice is hereby given for the information of all concerned that Gold ornaments pledged with ESAF Small Finance Bank and not redeemed by borrowers, despite repeated reminders and notices, of our branches, are listed below. This will be auctioned as per the details given below:

DATE OF AUCTION: 20-01-2025 **TIME: 2 PM TO 5 PM**
AUCTION VENUE: THROUGH E-AUCTION
AUCTION ADDRESS: https://egold.auctiontiger.net
Contact Number: 9099013705/6351896640

To register as bidder for the e-Auction with terms and conditions, and full details of e-Auction please visit the above site.

BRANCHES & LOAN ACCOUNT NUMBERS

Faridabad: 75240001213933, 1600854.

Customers who are interested to release the ornaments by paying the total due amount may do so, at the respective branches, on or two days before the date of the auction.

Bidders who wish to participate in the auction shall produce their KYC documents. GST No. is mandatory for registered firms/companies. Bidders shall deposit a sum of Rs.50,000 as EMD before participating in the auction.

Thrissur
Date: **10-01-2025**
Sd/-
Authorized Signatory

मणिभवनम होम फाइनेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
ManiBhavnam Home Finance

कब्जा नोटिस (परिशिष्ट IV) नियम 8 (1)

जबकि मणिभवनम होम फाइनेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (जिसे आगे "एमबीएचएफ" कहा जाएगा) एमबीएचएफ, जिसे केंद्र सरकार द्वारा दिनांक 17.06.2021 की अधिसूचना के माध्यम से, "वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के प्रयोजनों के लिए एक वित्तीय संस्थान के रूप में माना जाने के लिए विधिवत अधिकृत किया गया है, जिसका पंजीकृत कार्यालय दूसरी मंजिल, एन-2, साउथ एक्सटेंशन पार्ट-1, नई दिल्ली- 110049, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54) (जिसे इसके पश्चात् "अधिनियम" कहा जाएगा) के उपबंधों के अधीन तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित उधारकर्ताओं एवं सह-उधारकर्ताओं को उक्त नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर नोटिस में उल्लिखित राशि चुकाने के लिए मांग नोटिस जारी किया है। उधारकर्ता/गारंटर द्वारा राशि वापस करने में असफल रहने के कारण, उधारकर्ता और आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के अंतर्गत उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा नीचे उल्लिखित तिथि को ले लिया है। विशेष रूप से उधारकर्ता और आम जनता को इस संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन-देन न करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन-देन "एमबीएचएफ" के प्रभार और उस पर ब्याज तथा अन्य शुल्क के अधीन होगा। उधारकर्ता का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्ति को मुक्त करने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता का नाम और पता: 1. सोनी देवी पत्नी प्रदीप, 2. प्रदीप पुत्र जयवीर, निवासी: मकान नं. 235, कचैड़ा, वारसाबाद-4, मुंडा मोहल्ला, थाना-बादलपुर, तहसील- दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर 203207. और: मकान नं. 235, कचैड़ा, वारसाबाद-4, मुंडा मोहल्ला, थाना-बादलपुर, तहसील- दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर 203207 और: प्लॉट एरिया 419 वर्ग गज, गांव-कचेरा वारसाबाद, परगना तहसील दादरी, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश - 203207. और: क्रमांक 2 - लोटस वैली स्कूल, एनआर, डी-मार्ट, 4 मूर्ति, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश - 203207

मांग नोटिस की तिथि : 10.10.2024, कब्जे की तिथि : 07.01.2025
मांग नोटिस की राशि: रु. 16,09,295.90/- दिनांक 25.09.2024 तक

सम्पत्ति का विवरण: सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि क्षेत्रफल 419 वर्ग गज, अर्थात 350.92 वर्ग मी., खसरा सं. 488 में से, गांव- कचौड़ा, वारसाबाद, परगना और तहसील- दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित, जैसा कि दस्तावेज सं. 2434, खंड सं. 26035, पृष्ठ सं. 155-174, एसआर-दादरी) चौहद्दी: पूरब में - राज सिंह का मकान, पश्चिम में - जय पाल का मकान, उत्तर में - 12 फीट चौड़ी सड़क, दक्षिण में - करमवीर का मकान

उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता का नाम और पता: 1. मंजू पत्नी राजेश कुमार, 2. राजेश कुमार पुत्र नेपाल सिंह, दोनों निवासी- ग्राम बिश्नूली, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश-203207 और: खसरा नं. 377, ग्राम बिश्नूली, परगना और तहसील-दादरी, जिला-गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश-203207 और: निवास-गांव-बिश्नूली, गौतम बुद्ध नगर, एनआर सरकारी स्कूल उत्तर प्रदेश-203207 और: कुणाल दूध बंधार, गांव बिसरख, यथार्थ अस्पताल के पास-203207

मांग नोटिस की तिथि : 04.10.2024, कब्जे की तिथि : 06.01.2025
मांग नोटिस की राशि: रु. 17,66,770.07/- दिनांक 25.09.2024 तक

सम्पत्ति का विवरण: सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि ग्राम बिश्नोली परगना तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर रकबा 344 वर्ग मी. अर्थात 287.61 वर्ग, खसरा नं. 377, चौहद्दी: पूरब में - सड़क 9 फीट, पश्चिम में - हरवीर का मकान, उत्तर में - मुखराज का मकान, दक्षिण में - देशराज का मकान

दिनांक : 10.01.2025,
स्थान : नोएडा, यू.पी.
प्राधिकृत अधिकारी,
मणिभवनम होम फाइनेंस इंडिया प्रा. लि.

BEFORE THE ADDITIONAL SUB COURT AT CHENGALPATTU IN STATE OF TAMIL NADU
I.A. NO. 3 OF 2024
IN
O.S. No. 86 of 2024
M/s. CENTURY LEATHERS (P) LIMITED REP BY ITS AUTHORISED REPRESENTATIVE MS. GEETA MOHANTY.
......PETITIONER/PLAINTIFFS
-VS-
BALWINDER SINGH & OTHERS
To, ...RESPONDENTS/DEFENDANTS
Respondent-1/ Defendant-1
Mr.Balwinder Singh, S/o Sh.Baburam R/o 351, Nangloi Jat Village, Delhi-110041

Kindly take Notice, in the above Main Suit, filed for Declaration, Permanent Injunction and for Interim Reliefs, the Hon'ble Additional Sub Court at Chengalpattu, was pleased to Order to effect Paper Publication to 1st Respondent/1st Defendant in I.A.NO. 3 OF 2024 for effecting Service and posted the above case on 27.01.2025, for your appearance. Hence enter appearance either personally or through Your Advocate at 10.30A.M. in the above mentioned Court without fail or else the matter will be heard and decided in your absence.

M. ANANDEESWARAN,
COUNSEL FOR PLAINTIFF
PH. 98402 03800

BEFORE THE ADDITIONAL SUB COURT AT CHENGALPATTU IN STATE OF TAMIL NADU
O.S. No. 86 of 2024
M/s. CENTURY LEATHERS (P) LIMITED REP BY ITS AUTHORISED REPRESENTATIVE MS. GEETA MOHANTY
......PETITIONER/PLAINTIFFS
-VS-
BALWINDER SINGH & OTHERS
To ....RESPONDENTS/DEFENDANTS
Defendant-1
Mr.Balwinder Singh, S/o Sh.Baburam, R/o 351, Nangloi Jat Village, Delhi-110041

Kindly take Notice, in the above Main Suit, filed for Declaration, Permanent Injunction and for Interim Reliefs, the Hon'ble Additional Sub Court at Chengalpattu, was pleased to Order to effect Paper Publication to 1st Defendant, for effecting Service and posted the above case on 27.01.2025 for your appearance. Hence enter appearance either personally or through Your Advocate at 10.30A.M. in the above mentioned Court without fail or else the matter will be heard and decided in your absence.

M. ANANDEESWARAN,
COUNSEL FOR PLAINTIFF
PH. 98402 03800

Equinox India

Tapir Constructions Limited
(CIN: U70200DL2014PLC267441)
Extract of Unaudited Financial Results for the quarter and nine months ended 31 December 2024
(₹ in Millions)

Sl. No.	Particulars	Quarter ended 31 December 2024 (Unaudited)	Corresponding quarter ended 31 December 2023 (Unaudited)	Previous year ended 31 March 2024 (Audited)
1	Total Income from Operations	5.2	2.7	24.8
2	Net (Loss) / Profit for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	(45.0)	(17.5)	(71.5)
3	Net (Loss) / Profit for the period before Tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	(45.0)	(17.5)	(71.5)
4	Net (Loss) / Profit for the period after Tax, (after Exceptional and/or Extraordinary items)	(45.0)	(17.5)	(71.5)
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising (Loss) / Profit for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	(45.0)	(17.5)	(72.0)
6	Paid up Equity Share Capital	0.5	0.5	0.5
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve)	(2,199.1)	(2,078.3)	(2,117.5)
8	Securities Premium Account	-	-	-
9	Net Worth	(2,198.6)	(2,077.8)	(2,117.0)
10	Paid up Debt Capital / Outstanding Debt	4,360.0	3,232.0	3,540.5
11	Outstanding redemption preference share	-	-	-
12	Debt Equity Ratio	(2.02)	(1.56)	(1.70)
13	Earnings per Share (EPS) (Face value Per Share ₹ 10 each)			
	- Basic (Amount in ₹)	(901.76)	(350.00)	(1,430.52)
	- Diluted (Amount in ₹)	(901.76)	(350.00)	(1,430.52)
14	Capital Redemption Reserve	-	-	-
15	Debenture Redemption Reserve	-	-	-
16	Debt Service Coverage Ratio	(0.60)	(0.10)	(0.06)
17	Interest Service Coverage Ratio	(0.60)	(0.32)	(0.35)
18	Current ratio (In times)	1.03	0.78	0.92
19	Total debts to total assets	0.74	0.68	0.71
20	Long term debt to working capital (In times)	13.06	(0.54)	(3.79)
21	Bad debt to account receivable ratio (In %)	-	-	-
22	Current liability ratio (In times)	0.70	0.89	0.76
23	Debtor turnover ratio (In times)	-	-	-
24	Inventory turnover ratio (In times)	-	-	-
25	Operating margin (In %)	6.39	18.61	31.91
26	Net profit margin (In %)	(857.01)	(640.48)	(288.53)

Notes :
1 The above results have been reviewed and approved by the Board of Directors ('the Board') at its meeting held on 09 January 2025.
2 The above is an extract of the detailed format of Quarterly / Annual Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 52(8), read with 52(4) of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly/ Annual Financial Results are available on the Company's website (https://equinoxindia.com/tcl/) and on the website of BSE (https://www.bseindia.com) and NSE (https://www.nseindia.com).

Registered Office:
Office No. 202, 2nd Floor, A-18, Rama House, Middle Circle, Connaught Place, New Delhi- 110 001.

Place : **Mumbai**
Date : **09 January 2025**

For and on behalf of the Board of Directors
Abhishek Rajninath Surve
Executive director

संक्षिप्त समाचार

थाना जेवर क्षेत्र में रेकी कर चोरी करने वाले तीन अन्तर्राज्यीय चोर गिरफ्तार, कब्जे से करीब तीन लाख रुपये का चोरी का घरेलू सामान बरामद।

भाजपा महानगर अध्यक्ष को लेकर आवेदन शुरू

गाजियाबाद। भाजपा महानगर अध्यक्ष बनने के लिए आज से पार्टी कार्यालय पर आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई। गाजियाबाद के प्रभारी पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने आज भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की एवं बारी-बारी से लोगों से बात की। इस दौरान पवन गोयल, गोपाल अग्रवाल, प्रेम त्यागी, सुरेन्द्र नागर, पप्पू पहलवान, रनिता सिंह, अजय शर्मा, तेजपाल राणा, कामेश्वर त्यागी, तरूण शर्मा, मानसिंह गोस्वामी, सुखदेव त्यागी, राजेश त्यागी, संजय कुशवाह, नवीन त्यागी, सचिन डेढ़ा, लेखराज माहौर, अमित प्रताप, अजय शुक्ला, सरदार सिंह भाटी, विमला रावत, राजू पांचाल, उदिता त्यागी, मोनिका पंडिता, इंदू जौहरी, अशोक संत, राजीव अग्रवाल, मोहन झा, सुशील गौतम, हरीमोहन झा, मनोज वोहरा, कुलदीप त्यागी, विदोन कसाना, केके शुक्ला, सुधीर त्यागी, चंद्र प्रताप सिंह, अश्वनी शर्मा, राजेश त्यागी, पंकज भारद्वाज, प्रदीप चौहान, गौरव चोपड़ा, चमन चौहान, बोबी त्यागी आदि ने नामांकन पत्र खरीदे। खबर लिखे जाने तक दो नामांकन हो चुके थे।

पुलिस की दो बदमाशों से मुठभेड़, दो गिरफ्तार

नोएडा। थाना फेस-2 पुलिस द्वारा सेक्टर-83 मेट्रो स्टेशन याकूबपुर कट पर चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान एक बिना नंबर प्लेट लगी मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियो को रुकने का इशारा किया। लेकिन वह नही रूके और तेजी से मोटरसाइकिल को भगाने लगे। पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर उपरोक्त दोनों व्यक्ति इंडिया टीवी रोड की तरफ भागने लगे। सामने से भी पुलिस टीम को आता देखकर दोनों व्यक्ति मोटरसाइकिल को वही गिराकर भागने लगे। एक बदमाश द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर किया गया। जिस पर पुलिस टीम द्वारा की गयी जवाबी कार्रवाई में वह गोली लगने से घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान दीपान्शु उर्फ दीपू पुत्र निवासी थाना फेस-2, गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई है। दूसरे बदमाश चांद मौहम्द पुत्र रफीक निवासी सलारपुर, थाना सेक्टर-39 को कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया। बदमाशों के कब्जे से 1 अवैध तमंचा चोरी की एक मोटरसाइकिल बिना नंबर प्लेट की बरामद की गई। बदमाशों द्वारा सेक्टर-83 रेड लाइट के पास एक कंपनी के बाहर से बाइक चोरी की गई थी। इनका आपराधिक रिकार्ड खंगाला जा रहा है।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 10 जनवरी , 2025

'जाटों को केंद्र की ओबीसी सूची में शामिल करें'

● आप संयोजक केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखा पत्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव के लिए 5 फरवरी को मतदान होगा। इस बीच मतदाताओं को अपने पाले में लाने के लिए आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी है। एक दौर में जाट मतों का बड़ा हिस्सा भगवा पार्टी को मिलता था।

हालांकि पिछले चुनावों में कई सीटों पर इसमें बिखराव देखने को मिला है। राष्ट्रीय राजधानी में जाट समुदाय के पास एक मजबूत सामाजिक और राजनीतिक नेटवर्क है। दिल्ली के चुनाव में जाट को बेहद प्रभावी माना जाता है। आम आदमी पार्टी इसमें सेंध लगाने की कोशिश कर रही है। इसके मद्देनजर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्रकर लिखकर दिल्ली के जाट समाज को केंद्र सरकार की ओबीसी लिस्ट में शामिल करने की मांग की है। अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार ने दिल्ली के जाट समाज से चार बार ओबीसी आरक्षण देने का वादा किया, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। जाट समाज के साथ ही ओबीसी दर्जा प्राप्त रावत, रौनियार, राय तंवर, चारण, ओड जातियों को भी केंद्र की ओबीसी लिस्ट में शामिल करने की मांग है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान का जाट समाज केंद की ओबीसी लिस्ट में है। इसलिए वहां के जाट समाज के छात्रों को दिल्ली में केंद्र की यूनिवर्सिटी में आरक्षण मिलता है, लेकिन दिल्ली के जाट समाज के बच्चों नहीं मिलता है। केंद्र की ओबीसी लिस्ट में न होने से दिल्ली के जाट समाज को केंद्रीय संस्थानों की नौकरियों में भी आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाता है। अगर भाजपा जाट समाज को केंद्र की ओबीसी लिस्ट में शामिल नहीं करती है तो वह इसके लिए संघर्ष करेंगे।

नई दिल्ली सीट से ही लड़ेंगे चुनाव

नई दिल्ली। नई दिल्ली से हार के डर से एक अन्य सीट से भी विधानसभा चुनाव लड़ने के भाजपा नेताओं के दावे को खारिज करते हुए आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह मात्र एक सीट से चुनाव लड़ेंगे।

केजरीवाल ने यह भी कहा कि विधानसभा चुनाव इंडिया गठबंधन का मामला नहीं है, क्योंकि दिल्ली में आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच सीधा मुकाबला है। नई दिल्ली से 2013 से तीन बार के वर्तमान विधायक केजरीवाल का इस बार इस सीट पर दिल्ली के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटों के साथ कड़ा त्रिकोणीय मुकाबला है। भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश वर्मा को चुनाव मैदान में उतारा है जबकि कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के पुत्र संदीप दीक्षित को टिकट दिया है। शीला दीक्षित तीन कार्यकालों के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रही थीं।

कांग्रेस की चमकी किस्मत तो आप का हो सकता है खेल खराब

● कई विधानसभाओं में कांग्रेसी दिग्गजों ने मुकाबला त्रिकोणीय बनाया

वर्ष	आप(%)	भाजपा(%)	कांग्रेस (%)
2008	0	40.3	36.3
2013	29.4	33.7	24.5
2015	54.3	32.1	9.6
2020	53.5	38.5	4.1

संजय राय। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी पर विधानसभा चुनाव रंग सुखरू हो चुका है। मतदाता को अपने पाले में करने के लिए सियासी दल हर दांवपेच अपना रहे हैं। लेकिन 70 सीटों वाली दिल्ली विधानसभा का चुनाव किस पार्टी के लिए शुभ होगा और जनता किस दल के साथ अपनी मोहब्बत का इजहार करेगी, इसका पता तो 8 फरवरी को चुनाव नतीजे आने के बाद ही चलेगा। इस बीच आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के सामने विपक्ष के पास कोई बड़ा चेहरा नहीं है। यह वह मुद्दा है जिसको लेकर आप नेता भाजपा पर हमलावर है और इसका फायदा वह पिछले दो विधानसभा चुनाव से लगातार उठा रहे हैं।

वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस की तरफ से अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई चेहरा चुनाव में नहीं था, जिसके कारण वर्ष 2020 में आम आदमी पार्टी ने 70 में से 62 सीटें जीती थी। लेकिन दोनों पार्टियों ने इससे कोई सबक नहीं लिया। अब सवाल है कि क्या केजरीवाल हार सकते हैं, क्या आप की सीटें काम हो सकती है, क्या भाजपा आप को कड़ी टक्कर दे सकती है, या फिर स्थिति वैसे ही रहेगी जैसी की वर्ष 2020 में थी या आप का जितना बहुत मुश्किल होगा। वर्ष 2025 का चुनाव त्रिकोणीय है। वर्ष 2020 में भाजपा का वोट शेयर 38 प्रतिशत था और अगर यहां से वह 10 प्रतिशत वोट शेयर की बढ़ोतरी कर 48 प्रतिशत पर आ जाती है या 45 फीसदी पर सीमित रहती है और आम आदमी पार्टी 53 प्रतिशत वोट शेयर से 43 प्रतिशत पर आ जाती है। तब भाजपा यह चुनाव जीत सकती है। लेकिन यह तभी संभव है कि जब कांग्रेस अपना वोट शेयर चार प्रतिशत से बढ़कर 15 प्रतिशत पर आ जाए। जब आम आदमी पार्टी का वोट शेयर कांग्रेस कम करेगी तब भाजपा का वोट शेयर बढ़ेगा और हो सकता है कि तब भाजपा सरकार बनाने की स्थिति में आ जाए लेकिन अभी यह दूर की कौड़ी है।

वर्तमान में जो स्थिति है उसके हिसाब से कुछ भी हो सकता है लेकिन भाजपा के लिए बहुत जरूरी है कि कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन करें। वर्ना अरविंद केजरीवाल वापस सत्ता में आ सकते हैं। अगर बहुत ज्यादा उलटफेर हुआ तो पिछली बार आप की 62 सीटें थी, जो इस बार कम होकर 53-54 सीटों पर ही सिमट जाए। लेकिन सरकार तो वह तब भी बना ही लेगी। इन आंकड़ों से पता चलता है कि अगर कांग्रेस इस बार अच्छा प्रदर्शन करती है तो केजरीवाल के लिए चुनाव जीतना मुश्किल हो सकता है। अगर ऐसा होता है तो इससे आप को नुकसान हो सकता है इसलिए यह ऐसा अनोखा चुनाव है जहां असल में भाजपा अंदर ही अंदर यह चाहेगी कि कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन करें। इसके लिए कांग्रेस को अपना वोट शेयर आप से वापस छीनना होगा। वहीं दस साल से अधिक सत्ता में रहने से अक्सर लोगों में एक थकान भी आ जाती है और हो सकता है केजरीवाल को लेकर भी यह थकान पैदा हो रही हो। जिसका फायदा भाजपा को हो सकता है। अगर ऐसा होता है तो हरियाणा और महाराष्ट्र की जीत के बाद दिल्ली भी जीत जाती है है तो यह भाजपा की हैट्रिक होगी और उसका राष्ट्रीय राजधापी में शासन करने का सपना पूरा हो जाएगा। वहीं अगर आम आदमी पार्टी जीत गई तो केजरीवाल विपक्ष में ममता बनर्जी और राहुल गांधी के बाद सबसे मजबूत नेताओं के क्लब में शामिल हो जाएंगे। साथ ही विपक्ष और देश को बता सकते हैं कि अगर मोदी को कोई हरा सकता है तो वह केजरीवाल है। इस चुनाव का जो भी नतीजा होगा उसका देश की राजनीति पर जबरदस्त असर पड़ने वाला है।

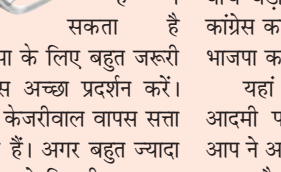

वर्ष 2008 में आम आदमी पार्टी के उदय से पहले दिल्ली में सिर्फ दो ही पार्टियों भाजपा और कांग्रेस के बीच बड़ा मुकाबला होता था। तब कांग्रेस का वोट शेयर 40.3 फीसदी, भाजपा का 36.3 फीसदी था।

यहां साल 2013 में आम आदमी पार्टी का उदय हुआ और आप ने अपना पहला चुनाव 2013 में लड़ा और पहले चुनाव में ही आम आदमी पार्टी 29.4 फीसदी, कांग्रेस 24.5 प्रतिशत और भाजपा का 33.07 फीसदी वोटर शेयर था। साल 2013 में कांग्रेस 40 प्रतिशत से सीधे 24.5 फीसदी पर आ गई। यह जो 40 से 24 प्रतिशत तक आने का जो नुकसान कांग्रेस को हुआ। वह सारा वोट आम आदमी पार्टी के उदय होने से शुरू हुआ। आप वर्ष 2015 में छलांग लगाकर 54.3 प्रतिशत पर पहुंच गई। फिर वर्ष 2020 में 53.5 प्रतिशत पर आ गई। वहीं भाजपा 36, 33, 32 और 38 प्रतिशत वोट शेयर के साथ स्थिर है। इस दौरान 10-15 वर्षों में कांग्रेस का सबसे बुरा हाल का हुआ। वह वर्ष 2008 में 40 प्रतिशत से वर्ष 2020 में 4.1 प्रतिशत के साथ धरातल पर आ गई। क्योंकि आम आदमी पार्टी ने जो सारा वोट हासिल किया वह कांग्रेस से ही लिया। इसीलिए कांग्रेस की हालत

आप जाति के नाम पर लोगों को बांट रही: प्रवेश

● बोले, दिल्ली देहात के 28 सीटों पर अरविंद केजरीवाल की हार निश्चित हुई है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी एव पूर्व सांसद प्रवेश साहिब सिंह ने आप संयोजक के जाटों को केंद्र ओबीसी सूची में शामिल करने की मांग पर पटलवार करते हुए कहा कि केजरीवाल की राजनीतिक जमीन खिसक रही है। ऐसे में वह दिल्ली को जाति के नाम पर बांटने का काम करने लगे हैं जबकि पिछले 11 सालों में उन्हें कभी जाट समाज की याद नहीं आई।

प्रवेश साहिब सिंह ने प्रदेश प्रवक्ता अजय सहारावत और भाजपा नेत्री नीतू डब्बास की मौजूदगी में बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केजरीवाल के बयान को लेकर दिल्ली देहात के लोगों में जबरदस्त गुस्सा है और सबने मिलकर यह फैसला किया है कि दिल्ली देहात के लोग चाहे वह किसान हो या फिर जाट या गुर्जर सभी ने आम आदमी पार्टी के खिलाफ वोट करने का निश्चय किया है। उन्होंने कहा कि यही केजरीवाल हैं जिन्हें जाटो के शरीर से दर्गंध आती है, जिन्होंने जाटों को ही नहीं बल्कि दिल्ली देहात के लोगों को अपने घर में घुसने नहीं दिया और आज जब चुनाव नजदीक है तो उन्हें जाटो की याद आ रही है। सिंह ने कहा कि दिल्ली देहात के किसानों ने माँग की कि प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना में 6000 रूपए का लाभ मिले लेकिन केजरीवाल ने वह सूची तक केंद्र सरकार को नहीं दी। वर्मा ने कहा कि उन्होंने पत्र लिखकर यह कहा कि मेरे पिता डॉक्टर साहिब सिंह वर्मा की समाधि स्थल दिल्ली सरकार की जमीं पर है का निर्माण करवाया जाए लेकिन केजरीवाल ने अभी तक उसका जवाब नहीं दिया। आज जब बाहरी दिल्ली में 28 सीटें आती है उन सभी सीटों पर मीटिंग हुई और सबने तय किया है कि केजरीवाल को वोट नहीं करना है। जब जाट भाई खेती करते थे तो उनके बढ़े हुए बिजली बिल आते हैं फिर उनका बिजली बिल माफ क्यों नहीं किया। किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया जाता था तो 2.5 करोड़ रुपये दिए जाते थे जबकि मार्केट रेट 10 से 15 करोड़ रुपये होते हैं। गांव के किसानों को मार्केट रेट मिले यह काम साहिब सिंह वर्मा जी ने शुरू किया था लेकिन आज अरविंद केजरीवाल सरकार जबरदस्ती सस्ते रेट पर जमीन अधिग्रहण कर रही है।

चुनाव में आप, भाजपा बेनकाब : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने खुलासा करते हुए बताया कि केंद्र सरकार ने जाट समाज को केंद्रीय सूची में दिल्ली सहित देश के 9 राज्यों में जाट आरक्षण 4 मार्च 2014 को प्रदान कर उसकी अधिसूचना जारी कर दी थी। दिल्ली के अलावा बिहार, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में जारी की थी।

मगर सुप्रीम कोर्ट ने उसे 17/3/2015 के फैंसले में खारिज कर दिया क्योंकि केंद्र की मोदी सरकार ने उसकी पैरवी सुप्रीम कोर्ट में नहीं की और न ही मुख्यमंत्री केजरीवाल ने मुखरता से उस वक्त आवाज उठाई। अब जब चुनाव हैं तो केजरीवाल और मोदी सरकार जाट समाज के भावनाओं से खेल रहे हैं जो बेहद शर्मनाक हैं।

अपमानित करने वाले सहकर्मी की हत्या के आरोप में दो गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कार्यस्थल पर बार-बार अपमानित करने पर दो लोगों ने अपने सहकर्मी युवक की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि मंगलवार रात को पुलिस को सूचना मिली कि रामपुरा इलाके में एक बंद कमरे से दुर्गंध आ रही है और जब टीम मौके पर पहुंची तो उसे एक पुरुष की सड़ी-गली लाश मिली। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान गोलू के रूप में हुई है।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि गोलू अक्सर एक संदिग्ध रणजीत के साथ सोशल मीडिया पर रील बनाता था। रणजीत के सोशल मीडिया अकाउंट की जांच से महत्वपूर्ण सुराग मिले।

पुलिस ने कई स्थानों पर छापेमारी की और दो संदिग्धों रणजीत और नीरज वर्मा को गिरफ्तार किया, जो रामपुरा के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने खुलासा किया कि गोलू एक टेंट हाउस और बाद में एक फुटवियर फैक्टरी में उनका सहकर्मी था। पुलिस ने बताया कि गोलू अक्सर उनका मजाक बनाता और उन्हें अपमानित करता था।

आप ने की वोटर सूची में हेराफेरी की शिकायत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी पर नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में हेराफेरी का आरोप लगाते हुए निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई। केजरीवाल नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में हैं। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोगों ने मतदाता सूची में 13,000 नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए आवेदन किया और उन्होंने अपने पक्ष में मतदान को प्रभावित करने के लिए 5,500 मतदाता प्रविष्टियों को रद्द करने की मांग की।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री इन कथित गड़बड़ियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग पहुंचे। केजरीवाल ने आयोग के अधिकारियों से मिलने के बाद मीडिया से कहा कि पिछले 22 दिनों में नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं के नाम

ईसी कार्यालय से बाहर आतीं आतिशी व केजरीवाल व मान

हटाने के लिए 5,500 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस निर्वाचन क्षेत्र में लगभग एक लाख मतदाता हैं, जिसका अर्थ है कि 5.5 प्रतिशत मतदाताओं के नाम हटाने के लिए केवल 22 दिनों में ये आवेदन दायर किए गए हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि जब निर्वाचन आयोग ने इनमें से कुछ लोगों से संपर्क किया, तो उन्होंने ऐसे आवेदन जमा करने से इनकार कर दिया। संपर्क किए गए सभी 89 व्यक्तियों ने कहा कि उन्होंने कोई आवेदन दाखिल नहीं किया है।

राष्ट्रपति भवन 21 से 29 जनवरी तक आम जनता के लिए बंद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आगामी गणतंत्र दिवस परेड और बीटिंग रिट्रीट समारोह के कारण राष्ट्रपति भवन (सर्किट-1) 21 से 29 जनवरी तक आम जनता के लिए बंद रहेगा। एक आधिकारिक बयान में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई। सर्किट 1 आगंतुकों को राष्ट्रपति भवन की मुख्य इमारत का भ्रमण कराता है, तथा उन्हें भवन के अग्रभाग, प्रमुख कक्षों और लंबे ड्राइंग रूम आदि दिखाता है। राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आयोजित होने वाला चेंज ऑफ गार्ड समारोह एक सैन्य परंपरा है। यह हर सप्ताह आयोजित किया जाता है ताकि राष्ट्रपति के अंगरक्षकों के एक नए समूह को कार्यभार संभालने का मौका मिल सके।

फैक्ट्री में लगी आग, दम घुटने से मजदूर की मौत

फाइल फोटो

नई दिल्ली। जीटीबी एन्क्लेव थानांतर्गत एक फैक्ट्री में लगी आग में झुलसने ओर धुए से दम घुटने की वजह से एक कर्मचारी की मौत हो गई। शाहदरा डिस्ट्रिक डीसीपी प्रशांत गौतम के अनुसार वीरवार की सुबह करीब 1. 45 पर फैक्ट्री नंबर 340/61, गली न - 1बी, फ्रेंड्स कॉलोनी, इंडस्ट्रियल एरिया में आग लगने की सूचना मिली थी, फैक्ट्री में टेलीफोन बनते है। हादसे के समय फैक्ट्री में पांच लोग मौजूद थे जिसमे से चार लोग हॉल में सो रहे थे जबकि एक हॉल के साथ बने कमरे में सो रहा था। रात में अचानक उस कमरे में आग लग गयी, जिसमे कमरे में सो रहे अजीत (25) की धुएं से दम घुटने से मौत हो गई। अजीत के साथ काम करने वाले साथी मिथलेश ने बताया अजीत करीब पिछले पांच साल से यहां काम कर रहा था। फैक्ट्री में मैग्नेटो टेलीफोन बनते है। दमकल ने आग को फैक्ट्री में फैलने से पहले ही काबू पा लिया था द्य फिलहाल पुलिस ने बीएनएस 287/106 (ए) के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। वहां तैनात सुरक्षा कर्मचारी ने फैक्ट्री के दूसरे तल से धुआं व आग निकलते देखा। सुरक्षाकर्मी ने दमकल विभाग को सूचना देने के साथ ही शोर मचाया तो हॉल में सो रहे चार लोग जग गए और सुरक्षित बाहर निकल आए।

ईएमयू की चपेट में आने से लोको पायलट ने दम तोड़ा

फाइल फोटो

नई दिल्ली। शाहदरा रेलवे यार्ड पर लोको पायलट की रेल लोको (इंजन) की रूटीन जांच करते समय दूसरी ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान आशीष श्रीवास्तव के रूप में हुई है। वह अपने परिवार के साथ छपरौला गाजियाबाद में रहता था। वीरवार की सुबह वह डयूटी पर पहुंचे थे ओर करीब 10.20 बजे वह शाहदरा यार्ड पर खड़ी अपनी रेल का लोको (इंजन) चैक कर रहे थे तभी दूसरी पटरी पर आ रही ईएमयू की चपेट में आ गए। उनको गम्भीत चोट आई। घटना के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। लोको की जांच सभी लोको पायलट करते है। यह एक रूटीन जांच है। वह शायद दूसरी पटरी पर आ रही ईएमयू का ध्यान नहीं कर पाए ओर हादसे का शिकार हो गए।

मतदाता दिल्ली को आप-दा से कराएंगे मुक्त : नड्डा

● बोले, केजरीवाल हार के डर से यूपी, बिहार के लोगों के खिलाफ गलत बयानबाजी करने पर उतारू

चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा व वीरेंद्र सचदेवा।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर पूर्वांचल के लोगों का अपमान करने का आरोप लगाया और कहा कि विधानसभा चुनाव में हार के डर से वह उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी करने पर उतारू हो गए हैं।

नड्डा की यह प्रतिक्रिया केजरीवाल के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने भाजपा पर नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में हेराफेरी का आरोप लगाया और निर्वाचन आयोग में इसकी शिकायत दर्ज कराई। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोगों ने मतदाता सूची में 13,000 नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए आवेदन किया है और अपने पक्ष में मतदान को प्रभावित करने के लिए 5,500 मतदाता प्रविष्टियों को रद्द करने की मांग की है। नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पिछले 10 वर्षों से दिल्ली पर आपदा बनकर भ्रष्टाचार का पहाड़ खड़ाकर लूट मचा रहे अरविंद केजरीवाल को अपनी हार का डर सताने लगा तो बौखलाकर उत्तर प्रदेश और बिहार के हमारे भाई-बहनों के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी करने पर उतारू हो गए। उन्होंने कहा, केजरीवाल ने यूपी-बिहार के हमारे लोगों को फर्जी वोटर कह कर उनका अपमान किया है। दिल्ली की जनता सत्ता से उखाड़कर उन्हें इसका जवाब जरूर देगी।

गणतंत्र दिवस के लिए अर्धसैनिक बलों की 50 कंपनियां रहेंगी तैनात

● दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा के लिए विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ अंतरराज्यीय समन्वय बैठक की

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक करते कमिश्नर सजय अरोड़ा।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में गणतंत्र दिवस समारोह और आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर अर्धसैनिक बलों की 50 से अधिक कंपनी और 5,000 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा के लिए बुधवार को विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ एक अंतरराज्यीय समन्वय बैठक की।

बैठक की अध्यक्षता दिल्ली के पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने की और इसमें हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, झारखंड, उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान, चंडीगढ़ तथा जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल हुए। पुलिस के एक सूत्र ने बताया, समन्वय बैठक के दौरान दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था की स्थिति से बचने और कड़ी निगरानी के लिए अर्धसैनिक बलों की 50 से अधिक कंपनी तथा साइबर सुरक्षा में माहिर अधिकारियों की मांग की है। पुलिस ने कहा कि समन्वय बैठक में अधिकारियों ने विभिन्न मामलों से जुड़ी खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान किया और सीमा पर जांच एवं संदिग्ध तत्वों के सत्यापन सहित अन्य आतंकवाद विरोधी उपायों को मजबूत करने का संकल्प लिया। पुलिस के मुताबिक, अरोड़ा ने सभी संबंधित एजेंसियों से संदिग्ध तत्वों पर नजर रखने के लिए मानवीय एवं तकनीकी बुद्धिमत्ता का व्यापक रूप से इस्तेमाल करने और नापाक मंसूबों पर पानी फेरने के लिए संदिग्ध गतिविधियों का पहले से अनुमान लगाने का आह्वान किया।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वाहन की आवाजाही के बारे में पहले से जानकारी देने पर जोर दिया गया। इसमें एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में सक्रिय अंतरराज्यीय गिरोहों और अवैध हथियारों, शराब, नकदी, नशीले पदार्थों आदि की आपूर्ति के मामलों पर भी चर्चा की गई। विशेष पुलिस आयुक्त देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए समन्वय का खाका तैयार किया गया। बैठक में सभी जिलों के पुलिस उपायुक्त और वरिष्ठ अधिकारियों को तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई। इसमें हर जिले के डीसीपी को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने संवेदनशील और अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में तथा मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त अर्धसैनिक बल तैनात करें। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, जमीन पर मौजूद टीमों ने अब तक 3,000 से अधिक संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों तथा क्षेत्रों की पहचान की है। उन्होंने कहा, चुनाव के दौरान अवैध शराब और नकदी के वितरण के अलावा हथियारों की तस्करी जैसी घटनाओं को रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए जाएंगे। गणतंत्र दिवस समारोह और चुनाव प्रक्रिया के दौरान हिंसा या हथियारों के दुरुपयोग की आशंका टालने के लिए एजेंसियों ने पहले ही अपने स्थानीय सूत्रों को सक्रिय कर दिया है।

अधिकारी के अनुसार, विशेष प्रकोष्ठ और अपराध शाखा की टीमें हथियार आपूर्तिकर्ताओं की गतिविधियों पर करीबी नजर रख रही हैं। गणतंत्र दिवस समारोह के लिए नई दिल्ली में उच्च स्तरीय सुरक्षा तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई व्यवधान न हो, दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां सुरक्षा अभ्यास कर रही हैं।

परेड में 10 हजार विशेष अतिथि आमंत्रित: सरकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पैरालंपिक दल के सदस्य, उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले गांवों के सरपंच, हथकरघा कारीगर और वन एवं वन्यजीव संरक्षण कार्यकर्ता उन लगभग 10,000 विशेष अतिथियों में शामिल हैं जिन्हें यहां कर्तव्य पथ पर 76वें गणतंत्र दवस की परेड देखने के लिए आमंत्रित किया गया है।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, स्वर्णिम भारत के इन वास्तुकारों में विविध पृष्ठभूमि के लोग हैं, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले और सरकार की योजनाओं का सर्वोत्तम उपयोग करने वाले लोग शामिल हैं। राष्ट्रीय महत्व के आयोजनों में जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से गणतंत्र दिवस परेड देखने के लिए लगभग 10,000 विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि इन विशेष अतिथियों को विभिन्न क्षेत्रों और कार्यक्षेत्रों से चुना गया है। इसके लिए कुल 31 श्रेणियां थी। इन श्रेणियों में सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाले गांवों के सरपंच, आपदा राहत कर्मचारी, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जल योद्धा, जीवंत गांवों के अतिथि , पूर्वोत्तर राज्यों के अतिथि, सर्वश्रेष्ठ पेटेंट धारक, सर्वश्रेष्ठ स्टार्ट-अप व सड़क निर्माण श्रमिक समेत अन्य शामिल हैं। आमंत्रित लोगों में हथकरघा कारीगर, पैरालंपिक दल के सदस्य और वन एवं वन्यजीव संरक्षण कार्यकर्ता भी शामिल हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 10 जनवरी, 2025

विदेश से संचालित रिकवरी कंपनी के 15 ठग गिरफ्तार

लोन रिकवरी के नाम पर करते थे ठगी, लोगों के पास कॉल करके ज्यादा राशि भरने के नाम पर धमकाते थे लोगों को

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

साइबर ठगी में बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए जिला पुलिस ने चीन व इंडोनेशिया से ऑपरेट रिकवरी कंपनी के 15 साइबर ठग युवक-युवतियों को नोयडा से काबू किया है। वे लोन रिकवरी के नाम पर लोगों को डरा-धमकाकर ज्यादा राशि भरने के नाम पर साइबर ठगी करते थे। गुरुवार को साइबर अपराध सहायक पुलिस आयुक्त प्रियांशु दीवान ने बताया कि आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि उनके द्वारा की गई सभी वारदातों का पता लग सके।

लोन रिकवरी के नाम पर कॉल करके ठगी के आरोपी युवक, युवतियां पुलिस गिरफ्त में।

थाना साइबर अपराध पूर्व के प्रबंधक की टीम ने विभिन्न चाइनीज ऐप्स के माध्यम से लिए गए लोन की रिकवरी के लिए लोगों को डरा-धमका कर ज्यादा पैसे रिकवर करके ठगी करने वाले 15 आरोपियों को सेक्टर-2 नोएडा (उत्तर-प्रदेश) से काबू किया। आरोपियों की पहचान हरमन, आंजनेय चौधरी, अरुण कुमार, सचिन, बिलाल खान, आसिफ, उज्ज्वल, सलमान अब्बास, सुरेश, हिमांशु, सन्नी श्रीवास्तव, मनमोहन, रिपुन्जय, अनिल व महेंद्र के रूप में हुई। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के खिलाफ थाना साईबर अपराध पूर्व, गुरुग्राम में केस दर्ज किया है। आरोपियों से पुलिस पूछताछ में ज्ञात हुआ कि आरोपी डायलबैक प्राइवेट लिमिटेड नाम से एक कंपनी के लिए काम करते हैं। डायलबैक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी इंस्टेंट लोन देने का व दिए गए इंस्टेंट लोन की रिकवरी करने का काम एक एनबीएफसी कंपनी वैशाली सिक्योरिटीज कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर करती है।

आरबीआई ने कंपनी का लाइसेंस कर रखा है रद्द

डायल बैंक प्राइवेट लिमिटेड जिस पीएसपीआर एनबीएफसी कंपनी के साथ इंस्टेंट लोन देने व रिकवरी करने का काम करती थी, उसका लाइसेंस आरबीआई द्वार निरस्त किया जा चुका है। आरोपियों के कब्जे से पांच लैपटाप, 15 मोबाइल व 223 सिम कार्ड बरामद किए गए हैं।

वैशाली सिक्योरिटीज कंपनी प्राइवेट लिमिटेड जरूरतमन्द लोगों को अलग अलग इंस्टेंट लोन एप्लीकेशन के माध्यम से इंस्टेंट लोन (पांच हजार से लेकर लगभग 60 हजार तक सात दिन, 15 दिन व 21 दिन के लिए) देती है। डायल बैक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी उस लोन की रिकवरी करने का काम करती है।

चीन-इंडोनेशिया से चल रही थी भारत की कंपनी

डायल बैक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी रजिस्टर्ड तो भारत देश में है, लेकिन इसको ऑपरेट चीन व इंडोनेशिया से किया जाता है। चीन में इंडोनेशिया में कंपनी को ऑपरेट करने वाले लोगों द्वारा ही लोन कैसे देना ओर कैसे रिकवर करना है ये सब निर्देश दिये जाते हैं। तुरंत लोन की ऐप्स के नाम पर दिए गए लोन की रिकवरी का पैसा वैशाली सिक्योरिटीज कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को भेजा जाता है। जिन व्यक्तियों ने सभी इंस्टेंट लोन ऐप से लोन लिया है। लोन लेने के बाद जिन व्यक्तियों ने लोन की पेमेंट देरी में की है या नहीं की है, उसकी रिकवरी के लिए उन सब व्यक्तियों का डाटा वैशाली सिक्योरिटीज कंपनी प्रा. लि. कंपनी को उपलब्ध कराया जाता है। जिसके बाद वैशाली सिक्योरिटीज कंपनी प्रा. लि. कंपनी के आदेश अनुसार डायलबैक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी उस इंस्टेंट लोन की रिकवरी के लिए कॉल सेंटर के स्टाफ/एजेंट्स के माध्यम से कॉलिंग करवाती हैं। लोन लेने वाले लोगों को डराया, धमकाया जाता है और पैसे वसूले जाते है।

जंगल सफारी परियोजना को फलीभूत करेगा वन विभाग

अधिकारियों के साथ बैठक करते मंत्री राव नरबीर सिंह।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अरावली पर्वतीय श्रृंखला में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने की परियोजना जंगल सफारी पर तेजी से कार्य किया जाए और व्यक्तिगत रूप से वहां जाकर स्थिति का जायजा लें, ताकि जल्द से जल्द इसे धरारतल पर लाया जा सके।

वे गुरुवार को सम्बन्धित विभाग अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। बैठक में विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण, हरियाणा के प्रधान प्रमुख वन संरक्षक जगदीश चंद्र व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। राव नरबीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब ने इस परियजोना की जिम्मेदारी अब सैद्धांतिक रूप से पर्यटन विभाग से लेकर वन्य एवं वन्य जीव विभाग को सौंप दी है। इसलिए अब विभाग के अधिकारियों के जिम्मेवारी है कि किस जीव जंतु को इस सफारी में कहां रखना है, इसे तय करना है। जिस एजेंसी को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयारी करने की जिम्मेवारी दी गई है उस पर प्रस्तुतिकरण भी दिया गया है।

सीएम व भाजपाध्यक्ष ने गुरुग्राम टीम की पीठ ठोकी

- गुरुग्राम व मानेसर नगर निगम में कमल खिलाकर विकास की गति को नॉन स्टॉप आगे बढ़ाएंगे: कमल यादव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सीएम नायब सिंह सैनी व प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ोली के साथ गुरुग्राम भाजपा जिला अध्यक्ष कमल यादव व अन्य।

भाजपा जिला अध्यक्ष कमल यादव ने कहा कि सदस्यता अभियान में गुरुग्राम भाजपा की टीम ने बड़ी सफलता हासिल की है। शीर्ष नेतृत्व से मिले लक्ष्य से अधिक लोगों को पार्टी की विचारधारा से जोड?र राज्य में अव्वल स्थान हासिल किया है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री के आवास पर जिला अध्यक्षों के साथ हुई बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने भी खुलकर गुरुग्राम भाजपा टीम की प्रशंसा की और बधाई दी है।

कमल यादव ने कहा कि अब मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने नगर निकाय चुनाव में पार्टी को बड़ी जीत दिलाने का जो लक्ष्य दिया है उसे कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पूरा करेंगे और गुरुग्राम व मानेसर नगर निगम में कमल खिलाकर विकास की गति को नॉन स्टॉप आगे बढ़ाने का काम करेंगे।

चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार, सामान बरामद

गुरुग्राम। पुलिस ने यहां सुखराली गांव में चोरी के दो आरोपियों को काबू किया है। आरोपियों के कब्जा से 6 बंडर स्पीकर वायर और 16 डिजिटल लाइट बरामद की गई हैं। पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि आरोपियों को राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-9 गुरुग्राम के पास से काबू किया गया है। जानकारी के अनुसार 7 जनवरी 2025 को एक व्यक्ति ने थाना सेक्टर-17/18 में शिकायत दी कि गांव सुखराली में उसके कमरे से स्पीकर वायर व ऑटोमेशन बॉक्स चोरी कर लिए गए। इस शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू की। अपराध शाखा सेक्टर-10 की ष्टीम ने दो आरोपियों को राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-9 के पास से गिरफ्तार किया।

सप्ताह में एक घंटा स्वच्छता के लिए निकाले हर नागरिक: चंद्रा

- स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र ने की नागरिकों के साथ बैठक
- बैठक में विभिन्न आरडब्ल्यूए, मार्केट एसोसिएशन व एनजीओ के प्रतिनिधि रहे मौजूद

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

आरडब्ल्यूए, मार्केट एसोसिएशन व एनजीओ प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी उपाध्यक्ष सुभाष चंद्रा।

स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी उपाध्यक्ष सुभाष चंद्रा ने कहा कि प्रत्येक नागरिक सप्ताह में केवल एक घंटा अपने क्षेत्र की स्वच्छता के लिए दें। यह एक सरल और प्रभावी कदम है, जो बड़े बदलाव का आधार बनेगा। यह ना केवल हमारे आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा बनाएगा, बल्कि अन्य लोगों को भी इससे प्रेरणा मिलेगी।

कार्यकारी उपाध्यक्ष सुभाष चंद्रा ने यह बात गुरुवार को को नगर निगम कार्यालय में आरडब्ल्यूए, मार्केट एसोसिएशन व एनजीओ प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में कही। उन्होंने कहा कि सप्ताह में एक घंटा निकालें तथा अपने क्षेत्र की सड़क, पार्क या बाजार जैसे सार्वजनिक स्थानों की सफाई में अपना योगदान दें। इसके अलावा, आसपास बिखरे कचरे को एकत्रित करें और उसे सही तरीके से डिस्पोज करें और साथ ही लोगों को भी कचरा प्रबंधन की जानकारी दें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता से ही हमारा पर्यावरण और स्वास्थ्य बेहतर रहता है। जब हम कचरे का सही निस्तारण करते हैं, तो हम ना केवल प्रदूषण को कम करते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण भी सुनिश्चित करते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को यह समझने की आवश्यकता है कि स्वच्छता केवल सफाई तक ही सीमित नहीं, बल्कि यह जिम्मेदारी का अहसास भी है। हमें अपने आसपास के स्थानों को साफ रखना चाहिए और कचरे को ठीक तरह से निस्तारित करने के उपायों को अपनाना चाहिए।

कश्मीरी यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के नेहरू युवा केंद्र द्वारा 5वें कश्मीरी यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत सतयुग दर्शन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में वीरवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें हरियाणवी एवं कश्मीरी संस्कृतियों की जीवंत झलक देखने को मिली।

8 से 13 जनवरी तक आयोजित होने वाले इस एक्सचेंज कार्यक्रम के दूसरे दिन की शुरुआत मुख्य वक्ता कर्नल गोपाल सिंह, जिला युवा अधिकारी प्रियंका तथा नित्यानंद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की। नेहरु युवा केंद्र फरीदाबाद की जिला युवा अधिकारी प्रियंका ने कहा कि कार्यक्रम के दूसरे दिन वातावरण पारंपरिक कश्मीरी संगीत और नृत्य की ध्वनियों से जीवंत रहा, जिसने अपनी मधुर धुनों और सुंदर दृश्यों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। युवाओं ने लोक संगीत का सुन्दर प्रदर्शन करते हुए आकर्षक प्रस्तुतियां दीं, जिसमें विभिन्न परंपराओं का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण था। कर्नल गोपाल सिंह ने कार्यक्रम की बहुत प्रशंसा की और दो विविध संस्कृतियों के बीच आपसी समझ और भाईचारे को बढ़ावा देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हमारे युवाओं में राष्ट्रीय एकता की मजबूत भावना पैदा करते हैं, जिससे उन्हें देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सशक्त बनाया जाता है।

पुलिस उपायुक्त सेंट्रल ने क्राइम रिव्यू मीटिंग में दिए दिशा निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस उपायुक्त सेंट्रल ने लघु सचिवालय सेक्टर 12 में सेंट्रल जोन के पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों के साथ क्राइम रिव्यू मीटिंग का आयोजन किया गया।

मीटिंग के दौरान लम्बित शिकायतों का स्तर शुन्य करने, अनुसंधानाधीन व अन्डर चैकिंग अभियोगों का शीघ्र निपटारा करने, स्पेशल ड्राईव कार्यक्रम के दौरान अधिक से अधिक कार्यवाही करने बारे कार्य योजना तैयार की गई।

पुलिस उपायुक्त द्वारा सभी प्रबंधक थाना व प्रभारी चौकिया को निर्देशित किया गया कि ईआरवी राइडर की अधिक से अधिक गस्त सुनिश्चित कराई जाए, दोपहिया चौपहिया वाहनों की लगातार चेकिंग की जाकर शरारती किस्म के व्यक्तियों व नौजवानों की विशेष चेकिंग की जाए, मॉल/मार्किट एरिया में पार्किंग व्यवस्था दुरूस्त कराई जाए।

संक्षिप्त समाचार

डीसी ने विभिन्न विभागों से मांगी एक्शन रिपोर्ट

गुरुग्राम। उपायुक्त अजय कुमार ने गुरुवार को विभिन्न विभागीय अधिकारियों के साथ विकास परियोजनाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं के अलावा जिला से जुड़े प्रमुख विभागीय मुद्दों पर चर्चा कर एक्शन रिपोर्ट मांगी। उपायुक्त मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में शनिवार को चंडीगढ़ में होने वाली प्रशासकीय अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक एजेंडा पर चर्चा कर रहे थे। लघु सचिवालय सभागार में दो चरणों में आयोजित की गई इस बैठक में उपायुक्त अजय कुमार ने कहा कि 11 जनवरी को मुख्यमंत्री स्वयं उच्च प्रशासकीय अधिकारियों के साथ गुरुग्राम सहित विभिन्न जिलों से जुड़े प्रमुख मुद्दों को हल करने और विकास की गति को तेज करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक लेंगे। ऐसे में जिला उपायुक्त ने उपरोक्त बैठक एजेण्डा बिंदुओं पर विभाग अनुसार विषयों की प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा कर रिपोर्ट तलब की। इसमें सड़क, नहरी पानी, अमृत सरोवर, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राजस्व विभाग, परिवहन, भवन निर्माण, पशुपालन, खेल विभाग से संबंधित मामलों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की गई। इस बैठक में पंचायती राज के कार्यकारी अभियंता अजय शर्मा ने बताया कि गुरुग्राम में इस समय 18 अमृत सरोवरों का निर्माण किया गया है। इसमें से 14 अमृत प्लस के अंतर्गत आते हैं। इन पर सोलर लाइटें लगवाने का काम प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि जिला के तीन गांवों में मौजूदा सरकारी भवनों का जीर्णोद्धार करवा कर उन्हें आधुनिक पुस्तकालय का स्वरूप प्रदान किया जाएगा।

जनशिकायतों का प्राथमिकता से हो रहा निपटारा: सिंह

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह जिला मुख्यालय पर प्रतिदिन कार्य दिवस पर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक सचिवालय सभागार में लगे समाधान शिविर में लोगों की शिकायतों का समाधान सुनिश्चित करते हुए राहत पहुंचा रहे हैं। समाधान शिविर में वीरवार को डीसी विक्रम सिंह ने नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिला स्तरीय समाधान शिविर में आई शिकायतों का अधिकांश का मौके पर ही निदान कर दिया गया और शेष पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारी को दिए गए। समाधान शिविर में प्रमुख तौर पर प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, जमीन का पंजीकरण, लोकल बॉडी का नो ड्यूज सर्टिफिकेट, म्युनिसिपल कमेटी से नक्शा अनुमोदन, बिजली-सिंचाई-सार्वजनिक स्वास्थ्य, समाज कल्याण पेंशन तथा अपराध की शिकायतें और राशन कार्ड को शामिल किया गया है। डीसी ने बताया कि जिले में फरीदाबाद मुख्यालय सहित बल्लभगढ़ व बड़खल उपमंडल स्तर पर भी समाधान शिविर का आयोजन हो रहा है। नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए शिविरों का फायदा उठा अपनी समस्याओं का निदान करवा रहे हैं। समाधान शिविर में एसडीएम फरीदाबाद शिखा व सीटीएम अंकित कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एचएसजीएमसी चुनाव को लेकर सौंपी जिम्मेदारियां

पलवल। उपायुक्त एवं जिलाधीश डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने 19 जनवरी को होने वाले हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के चुनाव निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक संपन्न करवाने के लिए नोडल अधिकारी समेत अन्य अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। जिलाधीश ने एचएसजीएमसी के चुनाव को लेकर पलवल के तहसीलदार कम एआरओ प्रेम प्रकाश को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इनको कानून एवं व्यवस्था संबंधित मामले, पोलिंग पार्टी ट्रेनिंग, पोलिंग पाटी डिस्पेच और पोलिंग पार्टियों के पोलिंग स्टेशन व उनके ठहरने संबंधित व्यवस्था करवाने की जिम्मेदारी दी गई है। इनके अलावा तहसीलदार प्रेम प्रकाश को कंट्रोल रूम में आने वाली शिकायतों की निगरानी और निवारण करवाने के सहित अन्य जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही नायब तहसीलदार अजय कुमार की पोलिंग सामग्री की रिसीविंग और कीट बैग की तैयारी, तहसीलदार होडल अनिल कुमार को ईवीएम की रिसीविंग और तैयारी, नायब तहसीलदार मोहद खान को ईवीएम के लिए बैलेट पेपर की रिसीविंग, बीडीपीओ पलवल नरेश कुमार को स्ट्रॉन्ग रूम तैयार करने और स्ट्रॉन्ग रूम इंचार्ज, नायब तहसीलदार हथीन कैलाश चंद को ईवीएम और स्टेट और नॉन स्टेट पेपर जमा करवाने की, डीआईओ एनआईसी डीपी कुलश्रेष्ठ को पोलिंग पार्टियों के कंपोजिशन और रेंडेमाइजेशन प्रक्रिया करवाने के लिए ड्यूटी लगाई गई है।

चंडीगढ़ में अधिकारियों के साथ बैठक करते खाद्य आपूर्ति अधिकारी राजेश नागर।

राशन वितरण में पारदर्शिता को लेकर सरकार गंभीर: नागर

- सभी राशन डिपो पर लगाए जाएंगे सीसीटीवी कैमरा व हेल्पलाइन नंबर
- गोदामों में शीघ्र रखवाएं चावल, बाहर रखने से चावल की गुणवत्ता पर पड़ता है असर

दयाराम वशिष्ठ। फरीदाबाद

प्रदेश सरकार राशन वितरण में पारदर्शिता बरतने को लेकर बेहद गंभीर है। इसे लेकर प्रदेश के खाद्य एवं आपूर्ति राज्य मंत्री राजेश नागर ने चंडीगढ़ में अधिकारियों की एक बैठक ली। जिसमें उन्होंने प्रदेश के सभी डिपो पर सीसीटीवी कैमरा व हेल्पलाइन नंबर लगाए जाने के आदेश दिए हैं, ताकि राशन कार्ड उपभोक्ताओं को किसी तरह की कोई दिक्कत न हो।

मंत्री राजेश नागर ने अधिकारियों से कहा कि गोदामों में फिलहाल चावल रखने की क्षमता कम है। चावल की आवक को गोदामों में सुरक्षित रखने की व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि गोदामों में रखे गेहूं को बाहर प्लेंथ पर सुरक्षित रखने की व्यवस्था कराएं तथा चावल की आवक को गोदामों में रखवाया जाएए ताकि राइस मिल संचालकों को किसी तरह की कोई परेशानी न होने पाए। चावल को बाहर रखने से उसकी गुणवत्ता पर असर पडता है। पीडीएस को लेकर उन्होंने अधिकारियों से निर्बाध रूप से सप्लाई सुनिश्चित करने को कहा है।

राशन लेते वक्त आएगा ओटीपी: प्रदेश में बैंक की तर्ज पर अब उपभोक्ताओं को डिपो से राशन लेते वक्त एक ओटीपी आएगा। इसके बाद ही डिपो संचालक उसे राशन मुहैया करा सकेगा। जिला खाद्य एवं आपूर्ति राज्य मंत्री राजेश नागर ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार ने राशन वितरण के मामले में पारदर्शिता बरतने के उद्देश्य से ओटीपी शुरू करने का जा रही है। अगले कुछ दिनों में यह योजना प्रदेश भर में शुरू कर दी जाएगी।

डिपो खुलने की समय सारिणी के लगाए जाएंगे बोर्ड: जिला खाद्य एवं आपूर्ति राज्य मंत्री राजेश नागर ने अधिकारियों से कहा कि सर्दी और गर्मियों के समय में डिपो खुलने के समय का उल्लेख किया जाए। ऐसा करने से कार्ड धारक निर्धारित समय से डिपो पर पहुंच सकेंगे।

सीवर की समस्याएं प्राथमिकता से हल की जाएं: विपुल

- शहरी स्थानीय निकाय मंत्री पहुंचे गुरुग्राम, अधिकारियों को दिए निर्देश
- लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में निगम आयुक्त व मुख्य अभियंता के साथ की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग व चीफ इंजीनियर मनोज यादव के साथ बैठक करते मंत्री विपुल गोयल।

हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने गुरुवार को गुरुग्राम का दौरा किया। स्थानीय लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग और चीफ इंजीनियर मनोज यादव मौजूद रहे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य सीवरेज से संबंधित समस्याओं का स्थाई समाधान सुनिश्चित करना था। मंत्री ने निर्देश दिए कि सीवरेज समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए। इस दौरान निगमायुक्त ने जानकारी दी कि सेक्टर-1 से सेक्टर-57 तक सीवरेज लाइनों को बदलने की योजना तैयार की जा रही है। इसके अलावा मंत्री ने सफाई व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए और शहर में नियमित स्वच्छता बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम को स्वच्छ और सुचारू बनाने के लिए सभी संबंधित विभाग समन्वय से काम करें।

नगर निगम आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल को जानकारी दी कि स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए नगर निगम युद्ध स्तर पर कार्य कर रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं।

आयुक्त ने बताया कि निगम क्षेत्र के सभी सेकेंडरी कचरा कलेक्शन प्वाइंट्स को प्रतिदिन साफ किया जा रहा है। गार्बेज वल्नरेबल प्वाइंट्स को साफ करने के बाद वहां गार्बेज ट्रॉली और बड़े कूड़ेदान लगाए गए हैं, ताकि कचरे का सही तरीके से निपटारा हो सके। इसके साथ ही, नागरिकों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

जहरीला पदार्थ खाकर डॉक्टर ने की आत्महत्या

- एक महिला ने पीड़ित के खिलाफ की थी छेड़छाड़ की शिकायत
- मृतक के भाई ने कहा, रुपये ऐंठना चाहती थी महिला, पुलिस से की शिकायत

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

एक डॉक्टर ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। उसके खिलाफ एक महिला ने छेड़छाड़ की शिकायत पुलिस को दी थी। पुलिस इस मामले में जांच कर रही थी। वहीं डॉक्टर के भाई का आरोप है कि महिला द्वारा की गई झूठी शिकायत के कारण ही उसके भाई ने आत्महत्या की है। परिजनों ने पुलिस को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

मानपुर गांव निवासी रविंद्र ने बताया कि उसका भाई बिजेंद्र करीब 20 वर्ष से अमरपुर में क्लिनिक चला रहा था। एक महिला उसके भाई के क्लिनिक पर आई और उसे झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। उन्होंने रुपए देकर महिला को शांत कर दिया था। ऐसा दो बार हुआ। तीसरी बार फिर वह महिला अपने बच्चों के साथ क्लिनिक पर आई और इलाज कराने के बाद उसने अमरपुर पुलिस चौकी में उसके डॉक्टर भाई के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत दे दी। उन्होंने बताया कि बिजेंद्र ने उसको पूरी बात बताई। जब वे अमरपुर क्लिनिक पर भाई के पास जा रहे थे, तभी उन्हें सूचना मिली कि बिजेंद्र ने दहशत में आकर कोई जहरीला पदार्थ खा लिया है। वे उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए। लेकिन अस्पताल में डॉक्टरों ने उसके भाई को मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई ने कहा कि महिला व उसके पति द्वारा बार-बार झूठी शिकायत देकर पैसे ऐंठने से परेशान होकर उसके भाई ने आत्महत्या की है।

चांदहट थाना प्रभारी सुंदरपाल ने बताया कि अमरपुर गांव में क्लिनिक चलाने वाले बिजेंद्र नामक डॉक्टर ने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। मृतक डॉक्टर के खिलाफ एक महिला ने छेड़छाड़ की शिकायत दी थी।

सफाई कर्मचारियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएं: अंजना

गुरुग्राम। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग भारत सरकार की उपाध्यक्ष अंजना पंवार ने कहा कि अधिकारी सफाई कर्मचारियों के प्रति मानवीय व्यवहार रखते हुए उन्हें आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएं। विकसित भारत के संकल्प पथ पर स्वच्छ भारत बनाने के निर्धारित लक्ष्यों को इनके सहयोग के बिना पूरा नही किया जा सकता। वे गुरुवार को गुरुग्राम में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक को संबोधित कर रही थी। यह बैठक स्वतंत्रता सेनानी भवन (जोन हॉल) में आयोजित की गई थी। इससे पहले उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों संग बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

दवाइयों के नाम पर ठगने वाले कॉल सेंटर का खुलासा

पुलिस ने चार लड़कियों सहित 11 साइबर ठगों को किया गिरफ्तार, पैसे लेकर भेज देते थे नकली सामान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

ऑनलाइन हर्बल दवाइयां बेचने के नाम पर साइबर ठगी करने वाले एक कॉल सेंटर पर छापेमारी करके पुलिस ने भंडाफोड़ किया। मौके से चार लड़कियों समेत 11 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त साइबर प्रियांशु दीवान ने गुरुवार को बताया कि आरोपी पिछले करीब 10 महीनों से ठगी करने की वारदातों को अंजाम दे रहे थे।

प्रबंधक थाना साईबर पश्चिम गुरुग्राम के नेतृत्व में उप-निरीक्षक सचिन व पुलिस टीम को विश्वस्त सूत्रों के माध्यम से सूचना मिली कि डुंडाहेड़ा गांव में अवैध व फर्जीवाड़े से कॉल सेंटर संचालित किया जा रहा है। उस कॉल सेंटर से ऑनलाइन हर्बल सेक्युअल दवाइयां बेचने के नाम पर लोगों से ठगी की जाती है। पुलिस टीम ने इस कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए मौके से चार लड़कियों समेत 11 आरोपियों को काबू किया। जिनकी पहचान अमनदीप निवासी मुलुंड कालोनी मालबार हिल रोड, मुंबई (महाराष्ट्र) वर्तमान निवासी ब्लॉक डीएलएफ फेज-3, गुरुग्राम, रंजीत कुमार निवासी नजदीक गत्ता फैक्ट्री महिपालपुर (दिल्ली), मोहम्मद कासिम निवासी गांव छोटी कजरा जिला कटिहार (बिहार) वर्तमान निवासी गांव डुंडाहेडा (गुरुग्राम), प्रतुष कुमार मिश्रा निवासी गांव नौआ जिला श्रावस्ती (उत्तर-प्रदेश), सुशील कुमार निवासी गांव राधोली जिला प्रतापगढ़ (उत्तर-प्रदेश), बृजेश शर्मा निवासी गांव खासमऊ जिला फतेहपुर (उत्तर-प्रदेश), अनूप कुमार निवासी गांव कुतकपुर जिला फिरोजाबाद (उत्तर-प्रदेश), 8. राशिका राणा निवासी सूर्या विहार कापसहेड़ा (दिल्ली), 9. ईशा निवासी ब्लॉक-बी कुतुब विहार फेज-2 (दिल्ली), सोनाली कनोजिया निवासी बिजवासन फ्लाईओवर के पास नजदीक बस स्टैन्ड (दिल्ली), मेघा निवासी श्याम विहार, नजफगढ़ (दिल्ली) के रुप मे हुई। पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ थाना साईबर अपराध पश्चिम, गुरुग्राम में केस दर्ज किया गया है।

ये लोगों के पास नकली सामान भेज देते थे। ये उन लोगों से अलग-अलग चार्ज के नाम पर क्यूआर कोड/यूपीआइ आईडी के माध्यम से पैसे डलवाकर धोखाधड़ी से ठगी करने की वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ है कि आरोपी पिछले करीब 9-10 महीनों से उपरोक्त प्रकार से ठगी करने की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। ठगी की वारदातों को अंजाम देने के लिए आरोपियों को 18-20 हजार रुपए की सेलरी तथा बोनस भी मिलता था।

पुलिस द्वारा ऑनलाइन हर्बल दवाइयां बेचने के नाम पर फर्जी कॉल सेंटर से पकड़े गए युवक-युवतियां।

डॉ. राजीव के नाम से बेचते थे हर्बल सेक्सुअल दवाइयां

पूछताछ में ज्ञात हुआ कि आरोपी अमनदीप व आरोपी रणजीत इस कॉल सेंटर के संचालक हैं। अन्य आरोपियों को इन्होंने काम पर रखा हुआ है। आरोपियों ने स्व. डॉ. राजीव दीक्षित के नाम से हर्बल सेक्सुअल दवाईयां ऑनलाइन बेचने के लिए फेसबुक पर दी-वैदिक आयुर्वेदिक के नाम से पेज बनाया हुआ है। जिस पर ये लोग दवाइयों की इस्तेहार/एडवर्टीजमेंट डालते थे। जब लोग इनके द्वारा डाले गए इस्तेहार/एडवर्टीजमेंट में दिए हुए नंबरों पर संपर्क करते थे या फेसबुक पेज पर डिटेल डालते थे, तो ये उन लोगों से ऑर्डर लेकर पैसे अलग-अलग खातों में डलवा लेते थे।

अब प्रदेश में एक ही चरण में होंगे सभी चुनाव

- राज्य में 28 जनवरी तक फाइनल होंगी मतदाता सूचियां
- पानीपत नगर निगम में अभी नहीं होंगे चुनाव
- ईवीएम का जांच कार्य पूरा, ईवीएम से होंगे निकाय चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में निकाय चुनाव अब दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद होंगे। राज्य चुनाव आयुक्त ने साफ कर दिया है कि इस माह के अंत तक सभी निकायों में मतदाता सूचियों का काम फाइनल हो जाएगा।

हरियाणा के चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने गुरुवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रदेश में अब एक ही चरण में निकाय चुनाव करवाए जाएंगे। पहले यह चुनाव दो चरणों में कराए जाने की बात चल रही थी। उन्होंने बताया कि दो चरणों में चुनाव करवाने में कम से कम दो माह का समय लगता है। जिसमें आचार संहिता के कारण अन्य कई काम प्रभावित होते हैं। इसलिए अब एक चरण में ही चुनाव करवाने का फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 34 नगर निगमों, नगर परिषदों तथा नगर पालिकाओं में से 27 में मतदाता सूचियां फाइनल हो चुकी हैं। हिसार व रोहतक नगर निगमों की वार्डबंदी का काम दूरी से पूरा होने के कारण यहां 15 जनवरी तक मतदाता सूचियों को फाइनल रूप दिया जाएगा। इसके अलावा करनाल व यमुनानगर में 28 जनवरी तक मतदाता सूचियां फाइनल होंगी।

धनपत सिंह ने बताया कि सिरसा जिले के अंतर्गत आती कालांवाली नगर पालिका में भी अभी वार्डबंदी पूरी नहीं हो पाई है। इसके अलावा अंबाला, थानेसर, पटौदी व सिरसा में वोट रिवीजन का काम जारी है। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम के सोहना नगर परिषद में भी हाईकोर्ट के आदेश के बाद अध्यक्ष को हटा दिया गया है। जिसके चलते अब सोहना, अंबाला व सोनीपत में उपचुनाव होने हैं। धनपत सिंह ने कहा कि अभी तक प्रदेश भर से मिली रिपोर्ट के अनुसार 28 जनवरी तक सभी निकायों में मतदाता सूचियां फाइनल होंगे। हालांकि यह आपस में कोई मेल नहीं खाता है लेकिन 28 के बाद चुनाव कार्यक्रम का ऐलान किया जाएगा। जिसके चलते 25 दिन की प्रक्रिया रहने का अनुमान है। ऐसे में हरियाणा में निकाय चुनाव दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद ही होंगे।

पानीपत नगर निगम के लिए अभी चुनाव नहीं होंगे। पानीपत का मामला हाईकोर्ट में होने के कारण यहां वार्डबंदी का काम अभी पूरा नहीं हो सका है। इसके लिए सरकार की तरफ से समय मांगा गया है। यह संभावना है कि पानीपत में निगम चुनाव अगले चरण में होंगे।

राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने बताया कि प्रदेश में निकाय चुनाव ईवीएम से करवाए जाएंगे। इस संबंध में राजनीतिक दलों की बयानबाजी केवल अखबारों तक ही रही है। उनके पास कोई लिखित मांग नहीं आई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में 46 निकायों तथा पिछले साल पंचायत चुनाव भी ईवीएम से ही करवाए गए थे।

ट्रक ने दो कारों को मारी टक्कर, छात्र की मौत

- टायर फटने से बेकाबू हुआ था ट्रक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पाली सोहना रोड पर अचानक टायर फटने से बेकाबू ट्रक सामने से आ रही गाड़ियों की लेन में जा घुसा। जिससे वह 2 कारों से टकरा गया। जिसमें एक कार में सवार एमबीबीएस छात्र की मौत हो गई जबकि दूसरे की कार पलट गई। इससे वह घायल हो गया। हालांकि एयरबैग खुलने से उसकी जान बच गई।

हादसा बुधवार की रात करीब 10 बजे सोहना रोड पर हुआ। मरने वाला 24 वर्षीय छात्र दक्ष रेवाड़ी का रहने वाला था। घायलावस्था में उसे एशियन अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमॉर्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर फरार हो गया। ट्रक बल्लभगढ़ की ओर से सोहना जा रहा था, तभी अचानक पाली गांव के पास उसका टायर फट गया। टायर फटने के कारण ड्राइवर ट्रक पर कंट्रोल नहीं रख पाया और देखते ही देखते सामने से आ रही गाड़ियों वाली यानी विपरीत लेन में जा घुसा।

ट्रक ने लेन क्रॉस की तो सबसे पहले उसकी टक्कर सामने से आ रही कार से हुई। इस कार में एमबीबीएस का छात्र दक्ष सवार था। टक्कर इतनी तेज थी कि छात्र कार के अंदर ही बुरी तरह फंस गया, जिसे कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। हालांकि तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

छात्र की कार के बाद ट्रक ने उसके पीछे आ रही दूसरी बलेनो कार को भी टक्कर मारी। इस कार को बड़खल निवासी 24 साल का समीर चला रहा था। हालांकि समीर ने देख लिया था कि ट्रक ने सामने वाली गाड़ी को टक्कर मार दी है, जिसके कारण उसने जल्दी से ब्रेक भी मार दिए लेकिन उसकी कार पलट गई और ट्रक ने उसे भी टक्कर मार दी। घटना के बाद आसपास के लोगों ने इस युवक को गाड़ी से बाहर निकाला और पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवा दिया। पाली चौकी इंचार्ज संदीप का कहना है कि पुलिस को जैसे ही घटना की सूचना मिली, वह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। एक कार में सवार छात्र की अस्पताल पहुंचने से ही मौत हो गई।

देश के 50 प्रतिशत ट्रैक्टर, 60 फीसद दोपहिया वाहनों का हरियाणा में होता है निर्माण: पर्यटन मंत्री

- प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में डॉ अरविंद शर्मा ने किया प्रदेश का प्रतिनिधित्व

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और सीएम नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा को देश में इज आफ डूइंग बिजनेस के लिए सबसे बेहतर स्थान मिला है, जिसकी बदौलत हरियाणा निवेशकों व उद्यमियों का पसंदीदा व्यापारिक स्थान बना है। दुनिया की 500 फार्च्यून कम्पनियों की उपस्थिति हरियाणा की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाती है। हमें कृषि, मोटरवाहन निर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, दवा व विभिन्न विनिर्माण क्षेत्र में योगदान पर गर्व है। उन्होंने कहा कि आपको आश्चर्य होगा कि देश की दो तिहाई यात्री कारों का निर्माण हरियाणा में होता है। देश के 50 प्रतिशत ट्रैक्टर, 60 प्रतिशत दोपहिया वाहन निर्माण करते हुए हरियाणा को देश की वाहन निर्माण राजधानी का दर्जा मिला है।

वीरवार को विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा भुवनेश्वर, उड़ीसा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुभारम्भ किए गए 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में हरियाणा के प्रतिनिधि के तौर पर शामिल हुए। सम्मेलन के एक सत्र में 50 से अधिक देशों के प्रवासी भारतीयों से संवाद करते हुए विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने सिलसिलेवार तरीके से शिक्षा, खेल, व्यापार, युवाओं, महिलाओं, उद्यमियों को मौके उपलब्ध कराने पर चर्चा की।

चोरी के दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

गुरुग्राम। मकान से चोरी करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 3 लैपटॉप, 1 माऊस व 20 हजार रुपए की नकदी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार 21 दिसंबर 2024 से 6 जनवरी 2025 के बीच उन्होंने चोरी की घटना को अंजाम दिया था। 6 जनवरी 2025 को एक महिला ने पुलिस चौकी चकरपुर की पुलिस टीम को एक लिखित शिकायत दी थी कि 21 दिसंबर 2024 से 6 जनवरी 2025 के दौरान डीएलएफ फेज-4 गुरुग्राम में उसके घर से चोरी कर ली गई।

इस शिकायत पर थाना सेक्टर-29 में केस दर्ज करके आरोपियों की तलाश शुरू की गई।

थानेसर को जल्द मिलेगी 27 बड़े प्रोजेक्ट की सौगात: सुधा

- करोड़ो रुपए की परियोजनाओं को शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिले पूर्व राज्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

थोसर विधानसभा क्षेत्र के लाखों लोगों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 27 बडी योजनाओं और परियोजनाओं की सौगात देंगे। इन परियोजनाओं पर प्रदेश सरकार की तरफ से कई 100 करोड रुपए की धनराशि का बजट खर्च किया जाएगा। इन परियोजनाओं के माध्यम से लोगों को शिक्षा, खेलों, स्वास्थ्य, पार्कों, व्यायामशालाओं की मूलभूत सुविधाएं मिल पाएगी।

यह जानकारी सुभाष सुधा ने वीरवार को सेक्टर 7 में कार्यकर्ताओं से बातचीत करते हुए दी है। पूर्व राज्यमंत्री ने कहा कि थानेसर विधानसभा क्षेत्र की कई लम्बित और नयी शुरू होने वाली 27 से ज्यादा बडी परियोजनाओं को लेकर चंडीगढ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिले है। इन सभी योजनाओं के विकास की वर्तमान स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी मुख्यमंत्री को दी गई है। यह सभी 27 परियोजनाए मुख्यमंत्री की ही घोषणाए है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में 33 करोड 15 लाख की राशि से बन रहे नर्सिंग कालेज का कार्य 84 प्रतिशत पूरा हो चुका है इस निर्माण कार्य को जल्द पूरा करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव अमीन में 8 एकड भूमि पर पार्क का निर्माण 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इस परियोजना को भी मुख्यमंत्री ने जल्द पूरा करने के आदेश संबंधित विभाग को दिए है। इस हल्का के गांव सुनहेडी खालसा में 35 लाख रुपए से उपस्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा, गांव जोगना खेडा में 45.40 लाख, गांव मिर्जापुर में 33 लाख रुपए की राशि से पार्क और व्यायामशालाओं का निर्माण किया जाएगा।

समारोह में संविधान सम्मान का नया अध्याय लिखेगी युवा शक्ति

- 12 जनवरी को रोहतक स्थित एमडीयू में होगा आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

स्वामी विवेकानंद जयंती पर हरियाणा में संविधान सम्मान का नया अध्याय लिखा जाएगा। संविधान के नाम पर जनादेश जुटाने का ढकोसला करने वाले विपक्ष को भी करारा जवाब दिया जाएगा। संविधान गौरव उत्सव समिति के तत्वाधान में 12 जनवरी को रोहतक स्थित एमडीयू में गौरवशाली युवा समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसकी तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। स्वामी विवेकानंद जयंती पर युवा शक्ति केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री के समक्ष संविधान रक्षा का संकल्प लेगी।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में संविधान गौरव उत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाले गौरवशाली युवा समारोह में प्रदेश भर के युवाओं से पूर्व मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल सीधा संवाद करेंगे।

प्रशासक के सलाहकार पद को मुख्य सचिव के रूप में बदलने का स्वागत

चंडीगढ़। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री चंडीगढ़ चैप्टर ने केंद्र सरकार द्वारा यूटी चंडीगढ़ में प्रशासक के सलाहकार पद को मुख्य सचिव के रूप में बदले पर स्वागत किया है।

पीएचडीसीसीआई चंडीगढ़ चैप्टर के अध्यक्ष मधु सूदन विज ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि यह बदलाव प्रशासन की पारदर्शिता में सुधार, निर्णय लेने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और सार्वजनिक सेवा वितरण को बढ़ाने के प्रति समर्पण को दर्शाता है। मुख्य सचिव का पद भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में व्यापक रूप से पहचाना जाता है और शासन में सबसे वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। चंडीगढ़ चैप्टर के सह-अध्यक्ष सुव्रत खन्ना ने इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि यह नाम बदलना केवल नामकरण में बदलाव नहीं है, बल्कि चंडीगढ़ के प्रशासनिक ढांचे को देश भर में सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ जोड़ने की दिशा में एक कदम है।

शहर को स्वच्छ बनाने के लिए उपायुक्त ने कसी कमर

- शहर की डंपिंग स्थलों का किया निरीक्षण,
- गंदगी फैलाने और आग लगाने पर 2 दुकानदारों के किए चालान,
- अधिकारियों को दिए रेहड़ी चालकों और दुकानदारों के साथ बैठक करने के आदेश

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

शहर की स्वच्छता को टॉप रैंकिंग में शुमार करने के लिए उपायुक्त नेहा सिंह ने स्वयं कमान संभाल ली है। इस उद्देश्य को जहन में रखकर उपायुक्त को स्वयं फील्ड में उतरना पड़ा और शहर के मुख्य गंदगी वाले स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान गंदगी फैलाने और आग लगाने पर प्रदूषण करने वाले 2 दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर चालान भी किए। इतना ही नहीं शहर से कचरा एकत्रित करने वाली सुगम स्वच्छता कंपनी को चेतावनी दी कि अगर निरंतर कचरे का उठान कार्य नहीं हुआ तो कंपनी को ब्लैक लिस्ट करने में देरी नहीं की जाएगी।

उपायुक्त नेहा सिंह वीरवार को शहर की स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लेने के लिए स्वयं फील्ड में उतरी और विभिन्न डम्पिंग स्थलों का जायजा लिया। उपायुक्त नेहा सिंह ने नगरपरिषद, वाह फाउंडेशन संस्था और सुगम स्वच्छता कंपनी के अधिकारियों को साथ लेकर सबसे पहले उपायुक्त निवास के समक्ष स्वच्छता का जायजा लिया। यहां पर दरोगा और सफाई कर्मचारियों से सीधी बातचीत करते हुए उपायुक्त ने सख्त आदेश दिए कि इस स्थल पर कचरा नजर नहीं आना चाहिए और जो भी व्यक्ति इस स्थल पर कचरा डालेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए।

इसके साथ ही वाह फाउंडेशन के अधिकारी जसबीर सिंह से इस स्थल को पार्क के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए है।

सार्वजनिक सूचना

मेरी मुवक्किल श्रीमती पिंकी पत्नी श्री राजीव, एक डबल स्टोरी हाउस की मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 120 वर्ग गज यानि 100.33 वर्ग मीटर है, जो खसरा संख्या 215 में है, जो गांव सैनी परगना और तहसील दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में स्थित है। श्री राजीव द्वारा पंजीकृत उपहार विलेख दिनांक 07.01.2025 जो कि एसआर-दादरी उत्तर प्रदेश में पंजीकरण संख्या 681 के माध्यम से निष्पादित किया गया है। यदि किसी व्यक्ति / बैंक / वित्तीय संस्थान के पास उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा / ग्रहणाधिकार, अधिकार कोई आपत्ति है, तो उसे दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर पंजीकृत अधिवक्ता के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी / एडवोकेट विशाल मेहन, ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली- 110092 के पते पर सूचित किया जाना चाहिए। ऐसा न करने पर किसी भी दावे, ग्रहणाधिकार या आपत्ति को माफ कर दिया गया माना जाएगा।
एडवोकेट विशाल मेहन, ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली-110092, मोबाइल नं. 9611215181

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि फ्लैट नंबर B 10/107 -बी,उदयगिरी -2 सेक्टर-34, नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर जिसके जीपीए धारक श्री सन्नी भैय्या पुत्र के. सी. भैय्या निवासी फ्लैट नंबर B 10/107 -बी, उदयगिरी -2 सेक्टर-34, नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर है। जीपीए रजिस्ट्रार-IV, नोएडा के एडी बुक नंबर में है। दिनांक 25.06.1993 को पंजीकृत किया गया है। और बिक्री अनुबंध पंजीकृत नहीं किया गया है। अब उक्त भवन का हस्तांतरण आवेदन जीपीए के माध्यम से श्री राजेश दास पुत्र गंगा प्रसाद निवासी फ्लैट नंबर B 10/107 -बी,उदयगिरी -2 सेक्टर-34, नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर के पक्ष में प्रस्तुत किया जा रहा है। यदि किसी संबंधित व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के भीतर नोएडा प्राधिकरण के आवासीय भवन विभाग में साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है।

सम्बन्ध विच्छेद

मैं श्री भारत भूषण चावडा पुत्र श्री रवि प्रकाश निवासी-720, माधोपुर, नियर गौशाला फाटक, गाजियाबाद अपने पुत्र क्षितिज व पुत्रवधू एंजेल के गलत आचरण व दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद करता हूं। भविष्य में अपने कृत्यों के लिए ये स्वयं जिम्मेदार होंगे। मैं व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

न्यायालय विवाह अधिकारी रायपुर (छ.ग.)

फार्म 'अ'

सर्व साधारण को जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि [illegible] विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 5 के अधीन अपने विवाह के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित विवाह के विरुद्ध आपत्ति करने के इच्छुक कोई भी व्यक्ति इस सूचना के दिनांक 01 फरवरी, 2025 के पूर्व निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी, तथां यह शून्य माना जावेगा ।

आज दिनांक 02 जनवरी, 2025 को इस न्यायालय के हस्ताक्षर एवं मुद्रा सहित जारी किया गया।

अवधि 30 दिन से कम न हो

मुहर विवाह अधिकारी जिला रायपुर (छ.ग.)

"PUBLIC NOTICE FOR LOST DOCUMENTS"

To Whomsoever It May Concern

My clients (1) Smt. Lata Mittal, W/o Sh. Susheel Mittal, R/o F-395, Sudarshan Park, New Delhi-15 and (2) Mr. Shrey Mittal, S/o Sh. Susheel Mittal, R/o F-52, Bali Nagar, New Delhi-15 are registered owner of a PROPERTY known as **C-101,** area measuring 152 sq. yards, part of Khasra no. 732 Min., situated in the estate of Village NAWADA, New Delhi-59 abadi known as Block-C, Mohan Garden, Uttam Nagar, New Delhi-110059.

This PROPERTY was purchased by them from Shri Pradeep Dahiya and Shri Naveen Dahiya both sons of Shri Prem Singh Dahiya, R/o B-82, Teachers Colony, Samaipur, Delhi-42 vide regd. Sale Deed as document no. 5816, Book no. 1, vol. no. 4178 on pages 41 to 49, regd. on 19-03-2019 regd. in the office of The Sub-Registrar IIB, Janakpuri, New Delhi. **Since then this PROPERTY is in the possession of my clients.** Pradeep Dahiya and Naveen Dahiya acquired the same from their sister Smt. Sunita, D/o Sh. Prem Singh, R/o B-82, Teacher Colony, Samaipur, Delhi-42 through registered GPA in blood relation. **It has come to our notice that some previous documents/chain of the PROPERTY documents are lost/misplaced** by Smt. Sunita. The details of original documents lost are mentioned below:-

1. Original Agreement and Affidavit both dated 19.11.1998 executed by Shri Kali Ram, S/o Sh. Risal Singh in favour of Smt. Sunita, D/o Sh. Prem Singh. **2. Original** GPA, Agreement to Sell and Affidavit, all dated 27.11.1990 executed by Smt. Ram Ratti, W/o Sh. Jai Pal Rathi in favour of Sh. Kali Ram, S/o Sh. Risal Singh. **3. Original** GPA, Agreement to Sell, Affidavit and WILL, all dated 04.03.1987 executed by Sh. Shori Lal, S/o Sh. Ram Chand in favour of Smt. Ram Ratti, W/o Sh. Jai Pal Rathi. **4. Original** GPA, Agreement to Sell, Affidavit and WILL, all dated 22.12.1986 executed by Sh. Sewa Ram, S/o Sh. Chaman Lal in favour of Sh. Shori Lal, S/o Sh. Ram Chand. **5. Original** Sale Deed dated 03.07.1972 executed by Sh. Subey Singh, S/o Sh. Tulsi Ram in favour of Sh. Sewa Ram, S/o Sh. Chaman Lal.

A Police complaint for above said missing/lost documents is registered under FIR / LR No.2030806/2018 dated 22-08-2018.

If anyone has these documents with him/her or have any information regarding these lost documents, he/she may inform to my client at 9871394810 or 9871394811. If anyone has any claim on the said property, the same is informed to me at the below given address by regd. post within 15 days from the date of appearance of this Notice in the Newspaper.

I request all concerned parties to take note of this public notice and not to deal with any person claiming to be the owner of the said property without the written consent of my clients.

— **Sanjay Rana**, Advocate (Mob.: 98110 31327)
Enrl. no. D-2803/08, Delhi High Court
Add.: Plot no. 15, Gali No. 1, Mahavir Vihar Colony
Near SDM/DC Office, Kanjhawala, Delhi – 110081

सार्वजनिक सूचना

जबकि, मेसर्स वाटिका सेवन एलिमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में स्ट्रॉन्ग इंफ्राबिल्ड प्राइवेट लिमिटेड एवं अन्य के नाम से जाना जाता था) निदेशक, नगर एवं ग्राम नियोजन, हरियाणा, चंडीगढ़ द्वारा 06.06.2013 को दिए गए लाइसेंस सं. 41/2013 के प्रावधान के अनुसार, गुरुग्राम, हरियाणा के सेक्टर—89ए, गांव हरसरू एव हयातपुर की राजस्व संपदा में 14.30 एकड़ क्षेत्र में एक आवासीय ग्रुप हाउसिंग कॉलोनी विकसित कर रहा है।

और चूंकि, कई व्यक्तियों ने उक्त कॉलोनी में संपत्ति के आवंटन के लिए बुकिंग कराई है/खरीद समझौता किया है (जिन्हें आगे आवंटी कहा जाएगा)।

और चूंकि, पूर्व में स्वीकृत भवन योजनाओं के अनुसार ज्ञापन सं. —जेडपी—929/एडी(आरए)/2014/24303 दिनांक 17—10—2014 को अब संशोधित किया जाना प्रस्तावित है, जिसके लिए डीटीसीपी, हरियाणा ने भवन योजनाओं के अनुसार ज्ञापन सं. जेडपी—929/जेडी(आरए)/2025/980 दिनांक 08.01.2025 को संशोधन हेतु सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

तदनुसार, इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से, संशोधित भवन योजनाओं पर किसी भी आवंटी से आपत्ति/सुझाव यदि कोई हो, आमंत्रित की जाती हैं। पूर्व में स्वीकृत भवन योजनाओं एवं संशोधित भवन योजनाओं (सिद्धांत रूप में स्वीकृत) हमारी वेबसाइट www.vatikacollections.com और हमारे साइट कार्यालय और वरिष्ठ नगर नियोजक, सेक्टर—14, गुरुग्राम, हरियाणा के कार्यालय में अवलोकन के लिए उपलब्ध हैं।

संशोधित भवन योजनाओं पर किसी भी आपत्ति के मामले में, आवंटी अपनी आपत्ति/सुझाव वरिष्ठ नगर योजनाकार कार्यालय, सेक्टर 14, गुरुग्राम, हरियाणा और नीचे हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय यूनिट संख्या—ए—002, भूतल, ब्लॉक ए, वाटिका INXT सिटी सेंटर, सेक्टर 83, गुरुग्राम, हरियाणा में इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर दर्ज करा सकते हैं, ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि भवन योजनाओं में प्रस्तावित संशोधन पर कोई आपत्ति नहीं है।

स्थान: गुरुग्राम

दिनांक: 10.01.2025 कृते वाटिका सेवन एलिमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड

दी कांगड़ा को-ऑपरेटिव बैंक लि.
सी-29, सामुदायिक केंद्र, पंखा रोड, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058,
फोन नं. 011-25611042, 25611043, 25611044
ईमेल: legal@kangrabank.com, legal1@kangrabank.com,
वेबसाइट: www.kangrabank.com

परिशिष्ट IV [नियम 8(1) देखें]
कब्जा सूचना (अचल संपत्ति हेतु)

जैसा कि,

अधोहस्ताक्षरी वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54) के तहत "दी कांगड़ा को-ऑपरेटिव बैंक लि.", मुख्य कार्यालय, सी-29, सामुदायिक केंद्र, पंखा रोड, जनक पुरी, नई दिल्ली - 110058, जिसका पंजीकृत कार्यालय 1916, चूना मंडी, पहाड़गंज, नई दिल्ली - 110055 का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम(3) के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत **उधारकर्ता श्री चरणजीत सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री परमेश्वर यादव निवासी. डी-10, गली नंबर 4, साउथ अनारकली, जगतपुरी, दिल्ली-110051 और: श्री चरणजीत सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री परमेश्वर यादव सी/ओ. मैसर्स साई इन्फ्रेक्स, ए-3, भूतल, गर्ग कॉम्प्लेक्स, गुरु नानकपुरा, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092, और बंधककर्ता एवं जमानतदार श्रीमती अमनप्रीत कौर पत्नी. श्री चरणजीत सिंह निवासी डी-10, गली नंबर 4, साउथ अनारकली, जगतपुरी, दिल्ली-110051, श्रीमती अमनप्रीत कौर पत्नी. श्री चरणजीत सिंह, सी/ओ. सर्वोदय कन्या विद्यालय, कांति नगर पश्चिम, दिल्ली-110051 को एक मांग सूचना दिनांक 10.09.2024 को जारी किया गया था जिसमें** सूचना में उल्लिखित राशि रु. **11,71,909/- (रुपये ग्यारह लाख इकहत्तर हजार नौ सौ नौ मात्र)** तथा साथ में भविष्य का ब्याज, पेनल ब्याज एवं अन्य प्रभार सूचना की तिथि से भुगतान की तिथि तक समय-समय पर इस ऋण खाते में प्रयोज्य अन्य प्रभार इत्यादि सहित उक्त सूचना की तिथि से 60 दिनों के भीतर भुगतान करने को कहा गया है।

उपर्युक्त उधारकर्ता, बंधककर्ता के कानूनी उत्तराधिकारी और जमानतदार राशि का पुनर्भुगतान में असफल रहने के कारण एतद्वारा उधारकर्ता, बंधककर्ता के कानूनी उत्तराधिकारी और जमानतदार एवं जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि बैंक ने सम्पत्ति का सांकेतिक कब्जा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम (8) के साथ पठित वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उपधारा (4) के तहत प्रदत्त शक्तियों के उपयोग में यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति पर **07 जनवरी, 2025** को कब्जा ले लिया है।

उधारकर्ता, बंधककर्ता के कानूनी उत्तराधिकारी और जमानतदार तथा विशेष रूप से तथा जनसामान्य को एतद्वारा बंधक सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार न करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार "दी कांगड़ा को-ऑपरेटिव बैंक लि.", के प्रभार वास्ते रु. **11,71,909/- और ऋण खाते पर समय-समय पर लागू होने वाले अतिरिक्त ब्याज, दंडात्मक ब्याज और अन्य शुल्कों, नोटिस की तिथि से वसूली की तिथि तक तथा उक्त राशि की वसूली में बैंक द्वारा वहन की गई सभी लागतों सहित के अधीन होगा।**

उधारकर्ता, बंधककर्ता के कानूनी उत्तराधिकारी और जमानतदार का ध्यान उपलब्ध समय के संबंध में, नीचे उल्लिखित बंधक संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति को छुड़ाने के लिए, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा-13 की उप-धारा-(8) के प्रावधानों की ओर भी आकर्षित किया जाता है।

सम्पत्ति का विवरण	
विचाराधीन संपत्ति जोकि निर्मित संपत्ति भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल छत के अधिकार के साथ, क्षेत्रफल 30 वर्ग गज	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि एक निर्मित संपत्ति सं. डी-10, क्षेत्रफल 30 वर्ग गज, इसकी संपूर्ण संरचना सहित भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल, छत के अधिकार, तथा उस पर अंतिम मंजिल तक निर्माण का अधिकार, रेक्ट संख्या 17 में से, किला संख्या 16/1, गांव खुरेजी खास के क्षेत्र में, दक्षिण अनारकली की आबादी, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110051. उप-पंजीयक VIII, दिल्ली के पंजीकरण के अंतर्गत

निम्नानुसार चौहद्दी: पूरब में - शेष भाग, पश्चिम में - अन्य की संपत्ति, उत्तर में - अन्य की संपत्ति, दक्षिण में - गली

(हरीश शर्मा)
प्राधिकृत अधिकारी
दी कांगड़ा को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड
स्थान : दिल्ली मुख्यालय: सी-29, सामुदायिक केंद्र, पंखा रोड, जनकपुरी, नई दिल्ली-58
दिनांक: 07.01.2025 फोन: 9013568418, 9013568419,

दिल्ली में चुनाव
त्रिकोणीय संघर्ष

दिल्ली में 5 फरवरी को चुनाव घोषणा के बाद कांटे का त्रिकोणीय निश्चित हो गया है। निर्वाचन आयुक्त द्वारा आधिकारिक रूप से दिल्ली के आगामी विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित करने के बाद अब कांटे के त्रिकोणीय संघर्ष का मार्ग खुल गया है। दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए मतदान 5 फरवरी को होगा और नतीजे 8 फरवरी को सामने आएंगे। यह चुनाव आम आदमी पार्टी-आप, भारतीय जनता पार्टी-भाजपा तथा कांग्रेस के बीच कड़े मुकाबले का होगा। ये तीनों अपनी रणनीतियां, विमर्श तथा मुद्दे सामने ला रहे हैं। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में 'आप' दिल्ली में लगातार तीसरा कार्यकाल पाने का प्रयास कर रही है। पिछले दो चुनावों में असाधारण सफलता प्राप्त करने के बाद पार्टी 'हैट्रिक' के लिए अभियान चला रही है। 2012 में गठन के बाद केजरीवाल की पार्टी ने दिल्ली का राजनीतिक परिदृश्य बदल दिया है और अब वह अपने प्रशासनिक रिकार्ड तथा 'काम की राजनीति' पर दांव लगा रही है। 'आप' का ध्यान कल्याणकारी कामों पर केन्द्रित है जिसमें मुफ्त बिजली, पानी और स्वास्थ्यरक्षा शामिल है। इसके साथ ही पार्टी अपने कार्यकाल को विकास और पारदर्शिता से जोड़ रही है। 'फिर आएंगे केजरीवाल' नारे के साथ 'आप' ने अपना अभियान शुरू किया है जो भविष्य के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण पर आधारित है। वह अपनी उपलब्धियों को भाजपा की कथित 'विभाजनकारी राजनीति' के खिलाफखड़ा कर रही है। लेकिन 'आप' की विजय आसान नहीं है। पिछले दो चुनावों में अपने प्रभुत्व के बावजूद पार्टी अब चुनौतियों का सामना कर रही है। 'आप'

पर भ्रष्टाचार के अनेक आरोप हैं और भाजपा प्रभावी रूप से इसका लाभ उठा कर उस पर हमले कर रही है। भाजपा ने 'फिर आएंगे केजरीवाल' का मजाक उड़ाते हुए कहा है कि तिहाड़ के बाहर लगे पोस्टर से संकेत मिलता है कि वे फिर जेल जाएंगे। दिल्ली विधानसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन में बिखराव से भी भाजपा अपने लिए लाभ की उम्मीद कर रही है। भाजपा के लिए यह चुनाव 'करो या मरो' जैसा मुकाबला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी ने एक आक्रामक अभियान छेड़ा है जिसका उद्देश्य केजरीवाल और 'आप' को सत्ता से हटाना है। भाजपा की मुख्य थीम सत्ता-विरोधी लहर पर केन्द्रित है। उसने 'आप' पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने तथा राजधानी की विकास आवश्यकताओं को अनदेखा करने का आरोप लगाया है। प्रधानमंत्री मोदी भाजपा के आक्रमण को धार दे रहे हैं। उन्होंने 'आप' सरकार को 'आप-दा' कहते हुए दिल्ली के विकास के प्रति उसके दृष्टिकोण की विफलता की आलोचना की है। मोदी ने भाजपा को राष्ट्रीय प्रगति की पार्टी के रूप में पेश करते हुए केजरीवाल के नेतृत्व को दिल्ली के भविष्य में बाधा बताया है। भाजपा की द्वि-आयामी रणनीति का लक्ष्य 'आप' के प्रशासन को बदनाम करना तथा मतदाताओं में परिवर्तन की इच्छा जगाना है। एक समय दिल्ली में प्रभुत्वशाली शक्ति रही कांग्रेस अब तीसरे स्थान पर है। 2013 में राजधानी में सत्ता गंवाने के बाद पार्टी अपना राजनीतिक आधार मजबूत करने का प्रयास कर रही है जिस पर 'आप' और भाजपा ने काफी हद तक कब्जा कर लिया है। लेकिन इस बार चुनाव में पार्टी का असर दिखाई दे रहा है। गहरे ध्रुवीकरण, बहुत कुछ दांव पर लगे होने तथा सभी पक्षों की ओर से आक्रामक रणनीतियों को देखते हुए 2025 दिल्ली विधानसभा चुनाव राजनीतिक गरमी से भरे हैं, यहां कठिन संघर्ष और कांटे की लड़ाई है। मतदाताओं को 'आप' की प्रशासनिक विरासत, भाजपा के परिवर्तनकारी दृष्टिकोण तथा कांग्रेस के स्थायित्व की संभावनाओं के बीच चुनाव करना होगा। इससे यह चुनाव पहले के किसी चुनाव की तुलना में अत्यधिक कठोर संघर्ष वाला चुनाव होगा।

एच-1 बी वीजा पर ट्रंप की दुविधा

निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में कुशल विदेशी कामगारों के लिए एच-1 बी वीजा पर बहस तेज हो गई है।

कल्याणी शंकर
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

ट्रंप और मस्क के साथ आने से अब अनेक एच-1बी वीसा प्रार्थियों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। मस्क ने दावा किया था कि उनको ज्यादा कुशल और बुद्धिमान कामगारों की जरूरत है। उन्होंने अभूतपूर्व रोजगार अवसरों का भी वादा किया है। यह एच-1बी वीजा प्रार्थियों के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदर्शित करता है। भारत सरकार को अमेरिका में भारतीय एच-1बी वीजा धारकों में पैदा किसी नकारात्मक भावना पर गौर करना चाहिए।

निर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को पद पर आने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन उनके समक्ष एक खास चुनौती है। आप्रवास और एच-1बी वीजा का मुद्दा दो प्रमुख समूहों के बीच विवाद का विषय बन गया है। वे खरबपति टेक समुदाय के टकराव वाले हितों को संतुष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं जिसने उनके प्रचार अभियान तथा उनके 'अमेरिका प्रथम' नारे में काफी पैसा लगाया है। ट्रंप ने हाल ही में विदेशी कुशल कामगारों के लिए एच-1बी वीजा पर सकारात्मक बयान दिया था जिससे इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के भविष्य पर चर्चा को और हवा मिल गई है। 'द न्यूयार्क पोस्ट' ने ट्रंप का यह कथन प्रकाशित किया कि 'मैं हमेशा वीजा पसंद करता रहा हूं। मैं हमेशी वीसा के पक्ष में रहा हूं। इसी कारण वे हमारे यहां हैं। मेरी संपत्तियों पर अनेक एच-1बी वीजा हैं। मैं एच-1बी वीजा में विश्वास करने वाला रहा हूं। मैंने अनेक बार उनका प्रयोग किया है। यह बहुत अच्छा कार्यक्रम है।'

ट्रंप ने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने इलोन मस्क तथा सिलिकान वैली के अन्य अमीर दानदाताओं का समर्थन किया। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे मस्क स्वयं एच-1बी वीजा पर आए थे। जहां तकनीकी क्षेत्र के उद्योगपति उदार एच-1बी वीजा व्यवस्था के पक्ष में हैं, वहीं 'अमेरिका प्रथम' का समर्थन करने वाले कट्टरपंथी सभी स्तरों पर आप्रवास पर कठोर नियंत्रण लगाना चाहते हैं। अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप ने अमेरिकन नागरिकों के हितों को सुरक्षा देने में प्राथमिकता बरती जिसके एच-1बी वीजा प्रार्थियों पर काफी प्रभाव पड़े। 'अमेरिका प्रथम' के पैरोकारों का तर्क है कि एच-1बी वीजा से अमेरिकन कामगारों का रोजगार छिन जाता है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि क्या ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में अमेरिकन कामगारों के रोजगार को प्राथमिकता देंगे या वे परंपरागत रिपब्लिकन विश्वास पर लौट जाएंगे कि आप्रवासी मुख्यत: सेवायोजकों को लाभ पहुंचाते हैं। ट्रंप द्वारा भारतीय मूल के श्रीराम कृष्णन को कृत्रिम बुद्धि-एआई पर अपना सलाहकार नियुक्त करने के बाद एच-1बी वीजा पर बहस और तीखी हो गई है। इससे ट्रंप टीम के समर्थकों में विभाजन पैदा हो गया है।

इलोन मस्क तथा विवेक रामास्वामी जैसे ट्रंप के प्रभावशाली समर्थकों का तर्क है कि एच-1बी वीजा ने अमेरिका में इंजीनियरों की कमी जैसी महत्वपूर्ण समस्याओं से निपटने में सहायता प्रदान की है। अपने विशाल औद्योगिक साम्राज्य खड़े करने वाले इलोन मस्क तथा विवेक रामास्वामी ने एच-1बी वीजा कार्यक्रम का जोरदार समर्थन किया है। मस्क ने अपनी स्पष्ट प्रतिक्रियाओं से इस मुद्दे पर युद्ध जैसी स्थिति पैदा कर दी है। इलोन मस्क और विवेक रामास्वामी ने अमेरिकी श्रम बाजार में कौशल की भारी कमी की ओर ध्यान आकर्षित किया है। यह कमी खासकर 'स्टेम' क्षेत्रों में दिखाई देती है।

ऐसे में सवाल उठता है कि एच-1बी वीसा क्या है और यह इतने विवाद का विषय क्यों बन गया है? सवाल यह भी है कि यदि एच-1बी वीजा को हटा दिया जाए तो भारत को नुकसान होगा? दूसरे देशों के कुशल कामगारों के लिए वीसा की व्यवस्था 1990 में राष्ट्रपति बुश द्वारा निर्धारित की गई थी ताकि वे वैध रूप से अमेरिका में काम कर सकें। यह वीसा तीन साल के लिए होता है। वीजा प्रार्थियों को अमेरिका की स्पांसर कंपनी या संस्थान से रोजगार प्राप्त करना होता है। 2004 से अमेरिका ने नए एच-1बी वीजा की संख्या सीमित कर प्रति वर्ष 85,000 कर दी है। इस सीमा में अमेरिकन विश्वविद्यालयों से उच्च डिग्रियां प्राप्त करने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए 20,000 वीजा रखे गए हैं। वित्त वर्ष 2023 में अमेरिका ने केवल 386,000 एच-1बी वीजा प्रार्थनाओं को मंजूर किया था। वित्त वर्ष 2024 में 758,994 वैध पंजीकरण हुए हैं जो 2023 की तुलना में 474, 421 अधिक हैं। इनमें से अधिकांश स्वीकृत वीसा विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित-स्टेम क्षेत्र के हैं। इस प्रकार एच-1बी वीजा का मुद्दा आर्थिक सरोकारों से आगे जाता है और अब इसमें कृत्रिम बुद्धि-एआई तथा उत्कृष्ट कंप्यूटिंग टेक्नोलोजी जैसे क्षेत्र भी शामिल हो गए हैं। ये सभी क्षेत्र अमेरिकी रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र को और मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत को एच-1बी वीजा में लगभग 72 प्रतिशत मिलते हैं, जबकि चीनी नागरिकों को लगभग 12 प्रतिशत वीजा मिलते हैं। देश-विशिष्ट सीमायें हटाने से अमेरिका में भारतीयों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं। यह अनेक भावी प्रार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है। टेक उद्योग के बड़े सेवायोजकों में भारतीय कंपनियां, जैसे इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल और विप्रो शामिल हैं जो एच-1बी वीसा के सर्वोच्च 10 लाभार्थियों में 35 प्रतिशत स्थान पर कब्जा करती हैं। वित्त वर्ष 2025 से यूएससीआईएस ने सेवायोजक-आधारित व्यवस्था के बजाय लाभार्थी-आधारित पंजीकरण व्यवस्था लागू करने की बात कही है। यह वित्त वर्ष 2024 में एजेंसी की 'गंभीर चिन्ताओं' के कारण किया गया है। एच-1बी वीजा के सबसे बड़े स्पांसर अमेजन की स्वीकृतियों में भारी कमी आई है और यह 2023 में 11,000 से घट कर 2024 में 9,000 रह गई। अमेजन और गूगल प्रमुख अमेरिकन कंपनियों में शामिल हैं जो एच-1बी वीजा की स्पांसरशिप से पीछे हट रही हैं। इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़-टीएसीएस जैसी भारतीय कंपनियों ने भी वीजा में काफी कमी की है। लेकिन सभी कंपनियां वीजा व्यवस्था समाप्त नहीं करना चाहती है।

अमेरिकन इंटरप्राइज़ इंस्टीट्यूट तथा पार्टनरशिप फॉर ए न्यू अमेरिकन इकोनोमी के अनुसार एच-1 बी वीजा सीमा बढ़ाने से 1.3 मिलियन नए रोजगारों का सृजन हो सकता है। इससे 2045 तक अमेरिकन जीडीपी में लगभग 158 बिलियन डालर का योगदान होगा। एच-1 बी वीजा धारक अक्सर अमेरिकन कामगारों की नौकरियां छीनने के बजाय कार्यबल में योगदान करते हैं। एच-1बी वीजा के बारे में ट्रंप के हालिया बयान से अनेक वीजा प्रार्थियों व खासकर भारतीयों में बहुत उम्मीद जगी है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका को ज्यादा कुशल और बुद्धिमान लोगों की जरूरत है और उन्होंने ज्यादा रोजगार सृजन का वादा किया है। यह एच-1बी वीजा धारकों के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण है क्योंकि अक्सर एच-1बी वीसा धारक अमेरिकन कामगारों से प्रतियोगिता करने के बजाय उनकी सहायता करते हैं। ट्रंप और मस्क के साथ आने से अब अनेक एच-1बी वीसा प्रार्थियों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। मस्क ने दावा किया था कि उनको ज्यादा कुशल और बुद्धिमान कामगारों की जरूरत है। उन्होंने अभूतपूर्व रोजगार अवसरों का भी वादा किया है। यह एच-1बी वीजा प्रार्थियों के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदर्शित करता है। भारत सरकार को अमेरिका में भारतीय एच-1बी वीजा धारकों में पैदा किसी नकारात्मक भावना पर गौर करना चाहिए।

जीवन में आत्मावलोकन का महत्व

जिंदगी पटरी से उतरने पर दूसरों पर दोषारोपण आसान पलायन है, पर इससे व्यक्तिगत विकास में बाधा आती है।

ब्रह्म कुमार निकुंज
(लेखक, आध्यात्मिक शिक्षक हैं।)

प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन का निर्माता है, इसलिए आसानी से कहा जा सकता है कि हम सब अपने जीवन को अपनी इच्छानुसार बनाने का प्रयास करते हैं। लेनि जब कुछ गलत हो जाता है तो हम फौरन किसी दूसरे या किसी चीज को दोषी ठहराने के लिए तलाशने लगते हैं। ऐसे में हम स्थिति बेहतर करने के लिए स्वयं में बदलाव नहीं करते हैं। यह तथ्य है कि हम सभी अपने समय और ऊर्जा का बड़ा हिस्सा अपने जीवन की सभी समस्याओं का दोषारोपण दूसरों पर करने में करते हैं। कुछ गलत करने के दोष से स्वयं को मुक्त करने के लिए हम उसे सही ठहराते हैं क्योंकि आंतरिक रूप से हम अपने व्यवहार की जिम्मेदारी किसी अन्य व्यक्ति, स्थिति या बाहरी तत्व पर डाल देते हैं। यह बात बहुत सामान्य लगती है। यह बहुसंख्य लोगों की आदत हो सकती है, पर दोषारोपण का खेल करते समय हम भूल जाते हैं कि कर्म सिद्धान्त के अनुसार स्वयं को सबसे पहले बदलने वाला ही प्रसन्न रहता है। इसलिए यदि हम शांति और प्रसन्नता चाहते हैं तो हमें स्वयं को बदलना चाहिए और दूसरों से हमारे लिए काम करने की इच्छा नहीं करनी चाहिए। अपनी गलतियां पहचानने और उनको स्वीकार करने के दृष्टिकोण की कमी से परिवर्तन करने में सुस्ती आती है। धीरे-धीरे सुस्ती एक जीवनशैली की आदत बन जाती है। आमतौर से हम अपने कष्टों के लिए दूसरों को दोषी ठहराते हैं। हमें लगता है कि यदि दूसरे लोग ठीक से काम करते तो चीजें बेहतर होतीं। लेकिन हम यह समझने में विफल रहते हैं कि प्रत्येक क्रिया की विपरीत और समान प्रतिक्रिया होती है। इसलिए हम आत्मावलोकन करने के बजाय हमेशा दूसरे लोगों को सही करने के लिए संघर्ष करते रहते हैं। जब हम किसी दूसरे को दोषी नहीं ठहरा पाते हैं तो स्थितियों को दोषी ठहराते हैं। लेकिन ऐसा करने में हम यह तथ्य भूल जाते हैं कि हमारे जीवन की सभी स्थितियां हमारी रचना हैं। इसलिए कर्म सिद्धान्त के अनुसार हम जो कुछ अनुभव करते हैं वह

हमारे कार्यों, शब्दों या विचारों का परिणाम होता है। हो सकता है कि यह सब पहले हुआ हो, पर अब हमें इसका परिणाम भुगतना पड़ रहा है। हमें साहस के साथ इसे स्वीकार करना और अपने कर्म के अनुसार फल प्राप्त करना चाहिए जिससे हमारे दिमाग पर बोझ नहीं पड़ेगा।

जब किसी व्यक्ति या किसी चीज पर दोषारोपण काम नहीं करता है तो निराश आत्मा ईश्वर को दोष देने लगती है। उसे लगता है कि चूंकि दुनिया में सब कुछ ईश्वर की इच्छा पर निर्भर करता है, इसलिए उसका कष्ट भी ईश्वर की इच्छा का परिणाम है। यह स्थिति बहुत विचित्र है। लेकिन हम सभी रोज ऐसे ही काम करते हैं। याद रखें कि हम सभी कर्म सिद्धान्त से बंधे कर्ता हैं और अपने कार्यों के आधार पर फल प्राप्त करते हैं। ईश्वर कभी इसमें अपना योगदान नहीं करता है। हमारे शिक्षक और निर्देशक की तरह ईश्वर हमें शिक्षा दे सकता है और समझा सकता है, लेकिन वह परीक्षा में हमारा स्थान नहीं ले सकता है। इसलिए हम सबको अपने जीवन की परीक्षा स्वयं देनी होगी और यह काम पूरे विश्वास से करना होगा। आध्यात्मिक रास्ते पर चलने वाले के लिए असहज स्थितियां जीवन की परीक्षाओं की तरह होती हैं जो हमारा आध्यात्मिक स्तर ऊपर उठाने के लिए आवश्यक होती हैं तथा हमारी आत्म-प्रगति में सहायक होती हैं। इसलिए हमें इस अवसर को गंवाने के बजाय इसका लाभ उठाना चाहिए तथा तार्किक दृष्टिकोण से विचार करना चाहिए। इससे फर्क नहीं पड़ता कि हम परीक्षाओं में पास होते हैं या फेल, पर महत्वपूर्ण चीज हमारा साहस और जीवन्तता है जिसके माध्यम से हम परीक्षाओं का सामना करते हैं। आध्यात्मिक विकास के लिए दूसरों पर दोषारोपण बड़ी बाधा है क्योंकि इससे अपना आत्मावलोकन करने तथा दूसरों पर गौर करने की आध्यात्मिकता में बाधा आती है। इसलिए अपने अनुभवों का दायित्व स्वयं वहन करना सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। इससे हम स्वयं को सही करने का सचेतन प्रयास कर सकते हैं तथा अपने प्रति ईमानदार और जवाबदेह बन सकते हैं। स्वयं को धोखा देने से हम आध्यात्मिक मुक्ति से और दूर होते चले जाएंगे। इसलिए दूसरों पर दोषारोपण बंद कर आत्मावलोकन पर ध्यान देना शुरू करें क्योंकि जब आप दूसरों पर दोषारोपण करते हैं तो अपने परिवर्तन की शक्ति खो देते हैं।

आप की बात

आर्थिक वृद्धि दर में सुस्ती

भारत की आर्थिक हालात को लेकर एनएसओ द्वारा जारी अनुमान के अनुसार, 2025 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.4 रहने का अनुमान लगाया गया है। यह अनुमान इस बात को दर्शाता है कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर में सुस्ती आ रही है। एनएसओ के अनुसार, मैन्युफैक्चरिंग और निवेश में कमी के कारण आर्थिक वृद्धि दर में कमी आ रही है। इसके अलावा, लोगों की क्रय शक्ति भी घटती जा रही है, जिससे आर्थिक वृद्धि दर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। गिरते हुए रुपयों के कारण वस्तुएं महंगी हो रही हैं, जिससे लोगों की क्रय शक्ति और भी कम हो रही है। इसके अलावा, वैश्विक आर्थिक मंदी के कारण भारत के निर्यात में कमी आ रही है, जिससे आर्थिक वृद्धि दर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। 2025 में भारत की आर्थिक हालात को सुधारने के लिए सरकार को कई कदम उठाने होंगे, जैसे कि करों में कमी करना और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाना। मैन्युफैक्चरिंग में वृद्धि करने के लिए कई कदम उठाने होंगे, जैसे कि मैन्युफैक्चरिंग के लिए अनुकूल वातावरण बनाना और मैन्युफैक्चरिंग में निवेश को बढ़ावा देना। लोगों कि क्रय शक्ति में वृद्धि करने के लिए कई कदम उठाने होंगे, जैसे कि मजदूरों के वेतन में वृद्धि करना और गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाना। निर्यात में वृद्धि करना और वैश्विक बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना।

-विभूति बुपक्या, खाचरोद

तीर्थस्थलों पर भीड़ नियंत्रण

तिरुपति में भगदड़ के कारण हुई त्रासदी अत्यंत दुखद और चिंताजनक है। इस घटना ने न केवल प्रशासनिक विफलता को उजागर किया है, बल्कि धार्मिक आयोजनों में सुरक्षा उपायों की कमी पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। तिरुपति जैसे प्रमुख तीर्थस्थलों पर प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु आते हैं, जिससे भीड़ प्रबंधन की चुनौतियां बढ़ जाती हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन को प्रभावी योजना बनानी चाहिए। पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, आपातकालीन सेवाओं की तत्परता और सूचना तंत्र को सुदृढ़ करना अनिवार्य है। इस प्रकार की त्रासदियों से बचने के लिए भीड़ प्रबंधन की ठोस रणनीति बनानी होगी। साथ ही, श्रद्धालुओं को भी संयम और धैर्य बनाए रखना चाहिए और प्रशासन द्वारा निर्देशित व्यवस्थाओं का पालन करना चाहिए। सरकार और संबंधित अधिकारियों को इस घटना की गहराई से जांच कर दोषियों पर उचित कार्रवाई करनी चाहिए। पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान की जानी चाहिए, ताकि उनकी आस्था और विश्वास सुरक्षित माहौल में फल-फूल सके। इस घटना से सबक लेकर भविष्य में ऐसे आयोजनों के दौरान सुरक्षा मानकों को और कड़ा करना आवश्यक है, ताकि श्रद्धालु अपनी धार्मिक यात्राओं में सुरक्षित महसूस कर सकें।

-प्रो. आरके जैन अरिजीत, बड़वानी

एक देश, एक चुनाव

एक देश, एक चुनाव की अवधारणा पर विपक्ष का लगातार विरोध करना एक जटिल मुद्दा है। एक 1951 से 1967 तक चुनाव एक साथ ही हुए हैं। विपक्षी दलों को लगता है कि एक देश एक चुनाव की प्रणाली से उनके राजनीतिक हित प्रभावित हो सकते हैं। वे सोचते हैं कि इससे सत्तारूढ़ दल को अधिक लाभ होगा और उनकी अपनी राजनीतिक शक्ति कम हो जाएगी। कुछ विपक्षी दलों को लगता है कि एक देश एक चुनाव की प्रणाली से संविधान के कुछ प्रावधानों का उल्लंघन हो सकता है। वे सोचते हैं कि इससे राज्यों की स्वायत्तता और संघीय व्यवस्था को खतरा हो सकता है। एक देश एक चुनाव की प्रणाली को लागू करने के लिए व्यापक प्रशासनिक तैयारी की आवश्यकता होगी। विपक्षी दलों को लगता है कि सरकार इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार नहीं है। क्योंकि इसके लिए और अधिक कर्मचारी और संसाधनों कि आवश्यकता होगी। विपक्षी दलों को लगता है कि जनता एक देश एक चुनाव की प्रणाली के बारे में जागरूक नहीं है। वे सोचते हैं कि जनता को इस मुद्दे पर और जागरूक करने की आवश्यकता है।हालांकि, सरकार का तर्क है कि एक देश एक चुनाव की प्रणाली से देश की प्रगति में मदद मिलेगी। एक देश एक चुनाव की प्रणाली से चुनाव आयोजित करने में होने वाले खर्च में कमी आएगी। इससे संसाधनों की बचत होगी और उन्हें अन्य महत्वपूर्ण कार्यों पर खर्च किया जा सकेगा।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

मुक्ति का अहसास महाकुंभ पर्व

धरा पर महाकुंभ पर्व आपाधापी और कलयुगी त्रास से भरे जीवन को आत्मिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा भरने का अद्भुत धार्मिक समागम है। आस्था, विश्वास और धर्म भावना से ओत-प्रोत इस पर्व का महत्व भारतीय संस्कृति में अमृत-तुल्य है। 13 जनवरी से प्रयागराज में आयोजित यह पर्व जातीय समरसता, सांस्कृतिक चेतना और वैश्विक कल्याण की भावना को प्रगाढ़ बनाता है। स्नान, दान और सत्संग की त्रिवेणी के माध्यम से यह पर्व पापों के प्रायश्चित्त और सत्कर्म की प्रेरणा देता है। महाकुंभ वैश्विक उल्लास का भी प्रतीक है तभी तो दुनियां के कोने कोने से लोग सहभागी होकर पुण्य लाभ अर्जित करते हैं। महाकुंभ आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने बुनियादी सुविधाओं का जाल सा बिछाया है। लोगों को आयोजन की सफलता के लिए सरकार को पूर्ण सहयोग करना चाहिए। पवित्र धार्मिक नगरी में आयोजित महाकुंभ, भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का जीता-जागता उदाहरण है। कुंभ का प्रभाव अब वैश्विक हो गया है और पूरी दुनिया से इस समागम में लोग भाग लेते हैं।

-अमृत मारू रवि

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 10 जनवरी 2025

यूपी के पोटेंशियल के प्रदर्शन और ब्रांडिंग का सर्वोत्तम समय है महाकुम्भः मुख्यमंत्री

● जिस सेक्टर में ड्यूटी, वहीं रात्रि विश्राम करें अधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/महाकुम्भनगर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि 13 जनवरी से प्रारंभ होने जा रहे प्रयागराज महाकुंभ में त्रिवेणी स्नान का पुण्य लाभ लेने के लिए पूरी दुनिया में अपूर्व उत्साह है। हर कोई प्रयागराज आने की तैयारी कर रहा है। देश के भीतर न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि कई अन्य राज्यों की पूरी कैबिनेट संगम स्नान करने की तैयारी कर रही है। अब तक 80फीसद टेंट की बुकिंग हो चुकी है। हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, बिल एंड मिलिंडा गेट्स फॉउंडेशन और आईआईटी जैसी संस्थाएं इस बार महाकुम्भ के विविध आयामों पर शोध-अध्ययन और प्रदर्शन और ब्रांडिंग का सर्वोत्तम समय है। उत्तर प्रदेश को इसका लाभ उठाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सनातन भारतीय संस्कृति के इस सबसे बड़े उत्सव के सफल आयोजन में टीम यूपी अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने को प्रतिबद्ध है।

दो दिवसीय दौरे पर प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री योगी ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षा के दृष्टिगत न केवल मेलाक्षेत्र में हो रहीं तैयारियों का निरीक्षण किया, बल्कि प्रयागराज नगर और आस-पास के जिलों में इस संबंध में की जा रही तैयारियों की भी समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रयागराज को आकर्षक स्वरूप देने वाले गंगा, यमुना व सरस्वती स्वागत द्वारों और नक्षत्र वाटिका साहित अनेक नवीन कार्यों का मुख्यमंत्री ने डिजिटली लोकार्पण भी किया।

प्रयागराज मेला प्राधिकरण कार्यालय स्थित आइसीसीसी सभागार में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ व्यवस्था से जुड़े सभी विभागों से बारी-बारी उनकी तैयारियों के बारे में जानकारी ली। पुलिस अधिकारियों से सुरक्षा और यातायात प्रबंधन से जुड़ी जानकारी लेते हुए मुख्यमंत्री ने इंटेलिजेंस को और बेहतर करने के निर्देश दिए, वहीं यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की आपातकालीन/आपदा की स्थिति में क्विक रिस्पॉन्स के लिए बेहतर प्रबंध होने चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस अधिकारी की तैनाती जिस सेक्टर में वह रात्रि विश्राम उसी सेक्टर में करे। क्राउड मैनेजमेंट पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भीड़ का महाकुम्भ में भीड़ का भारी दबाव होना स्वाभाविक है। इसलिए क्राउड मैनेजमेंट की कार्ययोजना तैयार करके उसकी व्यवहारिकता का परीक्षण भी कर लिया जाए।

उन्होंने दूसरे जिलों से प्रयागराज की ओर आने वाले मार्गों पर लगातार पुलिस की गश्त बनाये रखने की जरूरत बताई। पौष पूर्णिया से पहले दो दिनी विशेष स्वच्छता अभियान चलाए जाने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से इसमें प्रतिभाग की अपील की। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रयागराज नगर हो अथवा मेला क्षेत्र, अतिक्रमण कहीं नहीं होना चाहिए। मेलाधिकारी ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि महाकुम्भ के लिए आवश्यक पुलिस बल की तैनाती की जा चुकी है। सभी डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती हो गई है।

अब तक सभी 30 पांटून पुल, सभी 626 साइनेज, 635 किमी चकर्ड मार्ग, पेयजल के लिए 503 किमी डीआईपी लाइन, 573 किमी जीआईपी लाइन, 5590 पेयजल स्टैंड पोस्ट, 200 किमी ड्रेनेज निकासी लाइन, 54700 स्ट्रीट लाइट, 173 किमी एचटी लाइन, 1310 किमी एलटी लाइन, 227 बिजली सब स्टेशन की स्थापना की जा चुकी है। इसी तरह, 100 बेड का एक, 25-25 बेड के दो, 20-20 बेड के चार व 60 बेड के बर्न यूनिट सहित प्रयागराज नगर के निजी एवं सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त बेडों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा चुकी है। जल निगम को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हर श्रद्धालु को शुद्ध पेयजल और स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था उपलब्ध होनी चाहिए। पेयजल पाइपलाइन जहां नहीं पड़ी है, वहां तत्काल व्यवस्था ठीक की जाए। तैयारियों पर संतोष जताते हुए मुख्यमंत्री ने अवशेष कार्यों को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए मैनपॉवर बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सामुदायिक शौचालय, संस्थाओं के शौचालय, सरकारी विभागों के शिविरों में शौचालयों की स्थापना का काम तेजी से पूरा कराया जाए, साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि इनकी सफाई नियमित रूप से हो जाए। निर्माणाधीन सड़क परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति से अवगत होते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रायबरेली-प्रयागराज मार्ग का कार्य थोड़ा सा शेष है, इसे तेजी के साथ पूरा कर लें।

स्वामी अवधेशानंद ने किया सीएम योगी का सम्मान, प्रसाद भी कराया ग्रहण

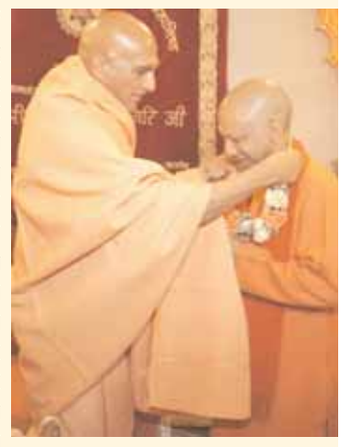

जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद ने सीएम योगी का सादर और सत्कार किया। प्रयागराज विजिट के दौरान सीएम योगी ने जूना अखाड़े में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सीएम योगी जैसे ही अखाड़े के शिविर में पहुंचे स्वामी अवधेशानंद और अन्य पूज्य संतों ने सीएम का स्वागत किया। स्वामी अवधेशानंद ने सीएम की आगवानी की और उन्हें अपने साथ लेकर पूरे शिविर का भ्रमण कराया। वह सीएम योगी को एक-एक कक्ष में ले गए और इसकी विशेषता बताई। इसके बाद स्वामी अवधेशानंद सीएम योगी को विशेष कक्ष में लेकर गए, जहां उन्होंने सीएम को अंग वस्त्र पहनाया. माल्यार्पण किया और स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर सीएम योगी और अन्य अधिकारियों को प्रसाद भी ग्रहण कराया गया।

धर्मध्वजा को प्रणाम कर पूज्य साधु-संतों के शिविरों में मुख्यमंत्री ने परखे इंतजाम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/महाकुम्भनगर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रयागराज महाकुम्भ को सनातन के ध्वजवाहक सभी 13 अखाड़ों का आशीर्वाद प्राप्त है, खाक-चौक परंपरा, दंडीबाड़ा, आचार्यबाड़ा परंपरा तथा तीर्थ पुरोहितों की शुभकामनाएं भी हमारे साथ हैं, ऐसे में यह सुव्यवस्थित आयोजन का एक वैश्विक मानक बनने जा रहा है। उन्होंने कहा है कि महाकुम्भ की दिव्यता और भव्यता पूज्य संतों से ही है। राज्य सरकार और मेला प्रशासन संतगणों की सभी अपेक्षाओं और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मानव सभ्यता और सनातन संस्कृति के सबसे बड़े वैश्विक सम्मेलन महाकुम्भ की तैयारियों का निरीक्षण करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को प्रयागराज के दौरे पर थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी स्वयं सनातन संस्कृति के ध्वज वाहक, 13 अखाड़ों के शिविर में पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले धर्म ध्वजा को प्रणाम किया। इसके बाद संतगणों से बातचीत कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर को अपने बीच पाकर साधु संत प्रफुल्लित नजर आए। उन्होंने सीएम योगी का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पुष्प वर्षा कर स्वागत और अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री खाक चौक शिविर, 13 अखाड़ों के शिविर के साथ ही दंडीबाड़ा के शिविर में साधु संतों से मिलने पहुंचे तो उन्हें पुष्पगुच्छ और माला पहनाकर आसन पर बिठाया गया। इस दौरान बटुक संन्यासियों ने वैदिक मंत्रोच्चारण भी किया। सीएम योगी पूज्य संतों के बीच जाकर भी बैठे और संतों की ओर से उन्हें भगवा अंगवस्त्र भी प्रदान किया गया, जबकि कुछ जगहों पर उन्हें स्मृति चिन्ह और महाकुम्भ का आमंत्रण भी दिया गया। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने उनका तिलक किया और प्रसाद भी गृहण कराया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अखाड़ों के इष्ट देवों की भी अराधना की। साधु संत और श्रद्धालु उनके साथ फोटो खिंचवाने को आतुर दिखे।

मुख्यमंत्री ने खाक चौक के शिविर में पहुंच कर 05-05 मिनट और सेक्टर-18 में बने दण्ड स्वामियों के दण्डीबाड़ा शिविर का भ्रमण और अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने सेक्टर-19 में स्थित अखिल भारतवर्षीय अवधूत भेष बारह पंथ योगी महासभा शिविर का भी भ्रमण किया। इससे पहले, मुख्यमंत्री योगी, सेक्टर 23 स्थित जजेज कालोनी पहुंचकर व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। व्यवस्थाओं से संतुष्ट दिखे मुख्यमंत्री ने कहा कि स्नान पर्व की तिथियों को छोड़कर शेष सभी दिनों में गणमान्य जनों के लिए नियत प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने मेला अधिकारी व पुलिस प्रशासन को महाकुम्भ मेले में आने वाले न्यायाधीशों और न्यायमूर्तियों की सुरक्षा व्यवस्था का पूरा इंतजाम करने को भी कहा।

उन्होंने जजेज कालोनी में लगे अस्थाई आवस टेंटों और उनके लिए शौचालयों व अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। सेक्टर-23 से जजेज कालोनी के निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री का काफिला अरैल घाट पहुंचा। जहां से वो मोटर बोट के द्वारा वीआईपी घाट पर उतर कर अक्षयवट मार्ग से पाण्टून पुल के माध्यम से संगम लोअर मार्ग होते हुए महावीर मार्ग स्थित खाक चौक पहुंचे। यहां से अखाड़ों, दण्डीबाड़ा और आचार्यबाड़ा के शिविरों में गये।

सीएम योगी ने सभी अखाड़ों के संतों के साथ किया भोजन, भेंट किए उपहार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज दौरे के पहले दिन साधु संतों के साथ रात्रि भोज किया और उन्हें उपहार भी भेंट किया। इस रात्रि भोज में सभी अखाड़ों, खाकचौक, दंडीबाड़ा और आचार्यबाड़ा के पूज्य संत उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री की ओर से आयोजित इस भोज के बाद सभी संतों को उपहार भी भेंट किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी संतों का भोज में सम्मिलित होने के लिए आभार भी जताया। इस अवसर पर सभी साधु संतों ने सीएम योगी को धन्यवाद दिया और महाकुम्भ के सकुशल और भव्य संपन्न होने की कामना की।

वर्ष 2021 बैच के 19 आईपीएस अफसरों को मिला सीनियर टाइम स्केल

लखनऊ। राज्य सरकार ने यूपी कैडर के वर्ष 2021 बैच के 19 आईपीएस अफसरों को सीनियर टाइम स्केल प्रदान किया है। सरकार की ओर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं। जिन अफसरों को सीनियर टाइम स्केल प्रदान किया गया है उनमें अंजली विश्वकर्मा, रोहन झा, शैव्या गोयल, आदित्य, कुंवर आकाश सिंह, अनंत चंद्रशेखर, किरन यादव, अमृत जैन, अंशिका वर्मा, अमरिंदर सिंह, शुभम अग्रवाल, रल्लापल्ली बसंत कुमार, देवेंद्र कुमार, डॉ. अमोल मुर्कुट, पुष्कर वर्मा, अरुण कुमार सिंह, व्योम बिंदल, आयुष श्रीवास्तव और भवरे दीक्षा अरुण शामिल हैं। जारी आदेश में कहा गया है कि वर्ष 2021 बैच के सीधी भर्ती के उक्त सभी आईपीएस अफसरों को पहली जनवरी 2025 से भारतीय पुलिस सेवा का वरिष्ठ समयमान वेतनमान (पे-मैट्रिक्स लेवल-2 रुपए 67000-208700) अनुमन्य किए जाने की राज्यपाल द्वारा सहर्ष स्वीकृति प्रदान की जाती है।

सोने-चांदी के तारों से बनी पीतांबरी धारण करेंगे रामलला

● प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ की तैयारियां तेज, मुख्यमंत्री योगी कल करेंगे रामलला का अभिषेक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

भव्य मंदिर में विराजमान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। 11 जनवरी से शुरू होने जा रहे समारोह को लेकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट व जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कार्यक्रम का आगाज और रामलला का अभिषेक करेंगे। रामलला को प्रतिष्ठा द्वादशी के प्रथम दिन पीतांबरी पहनाई जाएगी। यह दिल्ली में तैयार की जा रही है। इसकी बुनाई व कढ़ाई सोने-चांदी के तारों से की जा रही है। यह 10 को अयोध्या पहुंच जाएगी, जिसे 11 को धारण कर रामलला दर्शन देंगे। महोत्सव 11 से 13 जनवरी तक चलेगा, लेकिन 11 जनवरी का दिन खासा महत्वपूर्ण है। समारोह का शुभारंभ रामलला के अभिषेक से होगा। सुबह 10 बजे से रामलला के पूजन व अभिषेक का सिलसिला शुरू होगा। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जिस विधिविधान से रामलला का अभिषेक किया गया था, उसी तर्ज पर प्रतिष्ठा द्वादशी पर भी रामलला का अभिषेक पंचामृत, सरयू जल आदि से किया जाएगा। अभिषेक-पूजन के बाद ठीक 12:20 बजे रामलला की महाआरती होगी। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के अनुसार करीब 110 वीआईपी भी इसमें शामिल होंगे। वहीं अंगद टीला स्थल पर भी एक जर्मन हैंगर टेंट लगाया गया है, जिसमें 5,000 लोगों तक की मेजबानी की जा सकती है। आम लोगों को भव्य कार्यक्रमों को देखने का अवसर मिलेगा, जिसमें मंडप और यज्ञशाला में प्रतिदिन आयोजित होने वाले शास्त्रीय सांस्कृतिक प्रदर्शन, अनुष्ठान और राम कथा प्रवचन शामिल हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा, ट्रस्ट ने आम लोगों को आमंत्रित करने का फैसला किया है, जो पिछले साल अभिषेक समारोह में शामिल नहीं हो सके थे। उन्हें अंगद टीला में तीनों दिनों के कार्यक्रमों में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, यज्ञ स्थल पर सजावट और उत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। मंडप और यज्ञशाला इन उत्सवों के प्रमुख स्थल होंगे। आम लोगों के लिए राम मंदिर समारोह का हिस्सा बनने का यह दुर्लभ अवसर है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 11 जनवरी को मंदिर में रामलला का अभिषेक करेंगे। ट्रस्ट ने पहले ही देश भर के संतों और भक्तों को निमंत्रण भेजा है।

अयोध्या में सरयू नदी पर 3.59 करोड़ रुपए की लागत से शीघ्र मिलेगी फ्लोटिंग रेस्टोरेंट की सुविधा

लखनऊ। राम नगरी अयोध्या में लगातार बढ़ती हुई श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड ने सरयू नदी पर एक अनोखा फ्लोटिंग रेस्टोरेंट 3.59 करोड़ रुपए की लागत से तैयार करा रहा है। यह रेस्टोरेंट आधुनिक सुख सुविधाओं से लैस होगा। इसकी लम्बाई 12 मीटर तथा चौड़ाई 6 मीटर होगी। इस रेस्टोरेंट में विभिन्न प्रकार के स्थानीय व्यंजन उपलब्ध होंगे। पर्यटक/ श्रद्धालु इसका आनंद उठा सकते हैं।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि अयोध्या में रामलला के विराजमान होने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पिछले साल जनवरी से सितम्बर तक 13 करोड़ से अधिक श्रद्धालु अयोध्या में दर्शनार्थ पधारे। राज्य सरकार का प्रयास है कि श्रद्धालु दर्शन पूजन के साथ-साथ ईको पर्यटन, वाटर स्पोर्ट, रूरल पर्यटन का भी आनंद लें। इसको देखते हुए श्रद्धालुओं की मनपसंद सुख सुविधाओं को विकसित किया जा रहा है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने बताया कि शीघ्र ही पर्यटक सरयू नदी पर विभिन्न विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे। इस रेस्टोरेंट को पर्यावरण के अनुकूल डिजाइन किया गया है और ध्यान रखा गया है कि नदी के प्राकृतिक सौंदर्य को बनाए रखा जाए और नदी प्रदूषित न हो। परियोजना से न केवल स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि क्षेत्र के लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे। धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण अयोध्या में यह फ्लोटिंग रेस्टोरेंट एक बड़ा आकर्षण का केन्द्र बनने की संभावना है।

अखिलेश यादव के चाचा राजपाल सिंह का निधन, सैफई में हुआ अंतिम संस्कार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के चाचा राजपाल सिंह यादव (73वर्ष) का लंबी बीमारी के बाद गुरुवार तड़के चार बजे निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे और उनका इलाज गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में चल रहा था। उनका अंतिम संस्कार आज उनके पैतृक गांव सैफई में हुआ। पार्टी प्रवक्ता के अनुसार अखिलेश यादव ने स्वर्गीय राजपाल सिंह यादव के पार्थिव शरीर को नमन करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की और गहरा दुख व्यक्त किया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव और बड़े भाई प्रो. रामगोपाल यादव ने राजपाल सिंह यादव के निधन पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर अपने छोटे भाई के निधन की जानकारी साझा की और लिखा कि 'मैं अत्यंत दुख के साथ ये सूचित कर रहा हूं कि मेरे अनुज राजपाल सिंह का आज सुबह चार बजे मेदांता अस्पताल गुड़गांव में असामयिक निधन हो गया है। प्रभु उनकी आत्मा को शांति दे और उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें। ?

गौआश्रय स्थल जाकर गौवंश की जांच करेंगे पशु चिकित्साधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● प्रदेश के 7,696 गौ आश्रय स्थलों पर 1235700 निराश्रित गोवंश किए गए हैं संरक्षित

योगी सरकार ने पशु चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे नियमित रूप से गौ आश्रय स्थलों का दौरा करें और वहां गौवंश के उत्तम स्वास्थ्य, चिकित्सा, औषधि एवं देखभाल सुनिश्चित करें। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि हर गौ आश्रय स्थल पर कार्यरत केयरटेकर रात में वहीं रुकें और गौवंश की देखभाल के लिए आवश्यक कार्य सुचारू रूप से करें।

सीएम योगी ने निर्देश दिया है कि जनपद स्तर पर नोडल अधिकारी गौ आश्रय स्थलों का नियमित निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि चारा, भूसा, पानी, प्रकाश आदि की कोई कमी न हो। इसके अलावा, गौ संरक्षण केंद्रों की स्थापना का कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया गया है ताकि निराश्रित गौवंश को सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जा सके। सरकार ने ग्राम्य विकास विभाग और अन्य सहयोगी विभागों को निर्देश दिया है कि वे समन्वय बनाकर गौ संरक्षण के कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करें। चारागाह भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने और मनरेगा के माध्यम से बहुवर्षीय और सीजनल चारे की बुआई सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है। योगी सरकार ने सभी अवस्थापना संबंधी कार्यों को 25 फरवरी 2025 तक पूरा करने का निर्देश दिया है। यह सुनिश्चित किया गया है कि कार्यदायी संस्थाएं मानक और लेआउट के अनुसार उच्च गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य करें। गौवंश शेड, पानी पीने की सुविधाएं, चारे का स्थान और खडंजा जैसी संरचनाओं को मजबूती और व्यवस्थित तरीके से तैयार किया जाए।

नीतियों को प्रभावी तरीके से अमल में लाना ही असली चुनौती : डॉ. हरिओम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में गुरुवार को व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग, उत्तर प्रदेश; प्राविधिक शिक्षा विभाग और मेधा फाउंडेशन के सहयोग से गुरुवार को 'पाथवे टू इम्प्लॉयमेंट समिट' का आयोजन किया गया। इस समिट का उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से रोजगार के लिए सशक्त बनाना, महिला रोजगार को प्रोत्साहित करना, स्टार्टअप और उद्यमशीलता को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में 110 से अधिक प्रतिष्ठित औद्योगिक संगठनों के शीर्ष प्रबंधकों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस समिट ने शिक्षा, उद्योग, और सरकार के बीच साझेदारी को सुदृढ़ करने का मंच प्रदान किया, जिससे रोजगार और उद्यमशीलता के क्षेत्र में नई संभावनाओं का द्वार खुला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. हरिओम, प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग, उत्तर प्रदेश का स्वागत प्रशिक्षण एवं सेवायोजन के अपर निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र देकर किया। डॉ. हरिओम ने अपने संबोधन में कहा कि नीतियां बनाना आसान है, लेकिन उन्हें प्रभावी तरीके से अमल में लाना ही असली चुनौती है।

बेरोजगारी व महंगाई से जूझ रहे देशवासियों को जीएसटी में राहत दे मोदी सरकारः सुप्रिया श्रीनेत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सोशल मीडिया/ डिजिटल प्लेटफॉर्म की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत्र ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा देश की आम जनता पर भारी टैक्स लगाने का आरोप लगाया और (जीएसटी) गब्बर सिंह टैक्स से पीड़ित आम जनता को आगामी बजट में राहत देने की मांग की। इसके साथ ही आवश्यक घरेलू वस्तुओं और हेल्थ बीमा से जीएसटी हटाने की भी कांग्रेस प्रवक्ता ने मांग की है।

श्रीनेत गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर रहीं थीं। इस दौरान प्रमुख रूप से उनके साथ प्रदेश मीडिया चेयरमैन डॉ सीपी राय, प्रदेश प्रवक्ता उमाशंकर पांडे, अंशू अवस्थी, सचिन रावत, और सोशल मीडिया वाइस चेयरमैन शालिनी सिंह उपस्थित रहे।

सुप्रिया श्रीनेत्र ने कहा कि आज से कुछ ही दिनों में सरकार अपना बजट पेश करने वाली है। यह बजट देश का भविष्य तय करेगा-क्या अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी या नौकरियां बनेंगी? क्या उपभोग बढ़ेगा, क्या निवेश होगा? क्या लोगों पर जो महंगाई की मार है वह कम होगी? और सबसे अहम सवाल क्या आम आदमी से जो जबरन टैक्स वसूला जा रहा है उसमें कुछ राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि आजाद हिन्दुस्तान में पहली बार सूट बूट की इस सरकार में इनकम टैक्स, कॉरपोरेट टैक्स से कहीं ज्यादा है। मतलब बड़े-बड़े पूंजीपति आज आप से कम टैक्स दे रहे हैं। सुप्रिया श्रीनेत्र ने कहा कि मोदी सरकार ने न सिर्फ जीएसटी का रायता फैलाया हुआ है बल्कि असलियत ये है कि आपके आटा, दही, दवाई, पढ़ाई और यहां तक कि पॉपकॉर्न और पुरानी गाड़ी बेचने पर भी जमकर जबरन जीएसटी वसूला जा रहा है, आज आम आदमी पर टैक्स ज्यादा है और कारपोरेट उद्योगपतियों पर टैक्स कम। राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत्र ने कहा कि भाजपा की असंवेदनशील सरकार का युवा विरोधी चरित्र सामने है कि आज नौकरियों के फार्म फीस पर भी 18 प्रतिशत जीएसटी लिया जा रहा है, मोदी सरकार गरीबों से टैक्स वसूली का जश्न मनाती है-पर जब अमीरों की बात आती है, तो कॉरपोरेट टैक्स घटाकर पूंजीपतियों का 4.5 लाख करोड़ का लाभ पहुंचाती है।

संगठन सृजन के तहत अवध जोन के कांग्रेस नेताओं से संगठन की मजबूती के लिए ली गई राय

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव, प्रभारी अविनाश पाण्डेय एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर गुरुवार को तीसरे दिन अवध जोन के जनपद लखीमपुर खीरी, बलरामपुर, सीतापुर, श्रावस्ती, बहराइच, गोंडा, हरदोई, उन्नाव, बाराबंकी, एवं लखनऊ के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक की। बैठक में अवध जोन के सह प्रभारी, राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता, सांसद किशोरी लाल शर्मा, पूर्व सांसद पीएल पुनिया, उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना, विधायक वीरेन्द्र चौधरी तथा पूर्व विधायक संजय कपूर भी मुख्य रूप से शामिल रहे।

जीएसटी के लंबित प्रकरणों में दो दिन के भीतर जारी किया जाए नोटिसः एम. देवराज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● प्रमुख सचिव जीएसटी ने की जांच किए जा रहे प्रकरणों की समीक्षा

प्रमुख सचिव जीएसटी एम देवराज की अध्यक्षता में गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य कर विभाग के जोनल अपर आयुक्त के साथ राज्य कर विभाग की विशेष अनुसंधान शाखा द्वारा जांच किए जा रहे प्रकरणों के संबंध में समीक्षा बैठक की गई। समीक्षा बैठक के दौरान नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने लंबित प्रकरणों में दो दिवस के अंदर नोटिस निर्गत करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रकरणों को अधिक दिन तक लंबित रखना उचित नहीं है। इसे विभाग की छवी धूमिल होती है। इसलिए व्यापारियों और विभाग के हित में सभी लंबित प्रकरणों को गंभीरता से लेकर विधिक प्रक्रिया के तहत निर्धारित समय में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

प्रमुख सचिव ने बताया कि 2022-23 में 12 प्रकरण एवं वर्ष 2023-24 में 130 प्रकरणों जोनल स्तर पर नोटिस निर्गत किया जाना शेष है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि भविष्य में आख्या प्राप्त होने पर 1 सप्ताह के भीतर आवश्यक निर्णय लेते हुए नोटिफिकेशन जारी किया जाए। नोटिस जारी करने की जिम्मेदारी अपर आयुक्त ग्रेड 1 (जोनल अधिकारी) की होगी।

प्रमुख सचिव द्वारा की गई समीक्षा में पाया गया कि जांच से संबंधित 2019-20 में 3 प्रकरणों में आदेश निर्गत किया जाना शेष है। इसी प्रकार 2021-22 के 148 प्रकरणों में आदेश निर्गत किया जाना लंबित है। उन्होने निर्देश दिए कि उक्त प्रकरणों मे आगामी 10 दिन के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

शासन की योजनाओं का गुणवत्तापरक क्रियान्वयन सुनिश्चित करें अधिकारी: मंत्री नितिन अग्रवाल

● प्रभारी मंत्री ने ली जिला योजना समिति की बैठक, योजनाओं, विकास कार्यक्रमों की बिंदुवार समीक्षा कर दिए निर्देश

● प्रभारी मंत्री ने दी नववर्ष की शुभकामनाएं, बोले, नए वर्ष में नए जोश से काम करें अफसर

लखीमपुर खीरी। अपने निर्धारित भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)। आबकारी एवं मद्य निषेध विभागए उप्र और जिले के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल जनपद खीरी पहुंचेए उनके जनपद आगमन पर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, सीडीओ अभिषेक कुमार ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने जिला योजना समिति की बैठक में विभागों को शासन से दिए गए बजटए खर्च आदि को लेकर जिला योजना की मूल्यांकन समीक्षा की। सांसद उत्कर्ष वर्मा मधुर, आनंद भदौरिया, विधायक धौरहरा विनोद शंकर अवस्थी, जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, अध्यक्ष जिपं प्रति. नरेंद्र सिंह, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, सीडीओ अभिषेक कुमार, डीएफओ संजय बिस्वाल, एडीएम संजय कुमार सिंह, एएसपी पवन गौतम सहित जिला योजना समिति के सदस्यगण अधिकारीगण मौजूद रहे। सीडीओ अभिषेक कुमार ने जिले में नवाचार के रूप में डीएम की पहल पर सर्किट फेस्ट की अवधारणा को साकार कर लखीमपुर महोत्सव का आयोजन, 1100 कन्याओं का शक्ति वंदन, जल जीवन मिशन के तहत 168 महिलाओं को पंप ऑपरेटर, प्लंबर और फिटर के रूप में प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने की पहल, मिशन मैदान के तहत 1000 स्कूलों में खेल मैदान की स्थापना जैसे उल्लेखनीय कार्यों को रेखांकित किया।

अध्यक्षता करते हुए प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की लोक कल्याणकारी, लाभार्थीपरक, रोजगारोन्मुख योजनाओं तथा अवस्थापना एवं विकास परियोजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराए। जनता से जुड़े कृषि, पशुपालन एवं सभी विभाग ब्लॉक स्तर पर समेकित गोष्ठी आयोजित कर जनमानस को योजनाओं की जानकारी दें। प्रधान, आमजन की प्रतिभाग भी सुनिश्चित करें। जल निगम के अफसर पाइपलाइन डालने के बाद क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत में गुणवत्ता सुनिश्चित कराए। जनप्रतिनिधियों का क्लीयरेंस भी अवश्य लें। मुझे खुशी है कि जिले में मुख्यमंत्री और शासन की मंशानुरूप पात्रों को योजनाओं का लाभ देकर समृद्ध बनाया जा रहा। इसे और अच्छे से क्रियान्वित कराए। विभागीय अधिकारी टीम भावना से काम करें और सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

योजनाओं की समीक्षा के दौरान डीसी मनरेगा ने बताया कि 65.23 लाख मानव दिवस लक्ष्य के सापेक्ष 60.90 लाख मानव दिवस की पूर्ति करते हुए 93.36 प्रतिशत की उपलब्धि है। 345 अमृतसरोवर, 08 स्टेडियम 33 खेल मैदान पूरे कर लिए गए हैं। 1153 बाउंड्रीविहीन विद्यालयों में से 732 को पूर्ण किया गया है। पीडी एसएन चौरसिया ने बताया कि पीएम और सीएम आवास योजना में लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत स्वीकृति मिलने के साथ.साथ निर्माण कार्य शीघ्रता से कराया जा रहा है। डीएम के निर्देश पर महिला कल्याण विभाग की वेबसाइट से निराश्रित महिलाओं की सूची लेकर सत्यापनोपरांत सभी पात्र महिलाओं को आवास योजना से लाभान्वित किया गया। बीएसए ने ऑपरेशन कायाकल्पए कस्तूरबा विद्यालय की ऊंचीकरण की प्रगति बताई। सीडीओ अभिषेक कुमार ने बताया कि गतवर्ष निपुण में जिले की रैंकिंग 72 थी, जिले पर आयोजित उन्मुखीकरण कार्यशाला एवं अन्य प्रयासों से इस वर्ष 24वे स्थान पर आ गई। आगामी वर्ष में टॉप फाइव में आने को युद्ध स्तर पर जारी है।

डीडी कृषि अरविंद मोहन मिश्र ने जिले के 05 लाख 53 हजार 347 किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 221.41 करोड़ की धनराशि अंतरित की जा चुकी है। नेशनल मिशन ऑन ऑयल सीड के तहत 4161 कृषकों को 50 प्रतिशत अनुदान पर बीज एवं कृषि यंत्र प्रदान किया गया। कृषि यंत्रीकरण में 178 कृषकों को लाभान्वित किया गया। सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने जननी सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम, टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति बताई। उन्होंने बताया कि 10.6 लाख गोल्डन कार्ड बन चुके हैं। जिले की 81 फीसदी परिवारों में कम से कम एक गोल्डन कार्ड भी बनाया चुका है।

एआर कोऑपरेटिव ने बताया कि जिले में 132 बी पैक्स संचालित है। 24 नए बीपैक्स बनने हैं, जिनमें से 10 नए बी पैक्स बन चुके हैं, जो प्रदेश में प्रथम है। विश्व अन्न भंडारण योजना के तहत 1000 एमटी के पांच बी पैक्स के चयन किए गए है। जल्द ही आठ बी पैक्स जन औषधि केंद्र संचालित करेंगे, जिनके जरिए जेनेरिक, ऑनलाइन ओपीडी, पैथोलॉजी, ओरल स्क्रीनिंग आदि की सुविधा दी जाएगी। 116 बी पैक्स द्वारा जन सुविधा केंद्र संचालित हैं। प्रभारी मंत्री ने विभिन्न विभागों के अफसर से उनके विभाग में क्रियान्वित सरकारी योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली एवं जरूरी दिशा निर्देश दिए। सांसद उत्कर्ष वर्मा, आनंद भदौरिया एवं समिति के अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि जो भी जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सुझाव प्राप्त हुए हैं उन पर अमल किया जाए। अंत में सीडीओ अभिषेक कुमार ने प्रभारी मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधियों एवं समिति के सदस्यों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

बोले नए वर्ष में नए जोश से काम करें अफसर

अग्रवाल ने मौजूद अफसर एवं जनप्रतिनिधियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। नए जोश के साथ काम करके सभी योजनाओं का टारगेट को पूरा करें। पूरा प्रयास करते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों और कार्यक्रमों का लाभ सीधे जनता तक पहुंचे।

महाकुंभ के लिए विशेष बसों का कराए प्रबंध: प्रभारी मंत्री

प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के लिए परिवहन सुविधा को व्यवस्थित और बेहतर बनाया जाए। जनपद वासियों के लिए कुंभ जाने हेतु बसों की पर्याप्त व्यवस्था होए इसकी जिला प्रशासन परिवहन महकमे के साथ स्वयं समीक्षा करें।

प्रभारी मंत्री ने योजनाओं की सौगातें, खिले चेहरे

प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने जिला योजना समिति की बैठक से पूर्व मौजूद जनप्रतिनिधियों, अफसरों संग पीएम वय वंदन योजना के 70 वर्ष से अधिक उम्र के 10 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए। एनआरएलएम के तहत जिले के स्वयं सहायता समूहो को 05 करोड़ 06 लाख 40 हजार का आरएफ और सीआईएफ का डेमो, चार करोड़ 05 लाख का सीसीएल (कैश क्रेडिट लिमिट) का डेमो चेक प्रदान किया।

ट्रकों की भिड़ंत में चालक की मौत खलासी घायल

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-2 पर ट्रकों की भिड़ंत में एक ट्रक चालक व उसका खलासी घायल हो गया। घायल अवस्था में दोनों के इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने चालक को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार कानपुर नगर जनपद के बिल्हौर थाना क्षेत्र के बदनपुर निवादा गांव निवासी स्वर्गीय राज पाल का 22 वर्षीय पुत्र अमन कुमार जो ट्रक चालक था। वह ट्रक लेकर कानपुर से प्रयागराज के लिए जा रहा था तभी मलवां थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 2 पर दूसरी ट्रक से उसकी भिड़ंत हो गई, जिसमें ट्रक चालक अमन कुमार व उसका खलासी दोनों घायल हो गए। जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टर ने जांच के उपरांत अमन को मृत घोषित करते हुए खलासी का इलाज कर रहे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

न्यायिक अधिकारियों ने कारागार का किया निरीक्षण

● जेल में निरूद्ध बंदियों की समस्याओं का कराया समाधान

संवाददाता। फतेहपुर

अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष के अनुपालन में जिला कारागार में निरूद्ध बंदियों के अधिकारो एवं उनकी समस्या से संबंधित निपटान हेतु जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव अजय सिंह-प्रथम व जेल अधीक्षक प्रमोद कुमार त्रिपाठी, जेलर अनिल कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव अजय सिंह प्रथम ने जिला कारागार में निरीक्षण के दौरान स्थापित लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण किया। लीगल एड क्लीनिक में कार्यरत पीएलवी/अधिकार मित्र से बंदियों के प्रार्थना पत्रो से संबंधित रजिस्टर का अवलोकन किया। इसके साथ-साथ लीगल एड डिफेन्स काउंसिल/न्याय रक्षकगणों द्वारा बन्दियो को नि:शुल्क विधिक सहायता संबंधित जानकारी प्रदान की। जिला कारागार में बने पाकशाला का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त महिला बैरक का निरीक्षण कर उनके विधिक अधिकारों के विषय पर जागरूक करते हुए बताया कि प्रत्येक बंदी को कानून में विभिन्न प्रकार के विधिक अधिकार प्राप्त है। किसी बंदी के पास अधिवक्ता नहीं होता है तो जेल अधीक्षक के माध्यम से कार्यालय जिला विधिक सेवा को नि:शुल्क अधिवक्ता प्राप्त करने का प्रार्थना पत्र दे सकते हैं। प्रत्येक बंदी को अपने घर वालों से मुलाकात करने का अधिकार, पढ़ने का अधिकार, फोन पर अपने परिजनों से बात करने का अधिकार, इलाज करायें जाने के अधिकारो से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गयी। इसके अतिरिक्त जेल दाखिलों के समय बने कालम में भी कैदियो की जाति की कोई पृविष्ट नही पायी गई।

नगर भ्रमण कर महाकुंभ का देंगे न्यौता बाटेंगे आमंत्रण पत्र के साथ गंगाजल

फतेहपुर। महाकुंभ की तैयारी को लेकर गंगा बचाओ सेवा समिति, नमामि गंगे एवं गायत्री परिवार की संयुक्त बैठक गायत्री मंदिर हरिहरगंज में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए गंगा बचाओ सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र शरण सिंपल ने कहा कि 14 जनवरी से महाकुंभ पर्व प्रारंभ हो रहा है। भारतीय संस्कृति में महाकुंभ का विशेष धार्मिक महत्व है। इस महापर्व का देश-विदेश के सनातनियों को काफी इंतजार रहता है। महाकुंभ में जनपद फतेहपुर से भी इस पर्व में अधिक से अधिक लोग सम्मिलित हो इसके लिए समिति घर-घर जाकर आमंत्रण पत्र के साथ गंगाजल देकर महाकुंभ जाने के लिए न्यौता देने का कार्य करेगी। बैठक का संचालन करते हुए प्रदेश महामंत्री विनोद कुमार गुप्ता ने कहा कि आगामी 12 जनवरी को राधा वाटिका से नगर भ्रमण होगा। यात्रा को राधा वाटिका से आयाह शाह विधायक विकास गुप्ता हरी झंडी देकर रवाना करेंगे। यात्रा बाकरगंज, रोडवेज बस स्टॉप, कटरा अब्दुल गनी, कोतवाली रोड होते हुए चौक पीलू तले चौराहा, मुराइन टोला, पटेल नगर, आईटीआई, शिव मंदिर कलेक्टर गंज, हरिहरगंज होते हुए देवीगंज, राधा नगर मार्ग में घर-घर जाकर आमंत्रण पत्र के साथ गंगाजल देकर महाकुंभ में जाने का निवेदन के साथ न्यौता दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का न्यौता देने के लिए गायत्री परिवार, अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद ,व्यापार मंडल, जिला अपराध निरोधक समिति सहित सामाजिक संगठन एवं समाजसेवी लोगों को जोड़ा जाएगा । बैठक में मुख्य रूप से गायत्री परिवार के राजदीश यादव, गिरधारी लाल गुप्ता, रविंद्र सिंह, अ.भा. वैश्य एकता परिषद के जिलाध्यक्ष अरुण जायसवाल, रामस्वरूप गुप्ता, आशा यादव, सावित्री शर्मा, वेद प्रकाश गुप्ता, सुरेंद्र पाठक आदि मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

पुलिस मुठभेड़ में अंतर्जनपदीय शातिर अपराधी गिरफ्तार

फतेहपुर। औंग थाना पुलिस ने ग्राम करचरपुर के समीप चेकिंग के दौरान मुठभेड़ में एक अंतर्जनपदीय शातिर अपराधी के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस टीम ने उसके पास से तमंचा-कारतूस व एक बाइक बरामद की। अभियुक्त को गिरफ्तार करके नजदीकी अस्पताल में उपचार कराया। पुलिस ने उसके खिलाफसुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई की है। औंग थाना पुलिस बुधवार की रात ग्राम करचरपुर के पास चेकिंग कर रही थी। तभी सामने से बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया। संदिग्ध प्रतीत होने पर उसे रोकने का प्रयास किया तो तेजी से गाड़ी वापस मोड़कर भागने का प्रयास किया। करचरपुर से मिताई खेड़ा पुरवा जाने वाली रोड बहदग्राम करचरपुर के पास फिसल कर बाइक सहित गिर पड़ा। अपने आपको घिरता देख पुलिस की तरफ लक्ष्य कर फायरिंग करने लगा। आत्मरक्षार्थ पुलिस टीम ने की गई फायरिंग में अभियुक्त अमित उर्फ टेनी पुत्र अच्छे लाल वर्मा निवासी डिघरूवा थाना जाफरगंज के दाहिने पैर में गोली लगने से घायल हो गया। घायल अभियुक्त को पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर इलाज हेतु सीएचसी कल्यानपुर ले जाया गया।

पिकअप की टक्कर में पिकअप चालक की मौत

रसूलाबाद कानपुर देहात। सलेमपुर महेरा में ट्रैक्टर और दूध डेयरी की पिकअप की टक्कर में पिकअप चालक की मौत हो गई। घटना से परिजनों का रो.रोकर बुरा हाल था। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना क्षेत्र के हीकेपुर ग्राम पंचायत का मुजरा गड़रियन पुरवा निवासी मोहित कुमार 21 पुत्र बलराम सिंह पाल प्रतिदिन की भांति दूध कलेक्शन के डिब्बो को लेने के लिए पिकअप लेकर भिंडाकुआं की तरफजा रहा था तभी आगे चल रहे ट्रैक्टर से उसकी भिड़ंत हो गई। जिससे पिकअप परखच्चे उड़ गए और पिकअप पलट गई। ट्रैक्टर भी पलट गया। इस दौरान चपेट में आने से पिकअप चालक मोहित कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई परिजन उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रसूलाबाद ले गए लेकिन डॉक्टरों ने उसे वहां मृत घोषित कर दिया। करीब 8 वर्ष पहले मृतक के भाई दीपक का भी हादसे में निधन हो गया था। इसके साथ ही उसका एक बड़ा भाई रमनजीत व दो बहनें सिरोमन व स्नेहलता है। मौर श्री का रो.रोकर बुरा हाल था। मामले में पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

बाइक सवार पंचायत सहायक को पिकअप ने मारी टक्कर, मौत

संडीला (हरदोई)। तेज़ रफ़्तार पिकअप की चपेट में आकर पंचायत सहायक की दुखद मौत हो गयी। मिली जानकारी के अनुसार थाना अतरौली के अंतर्गत नई गढ़ी निवासी वैभव अवस्थी ग्राम पंचायज जाजूपुर में पंचायत सहायक के पद पर कार्यरत था। वह अपनी ससुराल ग्राम सदना जनपद सीतापुर से अपने बहनोई प्रेमसागर के साथ घर वापस लौट रहा था। जब वह मिश्रिख मार्ग पर ग्राम सरवा के पास पहुंचा तो पीछे से आ रहे तेज़ रफ़्तार पिकअप ने टक्कर मार दीए जिससे वैभव की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि उसका बहनोई प्रेमसागर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे गंभीर अवस्था में पहले सीएचसी लाया गया जहां से उसे ट्रॉमासेंटर भेज दिया गया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्ज़े में लेकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

गुरू समेत तीन आरोपितों को उम्रकैद, जुर्माना

हमीरपुर। गुरू के द्वारा घर बुलाकर शिष्य की साथियों के साथ मिलकर की गई हत्या के मामले में गुरुवार को विशेष न्यायाधीश ;डकैती अनिल कुमार खरवार की अदालत ने तीनों हत्यारोपितों को आजीवन कारावास व पांच.पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनायी है। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता मणिकर्ण शुक्ल व सहायक शासकीय अधिवक्ता अशोक कुमार शुक्ल ने बताया कि 17 अगस्त 2017 को सुमेरपुर थाने में कुशरा थाना के पतारा निवासी हाल मुकाम चांदथोक सुमेरपुर निवासी जीतेंद्र कुमार ने तहरीर देकर बताया कि उसके पिता घनश्याम 15 अगस्त को सुबह उनके गुरू सुंदरलाल कुशवाहा के बुलाने पर बांक गांव गए थे। जहां से उन्होंने शाम को फोन पर बताया कि वह सुबह लौट आएंगे। लेकिन वह वापस नहीं लौटे और उनका फोन बंद आने लगा। 17 अगस्त की दोपहर 12 बजे सूचना मिली कि बांक गांव में सुंदरलाल कुशवाहा के मकान के बगल की बारी में उसके पिता घनश्याम का शव पड़ा है। सूचना पर वह व उसकी मां मौके पर पहुंचे उनके पिता के गले में चोट के निशान है। सुंदरलाल ने अपने साथियों के साथ मिलकर पिता की हत्या की है। जिस पर पुलिस ने सुंदरलाल कुशवाहा उर्फसद्गुरुदेव रामकिशोर प्रजापति निवासी माधवगंज पन्ना व प्यारेलाल प्रजापति निवासी लालथोक अतर्रा के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया। गुरुवार को मुकदमे की सुनवाई करते हुए विशेष न्यायाधीश डकैती अनिल कुमार खरवार ने तीनों को हत्या का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास व पांच.पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

डिप्थीरिया रोगी मिलने से हड़कंप

संडीला (हरदोई)। वायरस से फ़ैलने वाले रोग डिप्थीरिया से एक 14 वर्षीय बालक जांच के बाद डिप्थीरिया पॉज़िटिव पाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम ककराली निवासी आलोक चन्द्र मौर्य का 14 वर्षीय पुत्र पीयूष कुमार मौर्य कुछ समय से खांसी और गले में दर्द की समस्या से पीड़ित था। इस बालक को जब ले जाकर लखनऊ में किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज में दिखाया गया तो जांच के बाद यह बालक डिप्थीरिया पॉज़िटिव पाया गया। डिप्थीरिया के संबंध में ग्राम निवासी सेवा निवृत्त हेल्थ इंस्पेक्टर आरएस मौर्य ने बताया कि यह रोग वायरस के कारण फ़ैलता है और इसके कारण गले में संक्रमण शुरू होता है और फ़िर गले में रोगी के एक झिल्ली बन जाती है जिसके कारण पीड़ित व्यक्ति न तो खाना खा सकता है और न पानी पी सकता है। बच्चों को डीपीपी का टीका लगाया जाता हैए लेकिन इस टीकाकरण के बावजूद भी यह बालक डिप्थीरिया पॉज़िटिव पाया गया है।

समधन में शुक्रवार को बाजार बंदी रखने की उठाई गई मांग

● व्यापारियों ने नगर पंचायत अधिसाषी अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

समधन में बंद पड़ी दुकानें।

गुरसहायगंज, कन्नौज। क्षेत्र के कस्वा समधन नगर पंचायत के दुकानदारों ने एक बैठक कर अधिसाषी अधिकारी को एक लिखित प्रार्थना-पत्र देकर समधन में हर शुक्रवार को बाजार बन्दी रखने की मांग की गई है। समधन नगर के दुकानदारों ने अपनी अपनी दुकानें बंद की और एकत्र होकर एक बैठक आयोजित की जिसमें दुकानदारों ने सर्व सम्मति से सप्ताह में एक दिन शुक्रवार को समधन बाजार बन्दी रखने की मांग उठाते हुऐ एक लिखित प्रार्थना पत्र नगर पंचायत कार्यालय पहुंचकर अधिशासी अधिकारी सुनील कुमार सिंह को दिया गया है। वहीं अधिशासी अधिकारी सुनील कुमार सिंह का कहना है कि बाजार बन्दी करना हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। वहां दुकानदारों की साप्ताहिक बन्दी वाले मामले को उच्चाधिकारियों को अवगत करायेंगे। इस अवसर पर अच्छन खां, मजरुदीन, मोहसिन, मुईद, शकील, नूरआलम, शमीम, इस्लाम, इमरान, जकील, फैजान, दानिश, अनस, फैज, सुहेल, जुबैर, निहाल, सलमान, अमन, शीबू, सलीम, एहतशाम सहित दो दर्जन से अधिक लोग मौजूद रहे।

आवास से वंचित पात्र गिरे आसियाने में रहने को मजबूर

● तीन वर्षों से पात्र महिला लगा रही अधिकारियों की परिक्रमा

संवाददाता। गुरसहायगंज (कन्नौज)

विगत तीन वर्ष पूर्व देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी आवास योजना के आवंटन में बडे पैमानें पर हुई धांधली की जांच व कार्रवाई न होने से जहां अपात्रों के हौसले बुलंद है तो वही कई पात्र आज भी योजना के लाभ से वंचित होकर मायूस हैं। वहीं उच्चाधिकारी सारे मामले को जानकर भी मूकदर्शक बनें हुये हैं।

विगत वर्ष रविवार की शाम नगर के मोहल्ला रामगंज में प्रधानमंत्री आवास योजना की पात्र सुनीता देवी पत्नी उमेश चन्द्र के मकान की छत अचानक भर-भरा कर गिर पडी थी। हालाकि कोई जान माल की हानि नही हुई थी। तब से आज तक यह गरीब परिवार गर्मी, बरसात, सर्दी में तिरपाल तानकर अपना जीवन व्यतीत कर रहा है। पात्र महिला सुनीता देवी नें बताया कि उसे व उसकी छोटी-छोटी दो बेटियों व पुत्र का भरण पोषण उसके पति मजदूरी करके करते हैं। सुविधा शुल्क न दे पाने के कारण वह विगत तीन वर्षो से आवास योजना एवं राशनकार्ड का लाभ लेने के लिये पालिका कार्यालय, सभासद कार्यालय से लेकर तहसील कार्यालय तक अधिकारियों के चक्कर लगाकर थक चुकी है। महिला ने बताया कि विगत वर्ष पूर्व पालिका की जॉच टीम द्वारा उनकी जॉच की गई थी और

08 दिसम्बर 2024 को गिरी छत की फोटो।

जल्द ही आवास योजना का लाभ दिलाये जाने का आश्वासन भी दिया गया है। लेकिन आश्वासन के अलाबा आज तक उसे आवास योजना एवं राशन कार्ड का लाभ नही मिल सका है।

खाद्य आयुक्त ने डीएसओ के खिलाफ जांच कर कार्यवाही करने के दिये आदेश

● कलौलीजार के कोटेदार ने डीएसओ की करतूत को शासन को कराया था अवगत, कोटेदारों में दहशत

संवाददाता। हमीरपुर

सुमेरपुर ब्लाक के कलौलीजार के कोटेदार ने जिलापूर्ति अधिकारी (डीएसओ) द्वारा की जा रही भारी धांधली की शिकायत शासन से की है। इस पर खाद्य आयुक्त ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर जांच कर कार्यवाही करने के आदेश दिये है। जानकारी के मुताबिक डीएसओ वृजेश कुमार शुक्ला ने जब से कार्यभार संभाला तब से विभाग में कोई न कोई विवाद होता रहता है। कलौलीजारर के कोटेदार श्रीपाल वर्मा ने शासन को बताया कि ग्राम रीवन, चंदौलीजार, विलगाव आदि राशन दुकानों को विना किसी शिकायत के ही राशन की दुकान निलंबित व बहाल की गयी है। ग्राम गढा, बंगरा, भेड़ी की दुकानों में गंभीर कमिया था स्टाक में अनाज कम था मगर केवल निंलबित किया गया जबकि इन दुकान संचालकों के खिलाफ रिपोर्ट होनी चाहिये थी। यही नही इटैलियाबाजा, चिल्ली के राशन डीलरो की जांच में पायी गयी कमियों में कोई कार्यवाही नही की गयी है जांच को दबा लिया गया है। कलौलीजार, सुमेरपुर नगर, बहदीना, बसवारी की कोटेदारों की दुकाने साजिश के तहत अटैच कर लंबें समय तक चलायी जा रही है जो नियम के विरुद्ध है।

ग्राम कलौलीजार की दुकान को नियम विरुद्ध जांच कर निरस्त कर दिया गया है। निरस्त आदेश तीन माह बाद दिया गया ताकि राशनदुकानदार कोर्ट न जा सके। शासन से शिकायत की गयी है कि विभाग मेंकई प्रायवेट लोग काम कर रहे है उन्ही के द्वारा धन उगाही करायी जाती है। जिन दुकानों पर कार्यवाही की गयी है उन पर शासनादेश का उल्लंघन किया गया है कई दुकानों से प्रतिपूर्ति राशि जब्त कर ली गयी है जो नियम के खिलाफ है। पीड़ित ने सीएम को भेजे गये पत्र में कहा है कि इसके पहले डीएसओ कई जिलों में रहकर धांधली की है और कार्यवाही हुई है वही हमीरपुर में रहकर धांधली कर रहे है जिससे सभी कोटेदार काम नही कर पा रहे है.यही कारण है राशन वितरण व्यवस्था गड़बड़ा जाती है जिससे जिम्मेदार डीएसओ है। इस मामले को खाद्य आयुक्त ने गंभीरता से लेते हुये जिलाधिकारी को पत्र लिखकर जांच कर कार्यवाही करने को कहा है। बताया जाता है कि इसके पहले भी डीएसओ के खिलाफ कई शिकायते हो चुकी है।

कैण्डिल मार्च निकाल कर फूंका नक्सलवाद का पुतला

कानपुर देहात। रूरा कस्बे के भटौली गॉव से मुख्य तिराहे तक पिछले दिनों छत्तीसगढ में शहीद हुये अर्धसैनिक बलों को श्रद्धॉजलि अर्पित करने के लिये मौन कैण्डिल मार्च निकाला गया, मुख्य तिराहे पर नक्सलवाद व आतॅकवाद का पुतला फूॅक कर जोश व उत्साह के साथ देशभक्ति के नारे लगाये गये। समाजसेवी सेवानिवृत्त शिक्षक रामऔतार दीक्षित, सेवानिवृत्त फौजी कैप्टन जगरूप सिंह यादव, कैप्टन रविन्द्र कुमार शुक्ला सहित सैकडों लोगों ने भटौली पुलिया के पास से पैदल कैण्डिल मार्च निकाला। पैदल कैण्डल मार्च का समापन रूरा मुख्य तिराहे पर किया गया, वहॉ पुल के नीचे नक्सलवाद व आतॅकवाद के प्रतीक का पुतला फूॅका गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने शहीद हुये अर्धसैनिक बलों के जवानों व गुजरात में शहीद हुये पायलट को दो मिनट मौन रखकर श्रद्धॉजलि अर्पित की गयी, भारत माता की जय, शहीद अमर रहें सहित देशभक्ति के नारों से माहौल ऊर्जा से भर गया। इस दौरान प्रमुख रूप से प्रदीप पालीवाल, उदयवीर जादौन, ओमजी बाजपेई, अमित तिवारी फौजी, सॅजय द्विवेदी, आशुतोष मिश्रा सभासद, रिजवान, प्रकाश फर्नीचर, मनीष पाण्डेय फौजी, रामबाबू शिक्षक सहित सैकडों की सॅख्या में लोग मौजूद रहे।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में पात्र निर्माण श्रमिकों के बालक एवं बालिकाओं के प्रवेश परीक्षा के संबंध मे हुई बैठक

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह के निर्देशन में 09.02.2025 को अटल आवासीय विद्यालय ग्राम रामपुर नरूआ बिल्हौर कानपुर नगर में शैक्षणिक सत्र 2025.26 में पात्र निर्माण श्रमिकों के बालक एवं बालिकाओं के प्रवेश परीक्षा के सम्बन्ध में मुख्य विकास अधिकरी लक्ष्मी एन नोडल अधिकारी परीक्षा संचालन समिति जनपद कानपुर देहात की अध्यक्षता परीक्षा संचालन समिति की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समिति के सदस्यों को अधिक से अधिक से आवेदन प्राप्त करने के निर्देश दिए गए मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सहायक श्रमायुक्तए कानपुर देहात को निर्देश दिए गये कि वह सम्बन्धित विभागों से समन्वय करते हुए पात्र निर्माण श्रमिकों के आवेदन प्राप्त करें। डीसी गनरेगा, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी, जनपद कानपुर देहात को भी निर्देशित किया गया कि यह विभागों एवं जनपद में संचालित विद्यालयों में प्रचार प्रसार कराकर पात्र अभ्यर्थियों का दिनांक 22ण्01ण्2025 तक आवेदन अवश्य प्राप्त कर लें। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा अटल आवासीय विद्यालय ग्राम रामपुर नरूआ बिल्हौर कानपुर नगर के संबंध में तथा दिनांक 16.02.2025 को आयोजित परीक्षा के संबंध में विस्तार से बताया गया कि अटल आवासीय विद्यालय सीबीएससी पैटर्न पर आधारित शिक्षण संस्थान है, जिसमे बालक ध् बालिकाओं के लिए पृथक पृथक छात्रावास उपलब्ध हैं। नि:शुल्क शिक्षा, यूनिफार्म, पाठ्य पुस्तकें भोजन एवं आवास की सुविधा है। विद्यालय सुरक्षित खेल सुविधाओं एवं हरियाली से परिपूर्ण है। अटल आवासीय विद्यालय ग्राम रामपुर नरूआ बिल्हौर कानपुर नगर में कक्षा 06 में 140 सीटों (70 छात्र एवं 70 छात्राओं) व कक्षा 09 में 140 सीटों (70 छात्र व 70 छात्राओं) के प्रवेश हेतु पात्र अभ्यार्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये है।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 10 जनवरी 2025

प्रधानमंत्री ने 10 हजार भारतीय नागरिकों का जीनोम अनुक्रमण डेटा जारी किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को 10,000 भारतीय नागरिकों का जीनोम अनुक्रमण डेटा जारी किया और कहा कि यह जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगा। जीनोम इंडिया डेटा देश में आनुवंशिक विविधता का प्रतिनिधित्व करता है। भारतीय जैविक डेटा केंद्र (आईबीडीसी) के शोधकर्ताओं को यह प्रबंधित पहुंच के माध्यम से उपलब्ध होगा। जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित जीनोमिक्स डेटा सम्मेलन में मोदी ने एक वीडियो संदेश में कहा, मुझे खुशी है कि देश के 20 से ज्यादा शोध संस्थानों ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। इस परियोजना का डेटा 10 हजार भारतीयों का जीनोम सिक्वेंस अब इंडिया बायोलॉजिकल डेटा सेंटर में उपलब्ध है। मुझे विश्वास है कि बायो-टेक्नोलॉजी शोध के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगा। मोदी ने कहा कि आईआईटी, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र (ब्रिक) जैसे 20 से भी ज्यादा प्रसिद्ध अनुसंधान संस्थानों ने इस शोध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, आज भारत ने शोध की दुनिया में बहुत ही ऐतिहासिक कदम उठाया है। पांच साल पहले जीनोम इंडिया परियोजना को स्वीकृत किया गया था। इस बीच कोविड की चुनौतियों के बावजूद हमारे वैज्ञानिकों ने बहुत मेहनत से इस परियोजना को पूरा किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस राष्ट्रीय डेटाबेस में देश के असाधारण आनुवंशिक परिदृश्य को समाहित किया गया है और यह एक अमूल्य वैज्ञानिक संसाधन के रूप में काम करने का वादा करता है। उन्होंने कहा, यह आनुवांशिक और संक्रामक रोगों के उपचार में प्रगति की सुविधा प्रदान करेगा, नई दवाओं और सटीक चिकित्सा तकनीकों के विकास को बढ़ावा देगा और विविध समुदायों की जीवनशैली तथा आदतों में अनुसंधान को सक्षम करेगा। इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेन्द्र सिंह, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक एवं स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव राजीव बहल और जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव राजेश एस गोखले उपस्थित थे।

कैंसर से लड़ने के लिए शीघ्र जांच-पड़ताल व उपचार की भूमिका होती है बेहद महत्वपूर्ण

मुरादाबाद। कैंसर देखभाल एवं अनुसंधान क्षेत्र के अग्रणी संस्थान राजीव गांधी कैंसर इंस्टिट्यूट - रिसर्च सेंटर ने देश पर कैंसर के बढ़ते भार के खिलाफप्रयासों को तीव्र करते हुए इंडियन मेडिकल एसोसिएशनए मुरादाबाद और सीजीपीऐ मुरादाबाद के साथ मिलकर एक सतत शिक्षा कार्यक्रम ;सीएमईद्ध का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य हैल्थकेयर पेशवरों को शुरूआती लक्षणों के माध्यम से कैंसर की जांच.पड़ताल और पहचान में संयुक्त प्रयासों के महत्व के बारे में शिक्षित करना था।इस अवसर पर डॉ. शुभम जैन, सीनियर कंसल्टैंट एवं यूनिट हैड. सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, आरजीसीआईआरसी ने लक्षणों की पहचान कैंसर की जांच.पड़ताल में आम गलतियों को कैसे दूर करें और डॉ. कपिल गोयल कंसल्टैंट . मेडिकल ऑन्कोलॉजीए आरजीसीआईआरसीए ने इम्यूनोथेरैपी कैंसर उपचार का जादुई तरीका विषयों पर गहन जानकारी दी। डब्यूएचओ के अनुसार वर्ष 2022 में ही ब्रैस्ट कैंसर के 1.41 मिलियन मामले रिपोर्ट हुए थे। युवाओं में कैंसर के बढ़ते मामलों के मद्देनजर विशेषज्ञ इस बीमारी से प्रभावी तरीके से लड़ने के लिए शीघ्र जांच.पड़ताल और उपचार की भूमिका को काफी महत्वपूर्ण मानते हैं।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए

रायपुर, सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में बृहस्पतिवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए। राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने यह जानकारी दी।शर्मा ने कहा कि सुकमा में नक्सल रोधी अभियान में सुरक्षाबलों को सफलता मिली है। उन्होंने रायपुर में संवाददाताओं को बताया कि अब तक तीन नक्सलियों के शव बरामद हो चुके है और तलाश अभियान अब भी जारी है। शर्मा के पास गृह विभाग भी है। छह जनवरी को बीजापुर जिले में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट का जिक्र करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, नक्सलियों ने जो किया उसके बाद सुरक्षाबलों में भारी गुस्सा है। नक्सलियों द्वारा किए गए इस आईईडी विस्फोट में आठ सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे और उनके वाहन के चालक की भी मौत हो गई थी। शर्मा ने कहा, मैंने उनसे (सुरक्षाबलों से) मुलाकात की है। मैं दोहराता हूं कि हमारे जवानों की शक्ति और साहस से (नक्सल) खतरे को निर्धारित समय के भीतर खत्म कर दिया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को यह संकल्प दोहराया था कि मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा था कि छत्तीसगढ़ में नक्सली हमले में जान गंवाने वाले लोगों का बलिदान व्यर्थ नही जाएगा।

पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम जी महाराज से मिले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ गुरुवार को दो दिवसीय कार्यक्रम के लिए प्रयागराज पहुंचे। जहां पर उन्होंने अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम जी महाराज से मुलाकात की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सेक्टर 15 स्थित चरखी दादरी आश्रम हरियाणा में पहुंचे और महाराज जी से कुशलक्षेम जान। इसके बाद महाकुंभ के तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज ने महाकुंभ की तैयारियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सरकार और अधिकारियों को बधाई दिया। कहा कि महाकुंभ मेले की सभी तैयारियां समय से पूरी हो रही हैं। उन्होंने बताया कि बिजली पानी सहित अन्य व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं। सुरक्षा को लेकर अफसर बहुत गंभीर हैं। इस दौरान सूबे के सीएम योगी आदित्यनाथ महाराज चरखी दादरी आश्रम हरियाणा में करीब आधे घंटे रहे। उन्होंने शिविर की तैयारियों और व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि शिविर बहुत व्यवस्थित तरीके से लगाया गया है। इस दौरान प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी विधायक पूजा पाल मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह डीजीपी प्रशांत कुमार पुलिस आयुक्त तरुण गाबा मेलाधिकारी विजय किरन आनंद डीआईजी महाकुंभ वैभव कृष्ण एसएसपी महाकुंभ राजेश द्विवेदी सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

आरक्षण के दायरे से किसी को बाहर करने के बारे में फैसला लेना विधायिका और कार्यपालिका का काम

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि कार्यपालिका और विधायिका यह तय करेंगे कि क्या उन लोगों को आरक्षण के दायरे से बाहर रखा जाए, जो कोटे का लाभ ले चुके हैं और दूसरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में हैं। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने पिछले साल अगस्त में शीर्ष अदालत की सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ के फैसले का हवाला देते हुए एक याचिका पर यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, हमारा विचार है कि पिछले 75 वर्षों को ध्यान में रखते हुए, ऐसे व्यक्ति जो पहले से ही लाभ उठा चुके हैं और दूसरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में हैं, उन्हें आरक्षण से बाहर रखा जाना चाहिए। लेकिन इस बारे में निर्णय कार्यपालिका और विधायिका को लेना है। संविधान पीठ ने बहुमत से फैसले में कहा था कि राज्यों को अनुसूचित जातियों (एससी) के अंदर उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है ताकि उनमें सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अधिक पिछड़ी जातियों को उत्थान के लिए आरक्षण दिया जा सके। संविधान पीठ का हिस्सा रहे और एक अलग फैसला लिखने वाले न्यायमूर्ति गवई ने कहा था कि राज्यों को अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के बीच 'क्रीमी लेयर' की पहचान करने और उन्हें आरक्षण का लाभ देने से इनकार करने के लिए एक नीति बनानी चाहिए। बृहस्पतिवार को याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले का हवाला दिया, जिसमें ऐसे 'क्रीमी लेयर' की पहचान करने के लिए नीति बनाने को कहा गया था। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि उच्चतम न्यायालय का विचार है कि उप-वर्गीकरण स्वीकार्य है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि संविधान पीठ की ओर से राज्यों को नीति तैयार करने का निर्देश दिए हुए लगभग छह महीने बीत चुके हैं। पीठ ने कहा, हम इस पर सुनवाई के इच्छुक नहीं हैं। जब वकील ने याचिका वापस लेने और इस मुद्दे पर निर्णय ले सकने वाले संबंधित प्राधिकारी के समक्ष अभ्यावेदन दायर करने की अनुमति मांगी तो अदालत ने इजाजत दे दी। वकील ने कहा कि राज्य नीति नहीं बनाएंगे और अंततः शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ेगा तो इस पर अदालत ने कहा, सांसद हैं न। सांसद कानून बना सकते हैं।पिछले वर्ष एक अगस्त को उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में स्पष्ट कहा था कि राज्य पिछड़ेपन और सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व के मात्रात्मक व प्रमाणित आंकड़ों के आधार पर उप-वर्गीकरण करें, न कि मनमाने तरीकों और राजनीतिक लाभ के आधार पर। सात न्यायाधीशों की पीठ ने 6:1 के बहुमत से ई.वी. चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश राज्य मामले में उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायाधीशों की पीठ के 2004 के फैसले को खारिज कर दिया था, जिसमें कहा गया था कि अनुसूचित जातियों का कोई उप-वर्गीकरण नहीं किया जा सकता क्योंकि वे स्वयं एक समरूप वर्ग हैं।

माता-पिता को बेटी की शिक्षा के लिए धन देने के वास्ते बाध्य किया जा सकता है: न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में कहा है कि बेटी को अपने माता-पिता से शिक्षा का खर्च प्राप्त करने का वैध अधिकार है और उन्हे (माता-पिता) अपने साधनो के भीतर आवश्यक धनराशि प्रदान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने यह टिप्पणी वैवाहिक विवाद के एक मामले में की, जिसमें अलग रह रहे दंपति की बेटी ने अपनी मां को दिए जा रहे कुल गुजारा भत्ते के एक हिस्से के रूप में अपने पिता द्वारा उसकी पढ़ाई के लिए दिए गए 43 लाख रुपए लेने से इनकार कर दिया। दंपति की बेटी आयरलैंड में पढ़ाई कर रही है। पीठ ने दो जनवरी के अपने आदेश में कहा, बेटी होने के नाते उसे अपने माता-पिता से शिक्षा का खर्च प्राप्त करने का अपरिहार्य, कानूनी रूप से लागू करने योग्य और वैध अधिकार है। हमारा मानना है कि बेटी को अपनी शिक्षा जारी रखने का मौलिक अधिकार है और इसके लिए माता-पिता को अपने वित्तीय संसाधनो की सीमा के भीतर आवश्यक धनराशि प्रदान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है। आदेश में कहा गया है कि दंपति की बेटी ने अपनी गरिमा बनाए रखने के लिए राशि लेने से इनकार कर दिया था और उनसे (पिता) पैसे वापस लेने को कहा था, लेकिन उन्होंने (पिता ने) इनकार कर दिया था। अदालत ने कहा कि बेटी कानूनी तौर पर इस राशि की हकदार है। पीठ ने अलग रह रहे दंपति की ओर से 28 नवंबर 2024 को किए गए समझौते का उल्लेख किया, जिस पर बेटी ने भी हस्ताक्षर किए थे। अदालत ने कहा कि पति अपनी अलग रह रही पत्नी और बेटी को कुल 73 लाख रुपए देने पर सहमत हो गया था, जिसमे से 43 लाख रुपए उनकी बेटी की शैक्षणिक जरूरतों के लिए और बाकी पत्नी के लिए थे।

पुस्तक में भारतीयों के इतिहास का विमोचन

प्रयागराज। प्रख्यात लेखिका और शिक्षाविद डॉ रेखा चतुर्वेदी ने अपनी पीएचडी शोध पर आधारित पुस्तक फिज्री में भारतीयों का इतिहास तथा उनका जीवन 1879 1947 का विमोचन प्रवासी भारतीय दिवस के शुभ अवसर पर किया। 18 वें प्रवासी भारतीय दिवस का उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नौ जनवरी को किया जाएगा। गौरतलब है कि डॉ रेखा चतुर्वेदी स्वर्गीय पंडित बनारसी दास चतुर्वेदी राज्यसभा सांसद की पोती हैं। पंडित बनारसी दास चतुर्वेदी ने प्रवासी भारतीयों पर उल्लेखनीय कार्य किया है। डॉ रेखा चतुर्वेदी ने कहा फिज्री में भारतीयों का इतिहास तथा उनका जीवन 1879 1947 भारतीय गिरमिटिया मजदूरों के जीवन और उनके संघर्षों पर गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। साल 2025 के प्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर इस ऐतिहासिक पुस्तक का प्रकाशन भारतीय प्रवासी मजदूरों की दुर्दशा को हाइलाइट करती है। प्रवासी भारतीय दिवस पर इस पुस्तक का विमोचन इसके महत्व को दर्शाता है और साथ ही यह प्रवासी समुदाय के योगदान और संघर्षों को सम्मान देने की एक सार्थक कोशिश है। यह पुस्तक भारतीय प्रवासी समाज के बलिदानों को पहचानने और उनकी कहानियों को आने वाली पीढ़ियों के लिए संजोने का आह्वान भी करती है। यह भारत के औपनिवेशिक इतिहास का एक दर्दनाक और शर्मनाक हिस्सा है।

संभल को पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने पर हो रहा काम

संभल। (भाषा) संभल के जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि संभल को पर्यटन केंद्र के तौर पर विकसित करने का काम किया जा रहा है जिससे इस नगर को एक नई पहचान मिले और पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके। संभल सदर इलाके के पांच तीर्थ स्थल चतुर्मुख कूप, अशोक कूप, चतुर सागर, एकान्ति तीर्थ और शंख माधव का निरीक्षण करने के बाद पेंसिया ने पत्रकारों को बताया कि सामान्य रूप से जितने भी तीर्थ स्थान और कूप हैं वे सभी पवित्र ग्रंथों में दर्ज़ हैं, लेकिन किसी कारणवश उन पर अतिक्रमण हो गया जिन्हें अब मुक्त कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यहां एक तालाब एकान्ति तीर्थ है जिसका मनरेगा के तहत पुनरुद्धार किया जाएगा। पेंसिया ने बताया कि ग्राम क्षेत्र में जितने भी तीर्थ स्थान हैं उन्हें मनरेगा और ग्राम निधि से संरक्षित किया जाएगा, जबकि जो तीर्थ स्थान नगर क्षेत्र में हैं उनका काम नगरपालिका के तहत शासन की योजनाओं और वंदन योजना से कराया जाएगा। जिलाधिकारी के अनुसार फिलहाल चतुर्मुख कूप पर काम हो रहा है। अशोक कूप पर थोड़ा बहुत काम होना बाकी है। इसके अलावा चतुर सागर और एकांति तीर्थ तथा शंख माधव कुल पांच स्थान हैं जो तालाब और कूप थे, उनका निरीक्षण किया गया है। अब इनका भी जीर्णोद्धार कराया जाएगा।

संभल में 1978 के सांप्रदायिक दंगों की फिर से जांच संबंधी खबरों को पुलिस ने बताया भ्रामक

संभल। (भाषा) उत्तर प्रदेश पुलिस ने बृहस्पतिवार को इन खबरों को खारिज कर दिया कि संभल में 1978 में हुए सांप्रदायिक दंगों की फिर से जांच की जाएगी। इन दंगों में कई लोगों की जान चली गई थी। संभल के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा, सोशल मीडिया और अन्य मंचों पर यह भ्रामक जानकारी फैलाई जा रही है कि संभल में 1978 में हुए सांप्रदायिक दंगों की फिर से जांच शुरू की जा रही है। ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है। बिश्नोई ने आगे कहा कि विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) श्रीश चंद्र शर्मा ने 17 दिसंबर को एक पत्र प्रस्तुत किया था। उनके अनुसार, नियम 115 के तहत दिए गए इस पत्र में 1978 के दंगों के बारे में विस्तृत जानकारी देने का अनुरोध किया गया था। इसके बाद, सरकार ने मामले पर जानकारी मांगी थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, प्रासंगिक जानकारी संकलित की जा रही है, और प्रक्रिया पूरी होने के बाद इसे सरकार को भेज दिया जाएगा।पुलिस का यह स्पष्टीकरण संभल में 1978 में हुए दंगों की संभावित नई जांच के बारे में फैली अफवाहों के जवाब में आया है।गत 24 नवंबर को शहर के कोट गर्वी इलाके में शाही जामा मस्जिद में अदालत के आदेश पर सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा के बाद से संभल में तनाव बढ़ रहा है। इस हिंसा में चार लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए थे।

सपा सांसद ने भाजपा को कौरव बताया भाजपा ने कहा, अखिलेश चुनावी हिंदू

मिल्कीपुर उपचुनाव

अयोध्या। (भाषा) अयोध्या के मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव के चुनाव प्रचार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और समाजवादी पार्टी (सपा) के बीच तीखी नोकझोंक हो रही है। पांच फरवरी को यह उपचुनाव है। सपा के सांसद वीरेंद्र सिंह ने भाजपा की तुलना महाभारत के कौरवों से की है, जबकि सत्तारूढ़ पार्टी के एक नेता ने अखिलेश यादव को चुनावी हिंदू बताया है। वीरेंद्र सिंह ने यादव और भगवान कृष्ण के बीच समानताएं इंगित करते हुए भाजपा को कौरवों की सेना बताया। उन्होंने बृहस्पतिवार को प्रेसवार्ता में कहा कि यादव में भगवान कृष्ण का डीएनए है और कहा कि उनकी आनुवंशिक संरचना में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने कहा, अयोध्या में कौरवों की हार होगी। उन्होंने कहा कि महाभारत में छल-कपट से पांडवों को हराने की कोशिश की गई थी और अयोध्या में भी ऐसा ही जाल बिछाया जा रहा है, लेकिन इसमें सफलता नहीं मिलेगी।चंदौली के सांसद वीरेंद्र सिंह ने भाजपा का नाम लिए बिना उस पर हमला करते हुए कहा कि जिस तरह लोकसभा चुनाव के दौरान अयोध्या में उन्हें जवाब मिला था, उसी तरह मिल्कीपुर में भी उन्हें जवाब मिलेगा। इस बीच, भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने पलटवार करते हुए अखिलेश यादव को चुनावी हिंदू करार दिया और उन पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। त्रिपाठी ने कहा कि अपराधियों के बचाव में खड़ी सपा को इस बार जनता हराकर सबक सिखाएगी। भाजपा ने अभी तक मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है, लेकिन सपा ने फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट से सपा सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत पर भरोसा जताया है। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव पांच फरवरी को होगा और मतों की गिनती आठ फरवरी को होगी। प्रसाद के लोकसभा में निर्वाचित होने के बाद विधायक के रूप में सीट खाली करने के कारण इस सीट पर उपचुनाव कराना जरूरी हो गया था।

एसपी नें, जनता दर्शन में आए फरियादियों की सुनी समस्याएं:सोनभद्र। जनपद के पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा प्रतिदिन की जा रही जनसुनवाई के क्रम में गुरुवार को जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं व शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। उन्होने सभी थाना प्रभारियों को सचेत किया कि जनसुनवाई व महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो। साथ ही निर्देशित किया गया कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारी व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालय व थाना पर जनसुनवाई करते हुए प्राप्त जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

लखनऊ में अब्बास अंसारी के दावे वाली जमीन पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश

नई दिल्ली।(भाषा) उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को लखनऊ के जियामऊ में उस विवादित स्थल पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास इकाइयों के निर्माण को लेकर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया, जिस पर गैंगस्टर-नेता रहे मुख्तार अंसारी के बेटे स्वामित्व का दावा कर रहे हैं। वर्ष 2020 में लखनऊ विकास प्राधिकरण ने मुख्तार और अब्बास अंसारी समेत उसके बेटों के बंगले को बुलडोजर से ढहा दिया था। सरकार पीएम आवास योजना के तहत विवादित स्थल पर फ्लैट बनाने की योजना बना रही है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने अब्बास अंसारी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की इस दलील पर गौर किया कि भूमि पर कब्जे से संबंधित याचिका को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की खंडपीठ के समक्ष बार-बार सूचीबद्ध किया गया, लेकिन कोई अंतरिम रोक नहीं लगाई गई। पिछले साल 21 अक्टूबर को शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय से अंतरिम रोक संबंधी आवेदन पर जल्द से जल्द सुनवाई करने को कहा था। बृहस्पतिवार को जब मामला उच्चतम न्यायालय में सुनवाई के लिए आया तो सिब्बल ने पीठ को बताया कि उसके आदेश के बावजूद मामले पर सुनवाई नहीं हुई है। पीठ ने कहा, कुछ उच्च न्यायालयों के बारे में हम कुछ नहीं कह सकते। लेकिन इलाहाबाद उच्च न्यायालय उन उच्च न्यायालयों में से एक है, जिसके बारे में चिंतित होना चाहिए। निर्माण स्थल पर यथास्थिति बरकरार रखते हुए शीर्ष अदालत की पीठ ने उच्च न्यायालय को मामले की शीघ्र सुनवाई करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा, चूंकि हमने नोटिस जारी नहीं किया है और उच्च न्यायालय की रजिस्ट्री से कोई रिपोर्ट भी प्राप्त नहीं की है, इसलिए हम इस बारे में कोई राय व्यक्त करने के लिए इच्छुक नहीं हैं कि ऐसी कौन सी परिस्थितियां थीं, जिनमें याचिकाकर्ता की रिट याचिका पर पीठ ने गौर नहीं किया जबकि इसे समय-समय पर सूचीबद्ध किया गया था। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने स्पष्ट रूप से कहा है कि प्राधिकारियों ने लखनऊ के जियामऊ गांव में स्थित प्लॉट संख्या 93 पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया है, जिसपर याचिकाकर्ता अपने स्वामित्व का दावा कर रहे हैं। अदालत ने कहा कि अगर तीसरे पक्ष के अधिकार बनाए जाते हैं तो इससे याचिकाकर्ताओं को अपूरणीय क्षति हो सकती है। अदालत ने कहा, हम इस आवेदन का निपटारा अधिकारियों और याचिकाकर्ताओं को यह निर्देश देते हुए करते हैं कि वे मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय में होने तक स्थल पर यथास्थिति बनाए रखें। अब्बास अंसारी के अनुसार, उनके दादा ने जियामऊ में एक प्लॉट में हिस्सा खरीदा था और 9 मार्च 2004 को डीड पंजीकृत कराई गई थी। याचिका में कहा गया है कि उन्होंने उक्त संपत्ति को कथित तौर पर अपनी पत्नी राबिया बेगम को उपहार में दिया था, जिन्होंने 28 जून 2017 को पंजीकृत वसीयत के माध्यम से इसे याचिकाकर्ता और उनके भाई को दे दिया था। याचिका में कहा गया है कि उप-विभागीय मजिस्ट्रेट, डालीबाग, लखनऊ ने कथित तौर पर 14 अगस्त, 2020 को (याचिकाकर्ताओं की अनुपस्थिति में) एक पक्षीय आदेश पारित कर भूखंड को सरकारी संपत्ति घोषित कर दिया।

पेज 1 का शेष

इंडिया गुट...

वह किसी के निर्देश पर काम नहीं करते। वह अपने फैसले खुद लेते हैं। जो लोग इस गलतफहमी में हैं, उन्हें इससे बाहर आना चाहिए।'

भाजपा भी....

बस यात्रा, घरेलू उपभोक्ताओं को प्रति माह 20 किलोलीटर तक मुफ्त पानी और 200 यूनिट से कम खपत करने वाले घरों को मुफ्त बिजली सहित दिल्ली में वर्तमान में लागू योजनाओं को खत्म न करने की भी सिफारिश की है। आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार वर्तमान में 200 यूनिट तक प्रति माह मुफ्त बिजली प्रदान करती है। मौजूदा मुफ्त बिजली योजना के तहत, दिल्ली सरकार 200 यूनिट मासिक खपत वाले उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली प्रदान करती है। जबकि, 201-400 यूनिट बिजली की खपत करने वालों को 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है। भाजपा धार्मिक समुदायों को और अधिक अपने पक्ष में करने के लिए, इस बिजली लाभ को मंदिरों और गुरुद्वारों जैसे धार्मिक स्थलों तक बढ़ाने पर विचार कर रही है। अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि इन पूजा स्थलों को हर महीने 500 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिल सकती है, जिससे न केवल भक्तों को लाभ होगा, बल्कि संस्थानों को अपनी परिचालन लागत कम करने में भी मदद मिलेगी, जिससे वे सामाजिक और धर्मार्थ गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।सूत्रों ने बताया कि भाजपा दिल्ली में महिला सशक्तिकरण के लिए 'लाडली बहना योजना' जैसी विशेष योजना की घोषणा कर सकती है। लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की उम्मीद लगाए बैठी आप के लिए महिला सम्मान योजना उसकी रणनीति का केंद्र बिंदु है। इस योजना के तहत आप ने दिल्ली में महिलाओं के लिए मासिक भत्ता 1,000 रुपये से बढ़ाकर 2,100 रुपये करने का वादा किया है। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भी 'संजीवनी योजना' का वादा किया है, जिसके तहत 60 साल से अधिक उम्र के लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाएगी। इसके अलावा आप ने ऑटो चालकों के लिए 10 लाख रुपये, पुजारियों और ग्रंथियों के लिए 18,000 रुपये भत्ते की घोषणा की है। कांग्रेस ने भी मतदाताओं को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कांग्रेस ने दिल्ली में महिलाओं के लिए 'प्यारी दीदी योजना' का वादा किया है। कांग्रेस ने कहा है कि अगर पार्टी सत्ता में आती है तो पहली कैबिनेट बैठक में ही इस योजना को लागू कर दिया जाएगा। पार्टी ने 'जीवन रक्षा योजना' की भी घोषणा की है, जिसके तहत 25 लाख रुपये तक का बीमा कवरेज दिया जाएगा। सूत्रों ने बताया, सच तो यह है कि आप का पूरा चुनाव अभियान मुफ्तखोरी पर आधारित है। चुनाव के बाद पार्टी ने कई मुफ्तखोरी की घोषणा की, जिन्हें पूरा करना भी संभव नहीं है। वहीं, भाजपा अपने घोषणापत्र पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिसमें वह सरकार बनने के बाद आसानी से योजनाओं को लागू कर सकती है। आने वाले दिनों में तस्वीर साफ हो जाएगी, क्योंकि पार्टी इस पर काम कर रही है।

भारतीय पासपोर्ट...

गंतव्यों पर वीज़ा-फ्री पहुंच के साथ तीसरे स्थान पर हैं। चौथे स्थान पर, ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, आयरलैंड, लक्ज़मबर्ग, नीदरलैंड, नॉर्वे और स्वीडन बंधे हुए हैं, जिनके नागरिकों को 191 गंतव्यों पर वीज़ा की आवश्यकता नहीं होती। संयुक्त अरब अमीरात, दसवें स्थान पर, शीर्ष 10 रैंकिंग में जगह बनाने वाला एकमात्र अरब देश है। इसके पासपोर्ट धारक दुनिया भर में 185 गंतव्यों पर वीज़ा-फ्री यात्रा कर सकते हैं। पिछले एक दशक में यूएई पासपोर्ट धारकों की वैश्विक गतिशीलता में बड़ा सुधार हुआ है और उन्होंने 2015 से 72 अतिरिक्त गंतव्यों तक पहुंच प्राप्त की है। इस बीच, अमेरिकी पासपोर्ट, जो 2015 में दूसरे स्थान पर था, अब नौवें स्थान पर आ गया है और पिछले एक दशक में इसकी शक्ति कम हो गई है। ब्रिटिश पासपोर्ट की ताकत भी हाल के वर्षों में घटी है और अब यह पांचवें स्थान पर है। 2014 में जब यूके और यूएस संयुक्त रूप से इंडेक्स में पहले स्थान पर थे, उसके बाद से यह स्थिति नहीं रही है। 2025 में, पाकिस्तान और यमन ने हेनले पासपोर्ट इंडेक्स पर 103वें स्थान को साझा किया, दोनों के पास केवल 33 देशों में वीज़ा-फ्री यात्रा की सुविधा है। इनके बाद इराक (31 देश), सीरिया (27 देश), और अफगानिस्तान (26 देश) का स्थान है। कई यूरोपीय संघ के सदस्य देश, जैसे फ्रांस, जर्मनी, इटली और स्पेन, रैंकिंग में दो स्थान गिरकर तीसरे स्थान पर आ गए हैं। इनके साथ फिनलैंड और दक्षिण कोरिया भी शामिल हैं, जो पिछले 12 महीनों में एक स्थान नीचे खिसक गए हैं और अब 192 गंतव्यों तक वीज़ा-फ्री पहुंच रखते हैं। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि सात यूरोपीय संघ के देशों का समूह ' ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, आयरलैंड, लक्ज़मबर्ग, नीदरलैंड, नॉर्वे और स्वीडन ' चौथे स्थान पर है, जिनके पास 191 गंतव्यों तक वीज़ा-फ्री पहुंच है। वहीं, पांच देश ' बेल्जियम, न्यूजीलैंड, पुर्तगाल, स्विट्जरलैंड और यूके ' 190 वीज़ा-फ्री गंतव्यों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। विज्ञप्ति में यह भी जोड़ा गया है कि गतिशीलता स्पेक्ट्रम के दूसरे छोर पर, अफगानिस्तान हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में सबसे नीचे बना हुआ है, जो पिछले वर्ष के दौरान दो और गंतव्यों तक वीज़ा-फ्री पहुंच खो चुका है। यह स्थिति इंडेक्स के 19 साल के इतिहास में सबसे बड़े गतिशीलता अंतर को दर्शाती है, जहां सिंगापुर के नागरिक अफगान पासपोर्ट धारकों की तुलना में 169 अधिक गंतव्यों तक वीज़ा-फ्री यात्रा कर सकते हैं।

प्रदूषण...

दिल्ली का औसत एक्यूआई बृहस्पतिवार शाम 4 बजे 357 रहा, जो बहुत खराब श्रेणी (एक्यूआई 301-400 के बीच), ग्रैप पर सीएमक्यूएम उप-समिति ने देखा कि दिल्ली का एक्यूआई जो 08.01.2025 को 297 दर्ज किया गया था, इसमें शांत हवाओं और कोहरे की स्थिति के कारण तेजी से वृद्धि का रुझान दिखा और 09.01.2025 को शाम 4: 00 बजे 357 दर्ज किया गया।

कांग्रेस...

आगे नहीं ले जा सके। दीक्षित ने यह भी दावा किया कि चुनाव के बाद किसी भी गठबंधन के लिए अन्य दलों को कांग्रेस के पास आना होगा क्योंकि उन्हें अच्छे प्रदर्शन का भरोसा है।

तिरुपति...

छह लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। कई मंत्रियों, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अधिकारियों और अन्य लोगों के साथ सीएम ने तीर्थयात्रा के लिए आने वाली भीड़ को संभालने के लिए किए गए अस्थायी इंतजामों का निरीक्षण किया। नायडू ने भगदड़ स्थल पर टीटीडी के संयुक्त कार्यकारी अधिकारी (स्वास्थ्य एवं शिक्षा) एम गौतमी से घटना पर जवाब मांगा।

जेईई...

लेकिन 18 नवंबर, 2024 की एक अन्य प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से इसे अचानक बदल दिया और इस तरह प्रयासों की संख्या घटाकर दो कर दी। पात्रता मानदंड में अचानक किए गए बदलावों ने याचिकाकर्ता के साथ-साथ हजारों ऐसे ही लोगों को प्रभावित किया है, जो आईआईटी में प्रवेश पाने के मूल्यवान अवसर से वंचित हैं। याचिका में कहा गया है कि पात्रता मानदंड में बदलाव प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। इसमें कहा गया कि यह आक्षेपित अधिसूचना वैध अपेक्षा और वचनबद्ध रोक के सिद्धांतों का भी उल्लंघन करती है।

पहली बार...

इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए, या किसी व्यक्ति के खिलाफ़ तैनात नहीं किया जाना चाहिए। दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि सीआरपीएफ अधिकारियों को गोद लिए गए डॉग को 'समय-समय पर सत्यापन' की अनुमति दी जानी चाहिए, जिसमें लघु वीडियो और लाइव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उनके संचालकों के साथ नियमित संचार शामिल है। दिशा-निर्देशों में कहा गया है, 'अगर के9 संकट में पाया जाता है, तो गोद लेने वाले को भावनात्मक समर्थन देना चाहिए, और एक वृद्ध डॉग के लिए आवश्यक सभी चिकित्सीय देखभाल प्रदान करनी चाहिए।' बल को उम्मीद है कि इन बहादुर वफादार सैनिकों को एक अच्छा घर और परिवार मिलेगा। एक मादा बेल्जियन शेफर्ड मालिनोइस के बारे में लिखा गया कि वह एक संतुलित स्वभाव वाली वफादार है, जो उसे एक सुरक्षात्मक लेकिन सॉफ्ट डॉग की तलाश करने वाले परिवारों के लिए एक आदर्श साथी बनाती है। अपने रैंकों में लगभग 3.25 लाख कर्मियों के साथ, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) देश का अग्रणी आंतरिक सुरक्षा बल है जो गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

भविष्य युद्ध में नहीं, बल्कि बुद्ध में निहित है: मोदी

भाषा। भुवनेश्वर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि दुनिया आज भारत की बात ध्यान से सुनती है और देश अपनी विरासत के कारण ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह कह पाता है कि भविष्य युद्ध में नहीं, बल्कि बुद्ध में निहित है।ओडिशा की राजधानी में आयोजित 18वें प्रवासी भारतीय दिवस-2025 सम्मेलन का औपचारिक तौर पर उद्घाटन करते हुए मोदी ने कहा कि भारत सिर्फ लोकतंत्र की जननी ही नहीं है बल्कि लोकतंत्र हर भारतीय के जीवन का हिस्सा है।उन्होंने कहा, 21वीं सदी का भारत, आज जिस गति से आगे बढ़ रहा है और जिस स्तर पर आज भारत में विकास के काम हो रहे हैं, वह अभूतपूर्व है। भारत की बात को आज दुनिया ध्यान से सुनती है। आज का भारत, अपना पक्ष तो मजबूती से रखता ही है, ग्लोबल साउथ की आवाज को भी पूरी ताकत से उठाता है। ग्लोबल साउथ शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।मोदी ने कहा कि जब भारत ने अफ्रीकन यूनियन को जी20 का स्थाई सदस्य बनाने का प्रस्ताव रखा तो सभी सदस्यों ने इसका समर्थन किया।उन्होंने कहा, मानवीयता प्रथम के भाव के साथ, भारत अपनी वैश्विक भूमिका का विस्तार कर रहा है। मोदी ने कहा, दुनिया में जब तलवार के जोर पर साम्राज्य बढ़ाने का दौर था, तब हमारे सम्राट अशोक ने यहां (ओडिशा में) शांति का रास्ता चुना था। हमारी विरासत का यह वही बल है, जिसकी प्रेरणा से आज भारत, दुनिया को कह पाता है कि भविष्य युद्ध में नहीं है, बुद्ध में है। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद दोनों देशों के बीच युद्ध, इजराइल और फलस्तीन के बीच संघर्ष और विश्व के कई देशों में हिंसा और अस्थिरता का दौर जारी है।प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले कई मौकों पर वैश्विक मंचों से भी कह चुके हैं कि संघर्षों का समाधान युद्ध से नहीं बल्कि शांति के रास्ते से तलाशा जाना चाहिए।उन्होंने भारत में आयोजित सफल जी20 सम्मेलन का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया को देश की विविधता का प्रत्यक्ष अनुभव कराने के लिए भारत के विभिन्न हिस्सों में इसकी बैठकें आयोजित की गईं।उन्होंने कहा, हम सिर्फ लोकतंत्र की जननी ही नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र हमारे जीवन का हिस्सा है। हमें विविधता सिखानी नहीं पड़ती, हमारा जीवन ही विविधता से चलता है। मोदी ने कहा कि भारत अब विश्व बंधु के रूप में जाना जाता है, इसे और मजबूत करने की जरूरत है।उन्होंने कहा, भारत की सफलता आज दुनिया देख रही है। आज जब भारत का चंद्रयान शिव शक्ति प्वाइंट पर पहुंचता है, तो हम सब को गर्व होता है। आज जब दुनिया, डिजिटल इंडिया की ताकत देखकर हैरान होती है, तो हम सब को गर्व होता है। आज भारत का हर क्षेत्र आसमान की ऊंचाई छूने को आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत की प्रगति की गति सारे रिकॉर्ड तोड़ रही है।उन्होंने कहा, आज भारत, मेड इन इंडिया फाइटर जेट बना रहा है, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट बना रहा है और वो दिन भी दूर नहीं जब आप किसी मेड इन इंडिया प्लेन से ही प्रवासी भारतीय दिवस मनाने भारत आएंगे। प्रधानमंत्री ने भारत के विकास में प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए कहा, उन्हें राजदूत माना है। उन्होंने कहा, हम आपकी सुविधा और आराम को बहुत महत्व देते हैं। आपकी सुरक्षा और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम संकट की स्थितियों के दौरान अपने लोगों की मदद करना अपनी जिम्मेदारी मानते हैं, चाहे वे कहीं भी हों।

इस्कॉन के साथ मिलकर महाकुम्भ में महाप्रसाद सेवा चलाएगा अदाणी समूह

भाषा। नई दिल्ली

अदाणी समूह और इंटरनेशनल सोसायटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) ने इस साल प्रयागराज में महाकुम्भ मेले में श्रद्धालुओं को भोजन परोसने के लिए हाथ मिलाया है। महाप्रसाद सेवा 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुम्भ मेले की पूरी अवधि के दौरान की जाएगी।इस पहल के लिए इस्कॉन को धन्यवाद देने के लिए अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने बृहस्पतिवार को इस्कॉन शासी निकाय आयोग (जीबीसी) के चेयरमैन गुरु प्रसाद स्वामी से मुलाकात की। महाप्रसाद सेवा में इस्कॉन के सहयोग पर अदाणी ने कहा, कुम्भ सेवा का एक पवित्र स्थान है, जहां हर भक्त भगवान की सेवा में शामिल होता है। यह मेरा सौभाग्य है कि हम इस्कॉन के सहयोग से महाकुम्भ में भक्तों के लिए महाप्रसाद सेवा शुरू कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मां अन्नपूर्णा के आशीर्वाद से लाखों श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। आज मुझे इस्कॉन के गुरु प्रसाद स्वामी जी से मिलने का अवसर मिला और मैंने सेवा के प्रति समर्पण की शक्ति को गहराई से अनुभव किया। सच्चे अर्थों में सेवा ही देशभक्ति का सर्वोच्च रूप है। सेवा ही ध्यान है, सेवा ही प्रार्थना है और सेवा ही ईश्वर है। अंतरराष्ट्रीय कृष्ण चेतना सोसायटी के प्रमुख प्रचारकों में से एक गुरु प्रसाद स्वामी ने कहा, अदाणी समूह हमेशा से कॉरपोरेट जिम्मेदारी और सामाजिक सेवा का एक शानदार उदाहरण रहा है। महाप्रसाद सेवा 50 लाख श्रद्धालुओं को प्रदान की जाएगी तथा भोजन मेला क्षेत्र के अंदर और बाहर दो रसोईघरों में तैयार किया जाएगा।महाकुम्भ क्षेत्र में 40 स्थानों पर महाप्रसाद वितरित किया जाएगा और इस पहल में 2,500 स्वयंसेवक शामिल होंगे।दिव्यांगों, बुजुर्गों और बच्चों वाली माताओं के लिए गोल्फ वाली गाड़ी की व्यवस्था की गई है।

सीबीआई ने कार्ति चिदंबरम पर भ्रष्टाचार का नया मामला दर्ज किया

नई दिल्ली। सीबीआई ने पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम के बेटे और कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम के खिलाफ भ्रष्टाचार का एक नया मामला दर्ज किया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने कथित तौर पर मादक पेय कंपनी डियाजियो स्कॉटलैंड को उसकी व्हिस्की की शुल्क मुक्त बिक्री पर प्रतिबंध से राहत दी थी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी में कहा गया है कि यह मामला एडवांटेज स्ट्रेटेजिक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड को डियाजियो स्कॉटलैंड और सिकोइया कैपिटल्स द्वारा किए गए कथित संदिग्ध भुगतान से संबंधित है, जो कार्ति पी. चिदंबरम और उनके करीबी सहयोगी एस. भास्करमन द्वारा नियंत्रित एक इकाई है।जांच से पता चला कि एफआईपीबी के विभिन्न प्रस्तावों की जांच की गई, जिसमें पाया गया कि डियाजियो स्कॉटलैंड और सिकोइया कैपिटल्स ने एडवांटेज स्ट्रेटेजिक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड को संदिग्ध रूप से धन हस्तांतरित किया है,।

बैंक अधिकारियों के संघ की दो दिन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल की धमकी

नई दिल्ली। बैंक अधिकारियों के संगठन अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ (एआईबीओसी) ने सप्ताह में पांच कामकाजी दिन और सभी संवर्गों में पर्याप्त भर्ती सहित विभिन्न मांगों को लेकर 24-25 फरवरी को देशव्यापी हड़ताल की धमकी दी है। इसके अलावा, परिसंघ ने कामकाज के प्रदर्शन की समीक्षा और प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) पर वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के हालिया निर्देशों को तत्काल वापस लेने की मांग की है, जो नौकरी की सुरक्षा को खतरा पहुंचाते है तथा कर्मचारियों के बीच विभाजन उत्पन्न करते हैं। एआईबीओसी ने इसके अलावा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में कर्मचारीअधिकारी निदेशकों के पदों को भरने तथा भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के साथ लंबित शेष मुद्दों के समाधान पर भी जोर दिया। अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ (एआईबीओसी) ने बयान में कहा, कार्यकारी समिति ने दो दिन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का प्रस्ताव रखा है, जो संभवतः 24-25 फरवरी, 2025 के लिए निर्धारित है। अगर जरूरत पड़ी तो और भी सख्त कदम उठाए जा सकते हैं।

ग्रूमिंग को दी बोल्ड और नई पहचान

कोलकाता। इमामी लिमिटेड ने पुरूषों के लिए अपने जाने-माने ब्राण्ड 'फेयर एण्ड हैण्डसम' को नई पहचान देते हुए इसे 'स्मार्ट एण्ड हैण्डसम' के रूप में रीब्राण्ड किया है। इसके साथ ही कंपनी ने बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर कार्तिक आर्यन को अपना नया ब्राण्ड अम्बेसडर बना लिया है आज के युवा पुरूष अपनी त्वचा की देखभाल एवं ग्रूमिंग को प्राथमिकता देते हैं और स्मार्ट एण्ड हैण्डसम उनकी बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। आज के दौर में उपभोक्ता ऐसे नए प्रोडक्ट्स एवं समाधानों को अपना रहे हैं, जिनके साथ वे अपने आप को अच्छी तरह मेंटेन कर सकें, अपने लुक में निखार ला सकें। 'मोहन गोयंका, वाईस चेयरमैन और होलटाईम डायरेक्टर, इमामी लिमिटेड ने कहा कि नए प्रोडक्ट लॉन्च और ब्राण्ड के नए चेहरे कार्तिक आर्यन के साथ हमें विश्वास है कि स्मार्ट एण्ड हैण्डसम के रूप में यह नई पहचान तेजी से विकसित होते मेल ग्रूमिंग मार्केट में एक बेहतरीन ग्रू मिंग समाधान के रूप में हमारी स्थिति को और अधिक मजबूत बनाएगी।

लक्ष्मी डेंटल सार्वजनिक निर्गम 13 को खुलेगा

मुंबई। लक्ष्मी डेंटल लिमिटेड एलडीएल या कंपन), सोमवार, 13 जनवरी, 2025 को इक्विटी शेयरों के अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के संबंध में बिड/ऑफर अवधि खोलेगी।प्रस्ताव का प्राइस बैंड 407 से 428 प्रति इक्विटी शेयर (मूल्य बैंड) तय किया गया है। न्यूनतम 33 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 33 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियाँ लगाई जा सकती हैं। (बोली लॉट)। इक्विटी शेयरों (अंकित मूल्य 2 प्रत्येक) के कुल ऑफर साइज में 1,380 मिलियन तक का नया निर्गम और 13,085,467 [1.31 लाख इक्विटी शेयरों की संख्या] (बिक्री के लिए प्रस्ताव) बेचने वाले शेयरधारकों द्वारा बिक्री के लिए प्रस्ताव शामिल है। (कुल प्रस्ताव आकार)एंकर निवेशक बिड/ऑफर अवधि शुक्रवार, 10 जनवरी, को खुलेगी और बंद होगी। बिड/ऑफर अवधि सोमवार, 13 जनवरी, 2025 को खुलेगी और सोमवार, बुधवार 15, 2025 को बंद होगी (बोली विवरण)। यह इक्विटी शेयर कंपनी के 07 जनवरी, 2025 के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जा रहे हैं, जो अहमदाबाद में गुजरात के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) के पास दाखिल किया गया है। नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड, मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ऑफर के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

वैश्विक सभ्यता में भारत का योगदान उल्लेखनीयः त्रिनिदाद एवं टोबैगो की राष्ट्रपति

भुवनेश्वर। त्रिनिदाद एवं टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत ने गणित, चिकित्सा और नौवहन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक सभ्यता में उल्लेखनीय योगदान दिया है। कंगालू ने 18वें प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी), 2025 सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा, विश्व के विकास में भारत का योगदान उल्लेखनीय है। दुनिया का पहला विश्वविद्यालय 700 ईसा पूर्व तक्षशिला में स्थापित किया गया था। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को चिकित्सा के प्राचीनतम ज्ञान के स्रोत के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। उन्होंने कहा कि नौवहन कला का जन्म लगभग 6,000 वर्ष पहले सिंधु नदी में हुआ था। उन्होंने कहा, बीजगणित, त्रिकोणमिति और गणना भी सबसे पहले भारत में ही विकसित हुए थे। इसके अलावा, भारत ऐसी नागरिक सभ्यता वाला पहला देश है जिसने अंकगणितीय गणनाओं में शून्य (0) चिह्न का उपयोग किया। उन्होंने कहा कि ऐसा माना जाता है कि शतरंज का खेल भी पूर्वी भारत में उत्पन्न हुआ था, जबकि व्यापक रूप से यह माना जाता है कि दशमलव प्रणाली का विकास भी भारत में ही हुआ था। और भारत के सुश्रुत को व्यापक रूप से शल्य चिकित्सा का जनक माना जाता है। कंगालू ने कहा कि भारत उन देशों में से एक है जिसने त्रिनिदाद एवं टोबैगो की 1962 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता के तुरंत बाद उसके साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए। हमारा संबंध 1845 से है जब 225 भारतीयों को लेकर पहला पोत त्रिनिदाद एवं टोबैगो के तट पर पहुंचा था। त्रिनिदाद एवं टोबैगो उस समय ब्रिटिश उपनिवेश था। त्रिनिदाद एवं टोबैगो की राष्ट्रपति ने कहा कि उसके बाद लगभग 72 वर्ष के दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल जैसे कई राज्यों एवं कई शहरों से।,43,000 से अधिक भारतीय आए और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के सामाजिक, जनसांख्यिकीय, आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को हमेशा के लिए नया आकार दिया।

जयशंकर ने भारत के वैश्विक श्रमबल बनाने के प्रयासों में प्रवासी समुदाय के महत्व को बताया

भाषा। भुवनेश्वर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत द्वारा वैश्विक श्रमबल बनाए जाने के प्रयासों के बीच प्रवासी समुदाय का महत्व हर साल बढ़ता जा रहा है।यहां प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) सम्मेलन में भारत वंशियों को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि वे इस बात को लेकर आश्वस्त हो सकते हैं कि विदेश में मुश्किल समय में नरेन्द्र मोदी सरकार उनकी मदद के लिए तैयार है।उन्होंने कहा, हमें अपने प्रवासी भारतीयों की उपलब्धियों पर गर्व है। जयशंकर ने कहा, वैश्वीकरण के दौर में, हर गुजरते साल के साथ प्रवासी समुदाय का महत्व बढ़ता जा रहा है, चाहे प्रौद्योगिकी हो, सर्वोत्तम कार्यप्रणाली हो या संसाधन, चाहे पर्यटन हो, व्यापार हो या निवेश, दोनों तरफ से प्रयास जरूरी है क्योंकि हम वैश्विक श्रमबल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि प्रवासी समुदाय की भूमिका बहुत बड़ी है क्योंकि वे भारत और उन देशों के बीच सेतु का काम करते हैं जहां वे रहते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के जन-केंद्रित बदलावों से प्रवासी भारतीयों को भी लाभ मिल रहा है। विदेश मंत्री ने कहा, ए कारोबार सुगमता को बढ़ावा दे सकते हैं, जीवन जीना आसान बना सकते हैं, संपर्क और यात्रा को सुविधाजनक बना सकते हैं। प्रवासी भारतीयों के हितों को सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल तकनीकों का उपयोग भी स्पष्ट है। पिछले दशक में, हमने पासपोर्ट जारी करने और नवीनीकरण के साथ-साथ सत्यापन प्रक्रिया का सरलीकरण देखा। वाणिज्य दूतावास सेवाओं में सुधार हुआ, कल्याणकारी उपायों में वृद्धि हुई है और शिकायत निवारण मंच प्रभावी हुए हैं। दुनियाभर में दूतावास और वाणिज्य दूतावास अधिक उत्तरदाई हुए हैं। मुश्किल समय में, आप आश्वस्त हो सकते हैं कि मोदी सरकार आपके साथ है। उन्होंने कहा कि ओडिशा में प्रवासी भारतीय दिवस की मेजबानी नरेन्द्र मोदी सरकार की पूर्वोदय नीति को दर्शाती है। जयशंकर ने कहा कि कई मायनों में, ओडिशा भारत के इतिहास और संस्कृति की समृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा, चाहे वह महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी का दर्शन हो, या लिंगराज भगवान का, कोणार्क मंदिर में जाना हो, सांस्कृतिक उत्सवों, लोक कलाओं, राज्य के उत्पादों और व्यंजनों का अनुभव करना हो, आप में से कई लोगों ने अपनी इस यात्रा के दौरान इसका प्रत्यक्ष अनुभव किया होगा। जयशंकर ने कहा,"लेकिन विदेश मंत्री के तौर पर मैं ओडिशा के बाहरी प्रभाव को भी उजागर करना चाहता हूं। प्रसिद्ध बाली यात्रा दरअसल भारत सरकार की एक्ट ईस्ट नीति की अग्रदूत है। जब हम खुद को हिंद-प्रशांत राष्ट्र के रूप में परिभाषित करते हैं, तो हम यह ओडिशा के पूर्वी समुद्र तट से करते हैं। यह सभा आप सभी को हमारी विरासत, परंपराओं और पहचान को और अधिक मजबूती से पोषित करने के लिए प्रेरित करेगी"। उन्होंने जनसमूह से कहा इस अवसर पर आप जो संदेश हासिल करेंगे, वह एक ऐसे भारत का है जो अधिक आत्मविश्वासी, आधुनिक और समावेशी है। जहां परंपरा और तकनीक साथ-साथ चलते हैं। जब विकसित भारत की ओर कदम बढ़ रहे हैं तो आप में से प्रत्एक अपने तरीके से यह लक्ष्य हासिल करने में योगदान दे सकता है।

मुझे इंदिरा गांधी बहुत मजबूत महिला लगती थीं, लेकिन पता चला कि वह तो कमजोर थीं:कंगना

मुंबई। फिल्म इमरजेंसी में इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रहीं कंगना रनौत का कहना है कि वह पूर्व प्रधानमंत्री को बहुत मजबूत महिला मानती थीं, लेकिन गहन अध्ययन के बाद अब उनका मानना है कि वह कमजोर थीं और उन्हें खुद पर यकीन नहीं था। हिमाचल प्रदेश के मंडी से पहली बार लोकसभा सदस्य कंगना अक्सर विवादास्पद बयानों के लिए सुर्खियों में रहती हैं।उन्होंने यह भी कहा कि आज कोई भी निर्देशक उनके लायक नहीं है। रनौत ने चर्चित फिल्म इमरजेंसी की रिलीज से पहले पीटीआई-भाषा को दिए वीडियो साक्षात्कार में कहा, मैं बहुत गर्व के साथ कह रही हूं कि आज फिल्म उद्योग में एक भी ऐसा निर्देशक नहीं है, जिसके साथ मैं काम करना चाहूं, क्योंकि उनमें वो बात ही नहीं है...कि मैं उनके साथ काम करने के लिए राजी हो सकूं। रनौत ने तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा 1975 में लगाए गए 21 महीने के आपातकाल को दर्शाने वाली फिल्म इमरजेंसी का निर्देशन और निर्माण किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें इंदिरा गांधी से समानुभूति रखती हैं और जब तक उन्होंने इस फिल्म पर काम शुरू नहीं किया था, तब तक वह उन्हें बहुत मजबूत मानती थीं।रनौत ने कहा, लेकिन जब मैंने अध्ययन किया तो मुझे समझ में आया कि वह इसके बिल्कुल विपरीत थीं। इससे मेरा यह विश्वास और मजबूत हुआ कि आप जितने कमजोर होते हैं, उतना ही अधिक नियंत्रण आप चाहते हैं। वह एक बहुत कमजोर व्यक्ति थीं। उन्हें खुद पर यकीन नहीं था और वह वास्तव में कमजोर थीं। उन्होंने कहा, उनके आसपास बहुत सी बैसाखियां थीं और वह लगातार किसी न किसी तरह खुद को सही ठहराना चाहती थीं। वह कई लोगों पर बहुत अधिक निर्भर थीं, उनमें से एक संजय गांधी भी थे। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने अपनी फिल्म में इंदिरा गांधी और आपातकाल के चित्रण को लेकर अपनी तरफ से कोई बदलाव नहीं किया। रनौत ने यह भी कहा कि वह संसद में इंदिरा गांधी की पोती और सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा से मिलीं और फिल्म के बारे में बात की। रनौत ने वायनाड से कांग्रेस सांसद वाद्रा के साथ अपनी संक्षिप्त बातचीत को याद करते हुए कहा, मैं संसद में श्रीमती प्रियंका गांधी से मिली और उन्होंने मेरे काम और मेरे बालों की तारीफ की। तो मैंने कहा, आप जानती हैं, मैंने एक फिल्म इमरजेंसी बनाई है। शायद आपको इसे देखना चाहिए। वह बोलीं, ठीक है, शायद। इमरजेंसी फिल्म 17 जनवरी को रिलीज होगी। फिल्म महीनों पहले रिलीज होनी थी, लेकिन सेंसर प्रमाणपत्र और सिख समुदाय को गलत तरीके से दिखाने के आरोपों की वजह से रिलीज नहीं हो सकी। फिल्म मूल रूप से छह सितंबर 2024 को रिलीज होनी थी।

अंतरिक्ष केवल खगोलशास्त्री होने के उत्साह के बारे में नहीं, बल्कि समय लेने वाला विज्ञान भी : इसरो प्रमुख

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि अंतरिक्ष विज्ञान में केवल खगोलशास्त्री बनने का उत्साह शामिल नहीं है, बल्कि यह एक जटिल और समय लेने वाला विषय भी है, जिसमें वर्षों तक लगातार अध्ययन के जरिए धीमे-धीमे ही विशेषज्ञता हासिल की जा सकती है। अंतरिक्ष विभाग में सचिव सोमनाथ ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इसरो के अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण (स्टार्ट 2025) कार्यक्रम के तीसरे संस्करण की शुरुआत के मौके पर दिए संबोधन में यह टिप्पणी की। सोमनाथ ने बताया कि इस साल 560 से अधिक संस्थानों के 20,000 छात्रों ने 9 से 29 जनवरी तक आयोजित किए जाने वाले स्टार्ट कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मांड के रहस्य भले ही स्वाभाविक रूप से सबसे पहले ध्यान आकर्षित करते हैं, लेकिन अंतरिक्ष विज्ञान जटिल गणनाओं और सूत्रों पर माथापच्ची करने के बारे में अधिक है, जिसमें बेहतर सेंसर तैयार करना और उपग्रह व रॉकेट बनाना शामिल है। सोमनाथ ने कहा, स्टार्ट कार्यक्रम में हम इन सभी के बारे में बात करेंगे। हम अपने रोमांचक अंतरिक्ष अभियानों पर चर्चा करेंगे।

आंबेडकर जन्मस्थली पर रैली करने से पहले अपने पुराने पाप धोए कांग्रेस : मोहन यादव

भाषा। इंदौर

संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की मध्यप्रदेश स्थित जन्मस्थली महू में कांग्रेस की 26 जनवरी को प्रस्तावित रैली को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को प्रमुख विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसने आंबेडकर के जीवनकाल में उनका हमेशा अपमान किया। देश में आंबेडकर की विरासत को लेकर जारी सियासी रस्साकशी के बीच कांग्रेस इंदौर के पास महू में गणतंत्र दिवस पर "जय बापू-जय भीम-जय संविधान" रैली का आयोजन करने जा रही है। स्थानीय कांग्रेस नेताओं के मुताबिक रैली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी भाग लेंगे। कांग्रेस के इस आयोजन के बारे में पूछे जाने पर यादव ने यहां संवाददाताओं से कहा, आंबेडकर के जीते जी कांग्रेस ने सदैव उनका अपमान किया और उन्हें कोई भी चुनाव नहीं जीतने दिया। यादव ने कहा कि कांग्रेस ने आंबेडकर को कदम-कदम पर लज्जित करने का काम किया, ऐसे में उसे पहले अपने पुराने पाप धोने चाहिए।

सीबीडीटी के डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन सिस्टम बना

नई दिल्ली। भारत सरकार (जीओआई) और आरबीआई ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के लिए अधिकृत किया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी), भारत सरकार की ओर से प्रत्यक्ष रूप से टैक्स कलेक्ट करने के लिए आयकर पोर्टल के साथ अपने एकीकरण की घोषणा की है। अब बैंक के ग्राहक आसानी से डायरेक्ट टैक्स का भुगतान कर सकते हैं, जिसमें डाउनलोड करने योग्य चालान, आसान भुगतान और तुरंत भुगतान की पुष्टि की सुविधा भी मिलेगी। ग्राहक अब आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के यूजर-फ्रेंडली रिटेल और कॉर्पोरेट इंटरनेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर सकते हैं, या फिर बैंक की किसी भी शाखा में कैश, चेक या डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से टैक्स का भुगतान कर सकते हैं। इस पर बात करते हुए,चिन्मय धोबले, कंट्री हेड-रिटेल लाइबिलिटी, आईडीएफसी बैंक,ने कहा, हम एक यूनिवर्सल बैंक हैं और यूनिवर्सल बैंकिंग का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक पूरा प्रोडक्ट और सर्विस सूट बना रहे हैं। इनकम टैक्स और जीएसटी का भुगतान, सिर्फ दो सेवाएं ऐसी थीं, जिनकी हमारे प्रस्ताव में कमी थी, इनकी उपलब्धता के साथ यह कमी भी पूरी हो गई है। सीबीडीटी, भारत सरकार और आरबीआई की स्वीकृति के साथ, अब हम सीबीडीटी की ओर से टैक्स कलेक्ट करने के लिए अधिकृत हैं।

आतंकवाद के खिलाफ भारत व अमेरिका एकजुट : गार्सेटी

भाषा। मुंबई

भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के मामले में एकजुट हैं। दोनों देशों के बीच संबंधों को बहुआयामी बताते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिकी स्वप्न और भारतीय स्वप्न एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।गार्सेटी ने भारत में अपने कार्यकाल को अत्यंत असाधारण बताया और कहा कि भारत ने उनका दिल जीत लिया। यहां एक कार्यक्रम से इतर चुनिंदा मीडिया प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में अनंत संभावनाएं हैं। भारत में गार्सेटी का अमेरिकी राजदूत के रूप में कार्यकाल जल्द ही समाप्त होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में उनका कार्यकाल उनके जीवन का सबसे असाधारण कार्य रहा।गार्सेटी ने कहा, राष्ट्रपति जो. बाइडन ने कहा था कि भारत उनके लिए दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण देश है और यदि आप भविष्य पर काम करना चाहते हैं, तो आपको भारत आने की जरूरत है। किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति ने कभी ऐसा नहीं कहा है। दोनों देशों के बीच संबंधों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, मैं दुनिया में भारत की भूमिका का स्वागत करता हूं - चाहे वह यूक्रेन-रूस संघर्ष में शांति हो, हिंद महासागर में गश्त हो। हम भारत की प्रगति देखना पसंद करते हैं। यह एक मजबूत, गौरवान्वित भारत है जिसे आधुनिक दुनिया ने कभी नहीं देखा है। गार्सेटी ने यहां पीस एंड द रोल ऑफ द यूएस- इंडिया डिफेंस एंड सिक्योरिटी पार्टनरशिप विषय पर एक सभा को भी संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए दोनों देशों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने और सहयोग बढ़ाने पर संतोष व्यक्त किया। गार्सेटी ने कहा कि अमेरिकी स्वप्न और भारतीय स्वप्न एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, दोनों देशों के बीच संबंध बहुआयामी हैं और दोनों की साझेदारी की कोई सीमा नहीं है। उन्होंने आतंकवाद के कारण अनेक निर्दोष लोगों की मौत पर चिंता जताई। गार्सेटी ने कहा, दोनों देशों को लश्कर, जैश, आईएसआईएस जैसे आतंकवादी संगठनों से खतरा है। इन आतंकवादी संगठनों की कोई सीमा नहीं है। हमें मिलकर इस खतरे का सामना करना चाहिए। हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई से कहीं आगे एक- दूसरे का सहयोग करते हैं, लेकिन हमें यह भी देखना चाहिए कि हम समुदायों को कट्टरपंथ से मुक्त कैसे बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हैं और अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए दोनों देशों के बीच खुफिया जानकारी साा करने तथा सहयोग बढ़ाने की जरूरत है। अमेरिकी राजदूत ने कहा, हमारा संबंध योगात्मक नहीं, बल्कि गुणात्मक है।

अदाणी के बारे में कुछ नही कहना, उद्योगपतियों के साथ हमारी अच्छी भागीदारीः अमेरिकी राजदूत

मुंबई। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने बृहस्पतिवार को भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिका में लगे आरोपों पर कुछ भी कहने से इनकार करते हुए कहा कि हमारे पास एक स्वतंत्र न्याय प्रणाली है। गार्सेटी ने यह भी कहा कि यहां (भारत में) उद्योगपतियों और बड़ी कंपनियों के साथ हमारी बेहतर भागीदारी रही है और हम नए कारखानों, बंदरगाहों का प्रत्यक्ष रूप से वित्तपोषण कर रहे हैं। यहां एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं के साथ अलग से बातचीत में गार्सेटी ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों में अनंत संभावनाएं हैं। अमेरिकी राजदूत के रूप में उनका कार्यकाल समाप्त होने वाला है। भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी पर अमेरिका में लगे आरोपों के बारे में पूछे जाने पर गार्सेटी ने कहा, मुझे इस पर कोई टिप्पणी नहीं करनी है। हमारे पास एक स्वतंत्र आपराधिक न्याय प्रणाली है। उन्होंने कहा, यहां उद्योगपतियों और बड़ी कंपनियों के साथ हमारी बेहतर भागीदारी रही है और हम नए कारखानों, बंदरगाहों का प्रत्यक्ष रूप से वित्तपोषण कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी पर अमेरिकी अभियोजकों ने पिछले साल नवंबर में भारत में सौर बिजली अनुबंध हासिल करने के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर (लगभग 2,100 करोड़ रुपए) की रिश्वत देने का आरोप लगाया था। अमेरिकी अधिकारियों ने दो अलग-अलग मामलों में अदाणी पर रिश्वत देने और प्रतिभूति धोखाधड़ी के आरोप लगाए। इसमें न्यूयॉर्क की एक अदालत में अमेरिकी न्याय विभाग की तरफ से दायर एक आपराधिक मामला है।

महाकुंभ में आने वाले लोगों के लिए इंश्योरेंस

मुंबई। फोनपे ने अनोखे इंश्योरेंस कवरेज की घोषणा की, जिसे 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में होने वाले आगामी महाकुंभ मेले में भाग लेने वाले यात्रियों के लिए डिजाइन किया गया है। इस कॉम्प्रिहेंसिव और अफोर्डेबल प्लान में दो विकल्प दिए गए हैं जो यात्रियों के एक बड़े समूह की आवश्यकताओं को पूरा करते है, इसमें शामिल है- बस या ट्रेन से यात्रा करने वाले व्यक्तियों के लिए 59 प्रति यात्री इंश्योरेंस और घरेलू फ्लाइट से यात्रा करने वाले व्यक्तियों के लिए 99 प्रति यात्री इंश्योरेंस। फोनपे ने आईसीआईसीआई लोम्बार्ड के साथ मिलकर यात्रियों के लिए एक नया इंश्योरेंस प्लान लॉन्च किया है। यह इंश्योरेंस यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने, वित्तीय सुरक्षा और मानसिक शांति प्रदान करने में मदद करेगा। इस इंश्योरेंस प्लान का उद्देश्य, भक्तों को अस्पताल में भर्ती होने, डॉक्टर से परामर्श, ओपीडी में इलाज कराने, पर्सनल एक्सीडेंट कवर, चेक-इन बैगेज के खो जाने, ट्रिप के कैंसिल होने, कनेक्टिंग फ्लाइट छूटने और मृत शरीर को घर लाने जैसी परेशानियों के लिए व्यापक कवरेज प्रदान करना है। यूजर फोनपे प्लेटफॉर्म पर 25 फरवरी 2025 तक इस प्लान का लाभ उठा सकते हैं।

धनंजय मुंडे और वंजारी समुदाय पर अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में जरांगे पर दो मामले दर्ज

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर जिले में पुलिस ने मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के खिलाफ एक सार्वजनिक रैली के दौरान राज्य के मंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता धनंजय मुंडे और उनके समुदाय के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में दो मामले दर्ज किए हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पहला मामला मंगलवार को जिले की अहमदपुर तालुका के किंनगांव थाने में दर्ज किया गया। सहायक पुलिस निरीक्षक साहेबराव खंदारे ने पीटीआई-भाषा को बताया कि मंत्री के समर्थक किशोर मुंडे द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, जरांगे ने चार जनवरी को परभणी में आयोजित एक सार्वजनिक रैली के दौरान धनंजय मुंडे और वंजारी समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की जिससे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा, शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत गैर-संज्ञेय अपराध की धारा 352 (जानबूझकर अपमान), 351 (2), (3) (आपराधिक धमकी) और धारा 3 (5) (साझा इरादा) के तहत किंनगांव थाने में मामला दर्ज किया गया है। परभणी में चार जनवरी को एक सर्वदलीय विरोध रैली आयोजित की गई थी, जिसमें हिस्सा लेने वालों ने बीड जिले के मसाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले की जांच में तेजी लाने और बिना किसी राजनीतिक दबाव के इसकी गहन जांच करने की मांग की थी। विपक्षी और सत्तारूढ़ दलों के कुछ नेताओं ने राकांपा नेता एवं राज्य सरकार में मंत्री धनंजय मुंडे के इस्तीफे की मांग की और आरोप लगाया कि उनके सहयोगी वाल्मीक कराड तथा इस हत्या मामले के बीच संबंध है। देशमुख के परिवार के सदस्य और मनोज जरांगे भी रैली का हिस्सा थे।जरांगे के खिलाफ दूसरा मामला स्थानीय निवासी गणेश गुणाजी केदार की शिकायत पर बुधवार दोपहर लातूर शहर के शिवाजीनगर पुलिस थाने में दर्ज किया गया।केदार की शिकायत के अनुसार, परभणी की सभा में जरांगे ने कथित तौर पर राजनीतिक उद्देश्यों से भड़काऊ बयान दिए, जिन्हें वंजारी समुदाय और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री मुंडे के प्रति अपमानजनक माना गया। न्होंने आरोप लगाया कि आरक्षण कार्यकर्ता ने हिंसा को प्रोत्साहित करने वाली भाषा का प्रयोग किया, दो समुदायों के बीच शत्रुता को बढ़ावा दिया तथा अशांति फैलाने का प्रयास किया।

म्यांमा में सेना के हवाई हमले में 40 की मौत

भाषा। बैंकॉक

म्यांमा में हथियारबंद अल्पसंख्यक जातीय समूह के नियंत्रण वाले एक गांव पर सेना के हवाई हमले में कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई और लगभग 20 अन्य घायल हो गए। जातीय समूह और एक स्थानीय परमार्थ संस्था के पदाधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पदाधिकारियों ने दावा किया कि हवाई हमले से लगी आग में सैकड़ों घर जलकर खाक हो गए। उन्होंने बताया कि हमला बुधवार को रामरी द्वीप पर क्योंक नी माव गांव में हुआ, जो पश्चिमी रखाइन प्रांत में अल्पसंख्यक जातीय समूह अराकान सेना के नियंत्रण वाला क्षेत्र है। हालांकि, सेना ने इलाके में किसी हमले की पुष्टि नहीं की है। गांव की स्थिति की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है, क्योंकि क्षेत्र में इंटरनेट और मोबाइल फोन सेवा तक पहुंच लगभग बाधित है। म्यांमा फरवरी 2021 में आंग सान सू ची की निर्वाचित सरकार के तख्तापलट के बाद से ही हिंसा से जूझ रहा है। सेना के शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शनों को कुचलने के लिए बल प्रयोग करने के बाद सैन्य शासन के कई विरोधियों ने हथियार उठा लिए और देश के ज्यादातर हिस्सों में सेना और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव बरकरार है।

इजराइल-हमास युद्ध में मरने वाले फलस्तीनियों की संख्या 46,000 से अधिकः गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)। इजराइल-हमास युद्ध में मरने वाले फलस्तीनियों की संख्या 46,000 से अधिक हो गई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने 15 महीने से चल रहे युद्ध में मरने वालों की संख्या में वृद्धि के बारे में जानकारी साझा की। मंत्रालय का कहना है कि इस युद्ध में अब तक 46,006 फलस्तीनी मारे गए है और 109,378 घायल हुए है। इसने कहा है कि मरने वालो मे आधे से ज्यादा महिलाएं और बच्चे है। मंत्रालय ने यह नही बताया कि मरने वालो में कितने लड़ाके या नागरिक थे। इजराइली सेना ने बिना कोई सबूत दिए कहा है कि उसने 17,000 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया है।

चाड के राष्ट्रपति भवन पर हमला, सुरक्षा बलों ने 18 हमलावरों को मार गिराया

नदजामेना। चाड के राष्ट्रपति भवन पर हुए हमले के बाद सुरक्षा बलों ने 18 हमलावरों को मार गिराया और छह को हिरासत में ले लिया। इस हमले में एक सैनिक मारा गया और तीन घायल हुए हैं। मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी बुधवार रात को यह हमला उस समय हुआ जब चाड के राष्ट्रपति महामत डेबी इत्नो अपने आवास के अंदर थे। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि स्थिति पर शीघ्र ही नियंत्रण पा लिया गया।चारों ओर सैनिकों से घिरे विदेश मंत्री अब्देरमन कौलमल्ला ने लाइव फेसबुक प्रसारण में कहा, स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। डर की कोई बात नहीं है। सरकारी टीवी चैनल को दिए गए एक साक्षात्कार में विदेश मंत्री ने हमलावरों को नशे में धुत बताया। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह आतंकवादी हमला था, तो उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं था, क्योंकि हमलावर राजधानी नदजामेना के स्थानीय युवक थे। यह हमला ऐसे दिन हुआ जब चीन के विदेश मंत्री वांग ई चाड की यात्रा पर हैं। हमले के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर अफवाहें फैलीं कि यह हमला आतंकवादी संगठन बोको हराम द्वारा कराया गया है।

ट्रंप सरकार में भी यूक्रेन को सैन्य सहायता जारी रहनी चाहिएः जेलेंस्की और ऑस्टिन

भाषा। रामस्टीन एयर बेस (जर्मनी)

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने बृहस्पतिवार को अपनी अंतिम बैठक में कहा कि अगली ट्रंप सरकार को यूक्रेन की सैन्य सहायता जारी रखनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अब सैन्य समर्थन बंद कर दिया गया तो इससे केवल और केवल आक्रामकता, अराजकता एवं युद्ध बढ़ेगा। जेलेंस्की ने कहा, हम इतनी लंबी दूरी तय कर चुके हैं कि अब युद्ध को छोड़ देना और हमारे द्वारा बनाए गए रक्षा गठबंधनों को आगे नहीं बढ़ाना वास्तव में पागलपन होगा। दुनिया में चाहे जो भी हो रहा हो, हर कोई यह सुनिश्चित करना चाहता है कि उनका देश नक्शे से न मिटे। ऑस्टिन ने अमेरिका द्वारा यूक्रेन को 50 करोड़ डॉलर की सुरक्षा सहायता भेजे जाने की भी घोषणा की इस सहायता में लड़ाकू विमानों के लिए मिसाइल, एफ-16 के लिए उपकरण, बख्तरबंद पुल प्रणाली और छोटे हथियार तथा गोला-बारूद भी शामिल हैं।ऑस्टिन ने पिछले तीन वर्षों से यूक्रेन के लिए हथियारों और सैन्य सहायता के समन्वय के लिए बैठकें कर रहे लगभग 50 सदस्य देशों से कहा, अगर पुतिन यूक्रेन को निगल जाते हैं तो उनकी भूख और बढ़ेगी। उन्होंने कहा, अगर तानाशाह यह मान ले कि लोकतंत्र अपनी जड़ें खो देगा, अपने हितों को त्याग देगा और अपने सिद्धांतों को भूल जाएगा तो हम और अधिक भूमि पर कब्जा देखेंगे। अगर तानाशाह यह सीख जाते हैं कि आक्रामकता लाभकारी है तो हम और अधिक आक्रामकता, अराजकता एवं युद्ध देखेंगे।

चीन ने उइगर चरमपंथियों को सीरियाई सेना में शीर्ष पदों पर नियुक्त किए जाने पर चिंता जताई

बीजिंग। चीन ने उइगर चरमपंथियों के प्रतिबंधित समूह ईस्ट तुर्कमेनिस्तान इस्लामिक मूवमेंट (ईटीआईएम) के सदस्यों समेत विदेशी चरमपंथियों को सीरिया की सेना में उच्च पदों पर नियुक्त किए जाने पर गहरी चिंता जताई है ईटीआईएम चीन के अशांत शिनजियांग प्रांत में सक्रिय है। चीन ईटीआईएम को आतंकवादी संगठन और शिनजियांग प्रांत के कई शहरों में हुए हमलों का दोषी मानता है।संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थाई प्रतिनिधि फू कांग ने बुधवार को सीरिया पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक के दौरान इस बारे में चिंता जताई कांग ने कहा कि चीन उन खबरों को लेकर बहुत चिंतित है, जिनमें कहा गया है कि सीरियाई सेना ने हाल ही में कई विदेशी आतंकियों को उच्च पदों पर नियुक्त किया है, जिनमें प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तुर्किस्तान इस्लामिक पार्टी यानी ईटीआईएम की परिषद का प्रमुख भी शामिल है।

यूनान में पूर्व पीएम का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

एथेंस। यूनान के पूर्व प्रधानमंत्री कोस्टास सिमिटिस का बृहस्पतिवार को राजधानी एथेंस में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। सिमिटस के अंतिम दर्शन के लिए सेंट्रल कैथेड्रल के बाहर सड़क पर बड़ी संख्या में शोक संतप्त लोग जमा हुए। सिमिटिस का पिछले सप्ताहांत 88 साल की उम्र में निधन हो गया था। उन्हे यूनान को यूरोपीय संघ (ईयू) की आम मुद्रा में शामिल कराने का श्रेय दिया जाता है। यूनान के विकास में सिमिटिस के योगदान को मान्यता देने के लिए उन्हे मौजूदा प्रधानमंत्री को दिए जाने वाले सभी सम्मान के साथ दफनाया जाएगा।

पत्नी केट को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

लंदन। प्रिंस विलियम ने वेल्स की राजकुमारी की प्रशंसा की और बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर उनके 43वें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें असाधारण पत्नी एवं मां बताया।संदेश में पिछले साल का जिक्र किया गया, जिसमे केट को लंबी बीमारी का सामना करना पड़ा। पिछले 12 महीनो मे उनके पेट की सर्जरी हुई, कैंसर की पुष्टि हुई और उनकी कीमोथेरेपी की गई। विलियम ने अपने तीन बच्चों के साथ संयुक्त संदेश में लिखा, सबसे बेहतरीन पत्नी और मां के लिए।

लेबनान की संसद ने सैन्य कमांडर औन को राष्ट्रपति चुना

बेरूत। लेबनान की संसद ने बृहस्पतिवार को देश के सैन्य कमांडर जोसेफ औन को राष्ट्राध्यक्ष के रूप में चुनने के लिए मतदान किया, जिससे दो वर्ष से रिक्त इस पद पर उनकी नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया। यह सत्र पूर्व राष्ट्रपति मिशेल औन का उत्तराधिकारी चुनने के लिए विधायिका का 13वां प्रयास था, जिनका कार्यकाल अक्टूबर 2022 मे समाप्त हो गया था। मिशेल औन का सैन्य कमांडर जोसेफ से कोई संबंध नही है। यह मतदान इजराइल और लेबनानी उग्रवादी समूह हिजबुल्ला के बीच 14 महीने से जारी संघर्ष को रोकने वाले एक अस्थिर युद्धविराम समझौते के कुछ सप्ताह बाद और ऐसे समय मे हुआ है जब लेबनान के नेता पुनर्निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय सहायता की मांग कर रहे है।

दुबई साल भर घूमने लायक गंतव्य

दुबई। चाहे आप पहली बार दुबई जा रहे हों या पहले भी जा चुके हों। दुबई को अपनी अगली छुट्टी के लिए चुनने के सैकड़ों कारण हैं। प्रतिष्ठित स्थलों, पुरस्कार विजेता खाने, विश्वस्तरीय आतिथ्य और रोमांचक अनुभवों से भरपूर, यहां हमने 2025 में दुबई घूमने के 25 सबसे अच्छे कारण बताए हैं। सालभर घूमने लायक गंतव्य,प्रतिष्ठित स्थल, सांस्कृतिक खोजएनए होटलों में ठहरेंएनए या पुरस्कार विजेता रेस्तरां में भोजन करें,बीच या बीच क्लब में एक दिन,पुराने दुबई को एक्सप्लोर करें एशहर भर में होने वाले त्यौहार और कार्यक्रम दुबई में रमज़ान, किसी कॉन्सर्ट या शो का आनंद लें। दुबई की कलात्मक छविएपूरे परिवार के लिए मौज मस्ती,शैक्षिक यात्राएप्राकृतिक आकर्षण,हट्टा में बाहरी गतिविधियां,रिटेल थेरेपी का मज़ाएदुबई में सोलो ट्रिप करे। एस्ट्रो एडवेंचरपर जाएं,आराम और सुकून के लिए जगह,एलीट स्पोर्ट्स का आनंद लें फिट और स्वस्थ रहें। दुबई में कहें आई डू दुबई में स्टॉप ओवर करें। भूमि, पानी और हवा के टूर,त्यौहारी सीज़न का जश्न मनाएं।

बौद्ध भिक्षु को सजा सुनाई

कोलंबो। कोलंबो मजिस्ट्रेट अदालत ने 2016 मे इस्लाम को लेकर की गई टिप्पणियो के मामले मे एक कट्टरपंथी श्रीलंकाई बौद्ध भिक्षु को बृहस्पतिवार को नौ महीने के कारावास की सजा सुनाई। कोलंबो के अतिरिक्त मजिस्ट्रेट पासन अमरसेना ने भिक्षु गैलागोडा अथथे ज्ञानसारा (49) पर।,500 रुपए का जुर्माना भी लगाया।

कैलिफोर्निया में जंगल में लगी आग के कारण ऑस्कर नामांकन में देरी

लॉस एंजिलिस (अमेरिका)। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया क्षेत्र के जंगल में लगी भीषण आग के कारण 97वें अकादमी पुरस्कार के लिए नामांकन की घोषणा 19 जनवरी तक स्थगित कर दी गई है। ऑस्कर के लिए नामांकन की घोषणा मूल रूप से 17 जनवरी को निर्धारित थी। वैरायटी के अनुसार, अकादमी ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बिल क्रेमर की ओर से सदस्यों को बुधवार दोपहर को तारीख में परिवर्तन के संबंध में एक ईमेल भेजा। ईमेल में लिखा है, हम दक्षिणी कैलिफोर्निया में लगी विनाशकारी आग से प्रभावित लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहते हैं। हमारे कई सदस्य और उद्योग के सहयोगी लॉस एंजिलिस क्षेत्र में रहते और काम करते हैं तथा हम आपके विषय में सोच रहे हैं। वहीं, ऑस्कर नामांकन के लिए मतदान की समय सीमा दो दिन बढ़ाकर 14 जनवरी कर दी गई है। लगभग 10,000 अकादमी सदस्यों के लिए मतदान आठ जनवरी को शुरू हुआ था और इसे 12 जनवरी को समाप्त होना था। कॉनन ओब्रायन 2025 के ऑस्कर समारोह की मेजबानी करेंगे, जो दो मार्च को लॉस एंजिलिस के डॉल्बी थिएटर में आयोजित होगा। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, बुधवार रात हॉलीवुड हिल्स में आग तेजी से फैल गई जिससे लॉस एंजिलिस के सबसे प्रतिष्ठित स्थानों में से एक हॉलीवुड हिल्स को खतरा पैदा हो गया। आग में पांच लोगों की मौत हो गई और।,00,000 से अधिक लोगों को घर खाली कर सुरक्षित स्थानों पर जाने के आदेश दिए गए है।

ट्रंप ने उच्चतम न्यायालय से हश मनी मामले में सजा सुनाए जाने पर रोक लगाने का अनुरोध किया

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क में उच्चतम न्यायालय से पॉर्न स्टार को गुप्त रूप से भुगतान (हश मनी) करने के मामले में शुक्रवार को सजा सुनाने पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। न्यूयॉर्क में न्यायाधीश जुआन एम. मर्चन की अदालत शुक्रवार को ट्रंप को सजा सुनाएगी। सजा सुनाए जाने पर रोक लगाने से न्यूयॉर्क की अदालतों के इनकार के बाद ट्रंप के वकीलों ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया। मर्चन ने इस मामले पर सुनवाई करने के बाद पिछले साल मई में ट्रंप को 34 आपराधिक आरोपों में दोषी पाया था। हालांकि ट्रंप आरोपों से इनकार करते रहे हैं। अभियोजन पक्ष पर बृहस्पतिवार को सुबह अदालत में अपना जवाब दाखिल कर सकता है। ट्रंप की टीम ने उच्चतम न्यायालय से सजा सुनाए जाने पर तत्काल रोक लगाने का अनुरोध किया है और कहा है कि इससे राष्ट्रपति पद की शपथ लेने की उनकी तैयारियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। ट्रंप को 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेनी है। हालांकि मर्चन ने संकेत दिए हैं कि वह ट्रंप को जेल की सजा नहीं सुनाएंगे और न ही कोई जुर्माना या रोक लगाएंगे, लेकिन ट्रंप के वकीलों का कहना है कि केवल दोषी करार दिए जाने पर भी ट्रंप की छवि को गहरा नुकसान पहुंचेगा। वकील व ट्रंप के आगामी कार्यकाल के लिए सॉलीसिटर जनरल चुने गए जॉन सॉसर और न्याय विभाग में दूसरे उच्चस्तरीय भावी अधिकारी टॉड ब्लेंच ने उच्चतम न्यायालय में आपात सुनवाई के लिए याचिका दायर की है। वकीलों ने कहा है कि सजा सुनाए जाने में देरी होनी चाहिए और वे राष्ट्रपति पद और संघीय सरकार के प्रति घोर अन्याय व नुकसान को रोकनै के लिए सजा सुनाए जाने के खिलाफ अपील कर रहे हैं। इस बीच, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश सैमुअल एलिटो ने अपने पूर्व लॉ क्लर्क के कहने पर ट्रंप से फोन पर बात की। एलिटो ने कहा कि उनके पूर्व लॉ क्लर्क विलियम लेवी ने मंगलवार दोपहर को ट्रंप से फोन पर बात कराई क्योंकि लेवी आगामी ट्रंप प्रशासन में नौकरी के लिए सिफारिश करवाना चाहते थे। न्यायाधीश अक्सर शीर्ष सरकारी व कानूनी संस्थानों की नौकरियों के लिए अपने पूर्व क्लर्कों के नामों की सिफारिश करते हैं, लेकिन राष्ट्रपति से सीधे संपर्क होना असामान्य प्रतीत होता है। एलिटो ने कहा कि हालांकि दोनों के बीच हश मनी मामले में ट्रंप की आपात याचिका या किसी अन्य अदालती मामले पर कोई बात नहीं हुई। एलिटो ने एक बयान में कहा, हमारी बातचीत के समय मुझे इस बात की जानकारी भी नहीं थी कि ऐसा कोई आवेदन दायर किया जाएगा। न्यायाधीश ने कहा कि भविष्य में न्यायालय के समक्ष आने वाले किसी अन्य मामले पर भी चर्चा नहीं हुई।

ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के लिए 17 करोड़ अमेरिकी डॉलर का चंदा दिया गया

वाशिंगटन। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगामी शपथ ग्रहण समारोह के लिए रिकॉर्ड 17 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का चंदा दिया गया है। बड़े कारोबारियों और दानदाताओं ने समारोह के लिए बढ़-चढ़कर चंदा दिया है। यह जानकारी धन जुटाए जाने के बारे मे प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने दी है, जो सार्वजनिक रूप से बात करने के लिए अधिकृत नही है। ट्रंप की शपथ ग्रहण समारोह से संबंधित समिति ने बुधवार को प्रतिक्रिया मांगे जाने पर कोई जवाब नही दिया। समिति ने अभी तक यह विस्तृत रूप से नही बताया है कि वह चंदे की राशि को कैसे खर्च करने की योजना बना रही है। चंदे का इस्तेमाल आम तौर पर शपथ ग्रहण कार्यक्रमों से जुड़े खर्चो के भुगतान के लिए किया जाता है, जैसे कि परेड आदि।

गाजा में इजराइली बंधक का शव बरामद, बराबर में मिला शव बेटे का होने की आशंका : सेना

यरूशलम। इजराइली सैनिकों ने दक्षिण गाजा में एक भूमिगत सुरंग से 53 वर्षीय व्यक्ति का शव बरामद किया है। सेना ने बुधवार को यह जानकारी दी। सेना यह पता लगा रही है कि उसके पास मिला दूसरा शव कहीं उसके बेटे का तो नहीं है। इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम समझौते को लेकर बातचीत के बीच यूसुफ अलजायदनी का शव मिला है। समझौता होने से गाजा में बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई हो सकती है जबकि युद्ध पर विराम लग सकता है। इजराइल ने 100 में से कई बंधकों को मृत घोषित कर दिया है, हालांकि उसे लगता है कि लगभग आधे बंधक जीवित हो सकते हैं। माना जा रहा है कि बुधवार को शव मिलने से कुछ समय पहले तक यूसुफ और उनका बेटा हमजा अलजायदनी जिंदा रहे होंगे। अलजायदनी की मौत से इजराइल पर समझौते को लेकर आगे बढ़ने का दबाव बन गया है। अलजायदनी और उनके तीन बच्चे उन 250 बंधकों में शामिल थे जिन्हें हमास के चरमपंथियों ने दक्षिणी इजराइल में घुसकर बंधक बना लिया था। हमास के हमले में।,200 लोगों की मौत हुई थी।

पाकिस्तान में तीन हिंदू युवकों का अपहरण

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अपराधियों ने तीन हिंदुओं का अपहरण कर लिया है। अपराधियों ने पुलिस से मांग की है कि वह उनके साथियों को छोड़ दे अन्यथा वे अपहृत लोगों की हत्या कर देंगे। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यहां से करीब 400 किलोमीटर दूर पंजाब प्रांत के रहीम ार खान जिले के भोंग क्षेत्र में अपहरण की यह घटना घटी। पुलिस के अनुसार, जब तीन हिंदू युवक (शमन, शमीर और साजन) भोंग में चौक सवेत्रा बेसिक हेल्थ यूनिट (बीएचयू) के पास मौजूद थे, तब पांच सशस्त्र डकैत उन्हें अगवा कर कच्चा (नदी क्षेत्र) क्षेत्र में ले गए। बाद में इन डकैतों के सरगना आशिक कोराई ने एक वीडियो संदेश जारी किया और अहमदपुर लामा थाने के पुलिस अधिकारी राणा रमजान को चेतावनी दी कि वह कोराई परिवार के दस सदस्यों को रिहा कर दें, वरना वे (डकैत) न केवल अपहृत हिंदू युवकों कीहत्या कर देंगे बल्कि पुलिस पर भी हमला करेंगे।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से 16 मजदूरों का अपहरण

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बृहस्पतिवार को हथियारबंद लोगों ने कम से कम 16 मजदूरों का अपहरण कर लिया। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी ।ए मजदूर एक सरकारी प्रतिष्ठान में काम करते थे और उन्हें उस वक्त अगवा किया गया जब वे एक वाहन से निर्माण स्थल जा रहे थे ।बाद में अपहरणकर्ताओं ने कबाल खेल क्षेत्र में वाहन को आग लगा दी। किसी भी समूह ने अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है। प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) इस क्षेत्र में सक्रिय है और अतीत में वह इस तरह की घटनाओं में लिप्त रहा है ।टीटीपी को अल-कायदा का करीबी माना जाता है और 2007 में यह कई आतंकवादी संगठनों को मिला कर बना था। इस संगठन को पाकिस्तान में कई घातक हमलों के लिए जिम्मेदार माना जाता है।

फिजी में भारतीयों का इतिहास पर पुस्तक का विमोचन

फिजी। प्रख्यात लेखिका और शिक्षाविद् डॉ. रेखा चतुर्वेदी ने अपनी पीएचडी शोध पर आधारित पुस्तक फिजी में भारतीयों का इतिहास तथा उनका जीवन (1879-1947) का विमोचन प्रवासी भारतीय दिवस के शुभ अवसर पर किया। 18वें प्रवासी भारतीय दिवस का उद्घाटन भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। डॉ. रेखा चतुर्वेदी स्वर्गीय पंडित बनारसी दास चतुर्वेदी (राज्यसभा सांसद) की पोती हैं। पंडित बनारसी दास चतुर्वेदी ने प्रवासी भारतीयों पर उल्लेखनीय कार्य किया है। डॉ. रेखा चतुर्वेदी ने कहा, फिजी में भारतीयों का इतिहास तथा उनका जीवन (1879-1947) भारतीय गिरमिटिया मजदूरों के जीवन और उनके संघर्षों पर गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। यह पुस्तक भारतीय प्रवासी समाज के बलिदानों को पहचानने और उनकी कहानियों को आने वाली पीढ़ियों के लिए संजोने का आह्वान भी करती है। गिरमिटिया मजदूरों को उस समय के ब्रिटिश शासन के दौरान कुली के नाम से जाना जाता था। यह भारत के औपनिवेशिक इतिहास का एक दर्दनाक और शर्मनाक हिस्सा है। दक्षिण अफ्रीका, मॉरीशस, त्रिनिदाद, गुयाना और फिजी जैसे देशों में इन गिरमिटिया मजदूरों को अमानवीय परिस्थितियों में कठोर और अत्यंत कठिन कार्य करने के लिए मजबूर किया गया।

फर्जी लव स्टोरी पूरी दुनिया में दिखेगी

मुंबई। ऑनलाइन प्यार और ऑफलाइन ड्रामा की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि अमेज़न एमएक्स प्लेयर, अमेज़न की मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा, ने अपने आगामी रोमांस ड्रामा एक फ़र्ज़ी लव स्टोरी की घोषणा की। यह सीरीज सुमृत शाही और दुर्जॉय दत्ता द्वारा लिखी गई है और इसे आरंभ एम सिंह द्वारा निर्देशित और डाइस मीडिया द्वारा निर्मित किया गया है। सीरीज के ट्रेलर में कृतिका और मानव की यात्रा की एक झलक देखने को मिलती है, जो अपने बंधन के दौरान भावनाओं के उतार-चढ़ाव से गुजरते हैं! सोशल मीडिया पर कंटेंट क्रिएशन और इंफ्लुएंसरों की दुनिया को उजागर करते हुए, एक फर्ज़ी लव स्टोरी डिजिटल दुनिया में प्यार, दोस्ती, करियर और तात्कालिक प्रसिद्धि की जटिलताओं का अनावरण करती है। इस रोमांस ड्रामा में अंशुमान मल्होत्रा, रीम समीर शेख, मानसी टक्सक, मोहित हिरनंदानी और अभिषेक वर्मा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। एक फर्ज़ी लव स्टोरी 10 जनवरी से अमेज़न एमएक्स प्लेयर पर विशेष रूप से मुफ्त स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। कंटेंट हेड, अमोध दुसाद ने कहा, एक फर्ज़ी लव स्टोरी के साथ, हम अपने दर्शकों के लिए एक अनोखी प्रेम कहानी लेकर आ रहे हैं, जो आधुनिक रिश्तों की जटिल और अप्रत्याशित प्रकृति को दिखाती है।

पोप ने अपने सहायक को बुलाया

रोम। पोप फ्रांसिस ने बृहस्पतिवार को राजदूतों से कहा कि वह अपना वार्षिक विदेश नीति भाषण देने में सक्षम नहीं हैं तथा उन्होंने अपने एक सहयोगी से इसे देने को कहा है ।फ्रांसिस ने अपने भाषण की शुरुआत हॉल ऑफ ब्लेसिंग में एकत्रित राजदूतों का अभिवादन करते हुए की। पोप (88) ने कहा कि वह अभी भी सर्दी से जूझ रहे हैं और उन्होंने अपना भाषण एक सहयोगी को सौंप दिया है।

लॉस एंजिलिस में लगी भीषण आग में कई हस्तियों के घर जलकर राख

भाषा। लॉस एंजिलिस

अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर और उसके आसपास लगी भीषण आग में बिली क्रिस्टल, मैंडी मूर और पेरिस हिल्टन समेत विभिन्न हस्तियों के मकान जलकर राख हो गए। कैलिफोर्निया के दमकलकर्मी तेज हवाओं के कारण इलाके में दूर-दूर तक फैल रही आग को बुझाने में जुटे हुए हैं, जिसकी वजह से कई मकान तबाह हो गए हैं और सड़कें जाम हो गई हैं। हजारों लोग सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं। मंगलवार रात लगी आग पर काबू नहीं पाया जा सका, जिसके कारण संसाधनों पर भारी दबाव पड़ा है ।घटना में पांच लोगों की मौत हो गई तथा एक लाख से अधिक लोगों को दूसरे स्थानों पर जाने का आदेश दिया गया है। आग मंगलवार रात हॉलीवुड बाउल के निकट और हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम से कुछ ही दूरी पर लगी। क्रिस्टल और उनकी पत्नी जेनिस ने बुधवार को एक बयान जारी करके बताया कि पेसिफिक पेलिसेड्स के पास उनका 45 वर्ष पुराना घर बर्बाद हो चुका है। क्रिस्टल ने बयान में कहा, जेनिस और मैं 1979 से इस घर में रह रहे थे। हमने अपने बच्चों के बच्चों को यहीं पाला है। हमारे घर का हर कोना खूबसूरत यादों से भरा हुआ था। बेशक हम बहुत दुखी हैं, लेकिन अपने बच्चों और दोस्तों के प्यार के सहारे हम इस दुख से उबर जाएंगे।

भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन के अध्यक्ष ने सेवानिवृत्त पाक सैन्य अधिकारी को भेजा 50 करोड़ का नोटिस

लाहौर। लाहौर की एक गैर-लाभकारी संस्था के अध्यक्ष ने बुधवार को एक सेवानिवृत्त पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी को महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह को ैअपराधी ै करार देने के लिए बिना शर्त माफी मांगने को कहा है। साथ ही उन्होंने अधिकारी को कानूनी नोटिस भेजकर 50 करोड़ रुपए का हर्जाना मांगा है। यह कानूनी नोटिस लाहौर मेट्रोपोलिटन कॉरपोरेशन के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी एवं पाकिस्तान सशस्त्र बलों से सेवानिवृत्त अधिकारी तारिक मजीद को अधिवक्ता खालिद जमा खान के माध्यम से भेजा गया है। मजीद ने भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन पाकिस्तान के अध्यक्ष इम्तियाज रशीद कुरैशी पर विदेशी अनुदान लेने का आरोप लगाया है तथा महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह को ैअपराधी ै कहा है। ेरे मुवक्किल (भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन पाकिस्तान के अध्यक्ष इम्तियाज रशीद कुरैशी) एक देशभक्त हैं और देश व इस्लाम के प्रति ईमानदार हैं... और अपनी क्षमता के अनुसार जीवन व्यतीत कर रहे हैं तथा उन्होंने पाकिस्तान या विदेश में किसी भी व्यक्ति या समूह से एक भी पैसा नहीं लिया है। नोटिस में कहा गया है कि उनके मुवक्किल (कुरैशी) का उद्देश्य आम आदमी की बेहतरी के लिए लड़ना और पाकिस्तान और भारत को करीब लाना है ताकि आम लोगों को फायदा हो सके। नोटिस में भगत सिंह के बारे में कहा गया है: राष्ट्रपिता कायदे-आज़म मोहम्मद अली जिन्ना ने 12.09.1929 को सेंट्रल असेंबली दिल्ली में भगत सिंह की सराहना की थी...।

जैतून का तेल स्वास्थ्यवर्धक, पत्तों का अर्क भी हमारे लिए लाभदायक

भाषा। एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया)

जैतून का तेल भूमध्यसागरीय आहार का पर्याय है और इसके स्वास्थ्य लाभ सर्वविदित हैं। जैतून का तेल हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह और असमय मृत्यु के जोखिम को कम करता है। जैतून में कई स्वास्थ्यवर्धक पोषक तत्व भी होते हैं। अब जैतून के पत्तों के स्वास्थ्य लाभ के बारे में प्रमाण बढ़ रहे हैं जिनमें हाल में किए गए एक अध्ययन से प्राप्त साक्ष्य भी शामिल हैं। आइए जानते हैं, जैतून के पत्तों में क्या होता है और जैतून के पत्तों का अर्क लेने से किसे लाभ हो सकता है। जैतून के पत्तों में क्या होता है?- जैतून के पत्तों को पारंपरिक रूप से भूमध्य सागर क्षेत्र में चाय के रूप में इस्तेमाल किया जाता है और बुखार एवं मलेरिया के इलाज में यह चाय पी जाती है। जैतून की पत्तियों में ओलेयूरोपिन नामक एक प्रकार का एंटीऑक्सीडेंट उच्च मात्रा में पाया जाता है। जैतून और जैतून के तेल में भी यह पाया जाता है, लेकिन कम मात्रा में। आम तौर पर, पत्ती जितनी हरी होती है (कम पीली) उसमें उतना ही अधिक ओलेरोपिन होता है। जैतून के पत्तों में अन्य एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं जैसे हाइड्रॉक्सीटायरोसोल , ल्यूटोलिन , एपिजेनिन और वर्बास्कोसाइड। एंटीऑक्सीडेंट शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करते हैं। ऑक्सीडेटिव तनाव हमारे डीएनए (डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड), कोशिका झिल्ली और ऊतकों को नुकसान पहुंचाता है, जिससे कैंसर और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। क्या जैतून के पत्ते स्वास्थ्यवर्धक हैं?- इस संबंध में की गई समीक्षा और विश्लेषण में 819 प्रतिभागियों के साथ 12 प्रयोगात्मक अध्ययनों से प्राप्त आंकड़ों को शामिल किया गया है। इसमें पता चला कि जैतून के पत्ते के अर्क ने हृदय रोग के जोखिम कारकों में सुधार किया। इसमें स्वस्थ रक्त लिपिड (वसा) और रक्तचाप को कम करना शामिल था। इस समीक्षा के तहत किए गए अधिकांश अध्ययनों में प्रतिभागियों को जैतून के पत्ते के अर्क को कैप्सूल के रूप में दिया गया था। पिछले साल के अंत में प्रकाशित एक अन्य समीक्षा और विश्लेषण में 12 प्रायोगिक अध्ययनों का डाटा देखा गया, जिसमें कुल 703 लोग शामिल थे। इनमें से कुछ अध्ययनों में उच्च रक्त लिपिड वाले लोग, उच्च रक्तचाप वाले लोग, अधिक वजन वाले या मोटे लोग शामिल थे और कुछ में स्वस्थ लोग शामिल थे। एक अन्य समीक्षा में उन लोगों को शामिल किया गया जिन्होंने ओलेरोपिन और हाइड्रोक्सीटायरोसोल (जैतून के पत्तों में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट) लिया। इससे शरीर के वजन, रक्त लिपिड प्रोफाइल, ग्लूकोज मेटाबोलिज्म और हड्डियों, जोड़ों एवं ज्ञान संबंधी मस्तिष्क के कौशल (साक्षरता, तर्क शक्ति, सोचने समझने की शक्ति आदि) में महत्वपूर्ण सुधार पाया गया। ए अध्ययन बताते हैं कि जैतून के पत्तों का अर्क रक्तचाप को कम करने, रक्त लिपिड में सुधार करने और हमारे शरीर में ग्लूकोज के संतुलन में मदद कर सकता है। लेकिन ए अध्ययन असंगत परिणाम दिखाते हैं। यह संभवतः लोगों द्वारा जैतून के पत्तों के अर्क को लेने के तरीके, उन्होंने कितना लिया और कितने समय तक लिया, इसमें अंतर के कारण है। इस प्रकार की असंगति आम तौर पर हमें बताती है कि हमें जैतून के पत्तों के स्वास्थ्य प्रभावों को स्पष्ट करने के लिए कुछ और शोध की आवश्यकता है। क्या आप जैतून के पत्ते खाते हैं?- जैतून के पत्तों को चाय के रूप में पीया जा सकता है, या सलाद में भी डाला जा सकता है। कुछ लोग जैतून के पत्तों को पीसकर स्मूदी (तरल पेय) बनाने की भी सलाह देते हैं।

एनीमिया के दूसरे प्रकारों से अलग है एप्लास्टिक एनीमिया

एप्लास्टिक एनीमिया एक दुर्लभ रक्त रोग है। इसमें बोन मैरो असामान्य स्टेम कोशिकाएं बनाता है यह रोग अक्सर पैतृक आधार पर चलता है और आमतौर पर इसका पता बचपन या किशोरवय में लगता है। एनीमिया में शरीर लाल रक्त कोशिकाओं को पर्याप्त मात्रा में नहीं बना पाता, जबकि एप्लास्टिक एनीमिया केवल एनीमिया नहीं है बल्कि इसे पैंसीटोपेनिया कहा जाता है यह एक मेडिकल स्थिति है जिसमें सभी प्रकार की रक्त कोशिकाओं की संख्या में महत्वपूर्ण कमी हो जाती है। इसमें ल्यूकोपेनिया में सफेद रक्त कोशिकाओं की कमी होती है। एनीमिया में लाल रक्त कोशिकाएं कम हो जाती हैं और थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया में प्लेटलेट्स की कमी होती है। यह सभी समस्याएं बोनमैरो के पूरी तरह से काम बंद करने के कारण होती हैं। केजीएमयू लखनऊ यूपी में डीएम क्लिनिकल हीमैटोलॉजी डॉ. एस.पी वर्मा कहते हैं एप्लास्टिक एनीमिया व्यक्ति के जीवन को काफी प्रभावित करता है। इसमें थकान महसूस होती है चक्कर आते हैं और रोजमर्रा के काम सामान्य रूप से करने में व्यक्ति थकावट महसूस करता है। इससे मरीज को गंभीर रक्तस्राव या बार-बार संक्रमण हो सकते हैं जिससे मरीजों को बार-बार अस्पताल में भर्ती होने और खून चढ़ाने की जरूरत पड़ती है। मेदांता हॉस्पिटल, लखनऊ में हीमैटोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. अंशुल गुप्ता कहते हैं एप्लास्टिक एनीमिया के मरीजों की उत्तरजीविता दर 75-80 प्रतिशत है, लेकिन इस बीमारी का जल्दी से जल्दी इलाज कराना बहुत जरूरी है। कुछ गंभीर मामलों में पूरे बोनमैरो के ट्रांसप्लांट की जरूरत हो सकती है। इससे व्यक्ति के जीवित रहने की संभावना ब? सकती है। यह स्थिति व्यक्ति और उनके परिवारों के लिए चिंता का कारण हो सकती है, लेकिन यह एक ऐसी बीमारी है जिसका इलाज संभव है और इलाज का खर्च भी ज्यादा नहीं होता।

मंधाना की कप्तानी में भारतीय टीम की नजरें जीत की लय कायम रखने पर

आयरलैंड के खिलाफ मुकाबला आज

भाषा। राजकोट

वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम स्मृति मंधाना की कप्तानी में आयरलैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रही पहली महिला द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में इस लय को कायम रखना चाहेगी। भारत ने वेस्टइंडीज को वनडे श्रृंखला में 3-0 से और टी20 में 2-1 से हराया। मंधाना ने दोनों प्रारूपों में सर्वाधिक रन बनाए जिसमें वनडे श्रृंखला में 148 और टी20 में 193 रन शामिल है। मंधाना उसी फॉर्म को आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला में जारी रखना चाहेंगी। नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर की गैर मौजूदगी में वह कप्तानी की भी जिम्मेदारी संभालेंगी। हरमनप्रीत और तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को आराम दिया गया है। हरमनप्रीत और रेणुका की गैर मौजूदगी में हरलीन देयोल, प्रतीका रावल और जेमिमा रौड्रिग्स पर रन बनाने की जिम्मेदारी होगी। देयोल ने वनडे श्रृंखला में 160 रन बनाए जबकि रावल ने 134 और जेमिमा ने 112 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में रेणुका की कमी खलेगी जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दस विकेट लिए थे। अब नई गेंदबाज टिटास साधू और साइमा ठाकोर पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। वनडे में तीन और टी20 में 13 विकेट ले चुकी साधू पर शुरूआती विकेट लेने की जिम्मेदारी होगी। उन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी रफ्तार और स्विंग से प्रभावित किया है। वहीं साइमा ने अब तक आठ वनडे में सात विकेट लिए हैं। आफ स्पिनर और उपकप्तान दीप्ति शर्मा की भूमिका भी अहम होगी जिसने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में 31 रन देकर छह विकेट लिए। उनका साथ देने के लिए प्रिया मिश्रा और तनुजा कंवर होंगी। हरफनमौला राघवी बिष्ट और सयाली सतघरे को भी टीम में जगह दी गई है जो इस मौके को भुनाना चाहेंगी। दूसरी ओर गैबी लुईस की कप्तानी वाली आयरलैंड टीम के लिए भारत की चुनौती कठिन होगी।

शेफाली टीम की योजना में शामिल हैः मंधाना

राजकोट। भारतीय महिला टीम की कप्तान स्मृति मंधाना ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले साल खराब प्रदर्शन के कारण बाहर की गई सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा निश्चित रूप से टीम की योजना में बनी हुई हैं। नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर को आराम दिए जाने के कारण मंधाना आयरलैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगी। इस श्रृंखला के लिए हरमनप्रीत के साथ तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर को भी आराम दिया गया है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से पहचान बनाने वाली शेफाली को दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था। मंधाना ने आयरलैंड के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, हरमनप्रीत को आराम दिया गया है। शेफाली पिछली दो या तीन एकदिवसीय श्रृंखलाओं में टीम का हिस्सा नहीं है। उनकी गैरमौजूदगी में प्रतिका (रावल) ने पिछली श्रृंखला में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया था। शेफाली ने इस दौरान घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाए है और वह निश्चित रूप से राष्ट्रीय टीम की योजना में शामिल है। मंधाना ने कहा, मैं खुश हूं कि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाए।

तोमर के शतक से राजस्थान क्वार्टरफाइनल में

विजय हजारे ट्रॉफी :शमी के तीन विकेट के बावजूद बंगाल हारा

भाषा। वडोदरा

सलामी बल्लेबाज अभिजीत तोमर के शानदार शतक की बदौलत राजस्थान ने बृहस्पतिवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी के इतिहास में पहली बार तमिलनाडु पर जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। तोमर ने कोटाम्बी स्टेडियम में 125 गेंद में 111 रन की पारी खेलने के अलावा कप्तान महिपाल लोमरोर (49 गेंद में 60 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 160 रन की भागीदारी निभाई। इसके बावजूद राजस्थान की टीम 47.3 ओवर में 267 रन पर सिमट गई। तमिलनाडु और भारत के रहस्यमई स्पिनर वरूण चक्रवर्ती ने प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाड़ियों को परेशान करते हुए पांच विकेट झटके लेकिन टीम को जीत दिलाने के लिए सिर्फ उनका ही प्रदर्शन काफी नहीं था। चक्रवर्ती (22 गेंद में 18 रन) ने बल्ले से भी योगदान दिया क्योंकि दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे और वह आउट होने वाले अंतिम खिलाड़ी रहे जिससे तमिलनाडु की टीम 47.1 ओवर में 248 रन पर ढेर हो गई। राजस्थान के तेज गेंदबाज अमन सिंह शेखावत (58 रन देकर तीन विकेट) ने चक्रवर्ती का विकेट झटका। राजस्थान की टीम रविवार को होने वाले क्वार्टरफाइनल में विदर्भ से भिड़ेगी। विजेता टीम के लिए निश्चित रूप से तोमर स्टार रहे जो नई गेंद से शुरू में जूझने के बाद लिस्ट ए में अपना चौथा शतक जड़ने में कामयाब रहे जिसमें 12 चौके और चार छक्के जड़े थे। उन्होंने अपना शतक 30वें ओवर में एक रन बनाकर लगाया। वहीं मोतीबाग क्रिकेट मैदान पर हरियाणा ने पार्थ वत्स (62 रन) और निशांत संधू (64 रन) के हरफनमौला प्रदर्शन से बंगाल को 72 रन से शिकस्त दी। इन दोनों ने अर्धशतक जड़ने के बाद दो दो विकेट भी झटके। एसपी कुमार ने निचले क्रम में अच्छा योगदान देकर टीम को 50 ओवर में नौ विकेट पर 298 रन बनाने में मदद की। मोहम्मद शमी टूर्नामेंट में अपना तीसरा मैच खेल रहे हैं, उन्होंने तीन विकेट चटकाए लेकिन बंगाल की टीम लक्ष्य का पीछा करने में विफल रही और 43.1 ओवर में 226 रन पर सिमट गई। हरियाणा शनिवार को होने वाले क्वार्टरफाइनल में गुजरात से भिड़ेगा। दो अन्य क्वार्टरफाइनल कर्नाटक और बड़ौदा तथा महाराष्ट्र और पंजाब के बीच खेले जाएंगे।

सानवी, रिया और दुर्गा दूसरे दौर के बाद संयुक्त रूप से शीर्ष पर

जमशेदपुर। सानवी सोमू हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) 2025 में लगातार दूसरे दिन आखिरी दो होल मे बर्डी लगाकर तालिका में संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गई। प्रतियोगिता के पहले दिन सानवी ने 17वें और 18वें होल मे बर्डी लगाकर 75 का कार्ड खेला था। उन्होंने दूसरे दिन भी 17वें और 18वें होल में बर्डी लगाकर तीन अंडर 69 का कार्ड खेला। सानवी ने चौथे होल में भी बर्डी लगाई थी। उनका कुल स्कोर पार 144 है। वह पहले दिन संयुक्त रूप से शीर्ष पर रही रिया पूर्वी सरवनन (72-72) और दुर्गा नित्तूर (72-72) के साथ बढ़त बनाए हुए है। पहले दिन तालिका में संयुक्त रूप से शीर्ष पर रही स्नेहा सिंह छह बोगी लगाने के बाद छठे स्थान पर खिसक गई।

डारियस ने शूटऑफ में नबी को हराकर सीनियर मास्टर ट्रैप खिताब जीता

नई दिल्ली। पूर्व राष्ट्रीय चैम्पियन डारियस चेनाई ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप में शॉटगन स्पर्धाओं मे उत्तर प्रदेश के नबी इकबाल को शूटऑफ मे हराकर सीनियर मास्टर पुरूष ट्रैप खिताब जीत लिया।तेलंगाना के डारियस और नबी 50 शॉट के फाइनल मे 37 हिट लगाकर बराबरी पर थे लेकिन शूटऑफ मे चेनाई ने।-0 से जीत हासिल की। सात बार के राष्ट्रीय चैम्पियन और राष्ट्रमंडल खेलो के स्वर्ण पदक विजेता मुराद अली खान ने फाइनल मे 23 शॉट के स्कोर से कांस्य पदक जीता। इससे पहले नबी ने क्वालीफिकेशन में 98 के शॉट से छह निशानेबाजो मे शीर्ष पर रहकर फाइनल में जगह बनाई। डारियस ने 94 हिट जबकि मुराद ने 93 हिट लगाए।

शिवा और सचिन राष्ट्रीय मुक्केबाजी के दूसरे दिन चमके

बरेली। गत चैम्पियन शिवा थापा ने आठवी एलीट पुरूष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में बृहस्पतिवार को वेल्टरवेट (60 से 65 किलोवर्ग) मे इनायत खान पर जीत दर्ज की। असम के लिए खेल रहे थापा लंदन ओलंपिक 2012 के लिए क्वालीफाई करने वाले सबसे युवा भारतीय मुक्केबाज बने थे। उन्होने पहले दौर मे इनायत को 5-0 से मात दी। पूर्व विश्व युवा चैम्पियन सचिन सिवाच ने सेना खेल नियंत्रण बोर्ड के लिए खेलते हुए अक्षय को 5-0 से हराया। दूसरे दिन राजस्थान के देवांश सोलंकी ने उत्तर प्रदेश के विकास सिंह को फ्लायवेट (47 से 50 किलो) वर्ग मे हराया। इसी वर्ग मे छत्तीसगढ़ के आशुतोष यादव ने गुजरात के अक्लीम खान को मात दी। राजस्थान के प्रियदर्शी सिंह अशिया (लाइट मिडिलवेट), पुष्पेंद्र सिंह (क्रूसरवेट) और हर्ष चौधरी (हैवीवेट) ने भी जीत दर्ज की।

प्रतीक, प्रियंका खो-खो विश्व कप में भारतीय पुरुष और महिला टीमों का नेतृत्व करेंगे

नई दिल्ली। भारत मे 13 जनवरी से शुरू होने वाले खो-खो विश्व कप के उद्घाटन सत्र में प्रतीक वायकर भारतीय पुरूष टीम जबकि प्रियंका इंगले महिला टीम की कप्तानी करेंगी। टूर्नामेंट 13 से 19 जनवरी तक इंदिरा गांधी स्टेडियम मे आयोजित किया जाएगा। भारतीय पुरूष टीम शुरूआती दिन (13 जनवरी) नेपाल से भिड़ेगी, जबकि महिला टीम 14 जनवरी को दक्षिण कोरिया से भिड़ेगी। इस दौरान मुन्नी जून महिला टीम के लिए मुख्य कोच के रूप मे काम करेंगी, जबकि अश्विनी कुमार पुरूष टीम के सलाहकार होगे। भारतीय खो-खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने खो-खो विश्व कप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मेजर जनरल विक्रम देव डोगरा के साथ बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। मित्तल ने टीमों की जर्सी मे एक विशेष बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि पुरूष और महिला दोनो टीमें की जर्सी पर भारत लिखा होगा।

सिनेर, जोकोविच आस्ट्रेलियाई ओपन में विपरीत ड्रॉ में

सबालेंका का सामना पहले दौर में स्टीफेंस से

भाषा। मेलबर्न

गत चैम्पियन यानिक सिनेर और दस बार के आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन नोवाक जोकोविच को साल के पहले ग्रैंडस्लैम में विपरीत ड्रॉ मिला है जिससे अब पिछले साल की तरह दोनों की टक्कर सेमीफाइनल में नहीं हो सकती। सिनेर ने पिछले साल जोकोविच को सेमीफाइनल में हराया था और दानिल मेदवेदेव को 3-6, 3-6, 6-4, 6-4, 6-3 से हराकर पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। शीर्ष रैंकिंग वाले सिनेर को पहले दौर में निकोलस जारी से खेलना है। उनके ड्रॉ में टेलर फ्रिट्ज, बेन शेल्टन और मेदवेदेव भी हैं।फ्रिट्ज का सामना पहले दौर में अमेरिका के जेंसन ब्रूकस्बी से होगा। जोकोविच और तीसरी रैंकिंग वाले कार्लोस अल्काराज की टक्कर क्वार्टर फाइनल में हो सकती है। महिला वर्ग में एरिना सबालेंका को 2017 अमेरिकी ओपन चैम्पियन स्लोएने स्टीफेंस और 17 वर्ष की मीरा आंद्रीवा के साथ ड्रॉ मिला है। सबालेंका की नजरें लगातार तीसरे आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब पर होंगी और आखिरी बार 1997 से 1999 तक मार्तिना हिंगिस ही यह कमाल कर सकी हैं। तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गाफ से उनकी सेमीफाइनल में टक्कर हो सकती है। गाफ को पहले दौर में पूर्व चैम्पियन सोफिया केनिन से खेलना है और सातवीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला भी इसी ड्रॉ में है। दूसरी रैंकिंग वाली इगा स्वियातेक और 2022 विम्बलडन चैम्पियन एलेना रिबाकिना ड्रॉ के दूसरे हाफ में हैं। आस्ट्रेलियाई ओपन रविवार से मेलबर्न में शुरू होगा और 15 दिन तक चलेगा। जोकोविच पहली बार अपने नए कोच एंडी में के साथ आएंगे जिनके खिलाफ वह खेल भी चुके हैं। मेलबर्न पार्क पर सबसे ज्यादा खिताब जीतने वाले जोकोविच ने कहा कि एक साल यहां खेलने की अनुमति नहीं मिल पाने का दर्द अभी भी उन्हें हैं। कोरोना काल में टीका नहीं लगवाने के कारण जोकोविच को आस्ट्रेलियाई ओपन खेलने की अनुमति नहीं मिली थी।

नागल का सामना पहले दौर में माचाक से

मेलबर्न। भारत के चोटी के एकल टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल का सामना रविवार से शुरू हो रहे आस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में चेक गणराज्य के थॉमस माचाक से होगा। 27 वर्ष के नागल फिलहाल एटीपी रैंकिंग मे 96वें स्थान पर है। उन्होने शीर्ष 104 खिलाड़ियों मे होने की वजह से सत्र के पहले ग्रैंडस्लैम के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई है। माचाक ने पिछले सत्र मे एटीपी शंघाई मास्टर्स मे दुनिया के दूसरे नंबर के कार्लोस अल्कराज को हराया था। हरियाणा के इस खिलाड़ी ने पिछले साल आस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में 27वीं रैंकिंग वाले कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक को हराया था लेकिन अगले दौर मे चीन के जुनचेंग शांग से हार गए। वह आस्ट्रेलियाई ओपन की तैयारी के लिए अहम माने जाने वाले आक्लैंड एएसबी क्लासिक मे अमेरिका के एलेक्स मिचेलसेन से पहले ही दौर में हार गए थे। नागल डेविस कप खेलने से इनकार के कारण हाल ही मे चर्चा मे रहे थे।

भांबरी-ओलिवेटी की सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अलबानो ओलिवेटी ने बृहस्पतिवार को पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए जूलियन कैश और लॉयड ग्लासपूल की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को हराकर उलटफेर करते हुए ऑक्लैंड में एटीपी250 प्रतियोगिता एएसबी क्लासिक के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।भांबरी और ओलिवेटी की गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी ने ब्रिटेन की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को एक घंटे 21 मिनट में 3-6 6-4 12-10 से शिकस्त दी। अब उनका सामना क्रिस्टियन हैरिसन और राजीव राम की गैर वरीयता प्राप्त अमेरिकी जोड़ी से होगा जिन्होंने फ्रांस के सादियो डोम्बिया और फैबियन रेबोउल की चौथी वरीय जोड़ी को दूसरे क्वार्टरफाइनल में 7-5 6-7(4) 10-5 से पराजित किया।

सात्विक-चिराग क्वार्टरफाइनल में, प्रणय हारे

मलेशिया ओपन

भाषा। कुआलालंपुर

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने बृहस्पतिवार को यहां मलेशिया सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया लेकिन एच एस प्रणय दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गए। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 43 मिनट तक चले राउंड 16 मुकाबले में मलेशिया के एन अजरिन और टान डब्ल्यूके को 21-15 21-15 से शिकस्त दी। अब क्वार्टरफाइनल में सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी का सामना यिउ सिन ओंग और ऐ यि टियो की स्थानीय प्रबल दावेदार जोड़ी से होगा। वहीं प्रणय पुरुष एकल के दूसरे दौर में चीन के लि शि फेंग से हारकर बाहर हो गए। भारत के 32 साल के खिलाड़ी को एक घंटे 22 मिनट तक चले मैच में सातवें वरीय लि से 8-21, 21-15, 21-23 से हार मिली। मालविका बंसोड को महिलाओं के राउंड 16 में चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त और दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी हान युए से 18-21 11-21 से शिकस्त मिली। इससे पहले त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी को राउंड 16 मैच में चीन की जिया यि फान और झांग शु जियान से 21-15, 19-21, 19-21 से पराजय झेलनी पड़ी। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी को 44 मिनट में चीन की चेंग जिंग और झांग चि की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से 13-21, 20-22 से शिकस्त मिली। सतीश करूणाकरन और आद्या वरियथ की एक अन्य मिश्रित युगल जोड़ी को मलेशिया के सून हुआर गोह और शेवोन जेमी लाई से 10-21 17-21 से हार मिली।

सेंथिल, माया, आईटीएफ जे-300 स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। सेंथिल कुमार को बृहस्पतिवार को यहां आईटीएफ जे300 टेनिस स्पर्धा के लड़कों के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी जबकि प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी के नाम वापस लेने से माया राजेश्वरन लड़कियों के अंतिम चार में अपनी जगह पक्की करने में सफल रही। शीर्ष वरीयता प्राप्त और खिताब के दावेदार सेंथिल ने हमवतन समर्थ सहिता को शिकस्त दी। विश्व रैंकिंग में 36वें स्थान पर काबिज सेंथिल ने 280वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी के खिलाफ 6-3, 3-6, 6-4 से जीत दर्ज की।सेमीफाइनल में सेंथिल के सामने कोरिया के डोंगह्युन ह्वांग की चुनौती होगी। चौथी वरीयता प्राप्त ह्वांग ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में भारतीय खिलाड़ी अर्नव पापारकर को 4-6, 6-4, 7-5 से हराया। महिला एकल में माया ने वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को टूर्नामेंट से बाहर करने का सफर जारी रखा है। सातवीं वरीयता प्राप्त राडा जोलोटारेवा के मुकाबले के बीच से हटने के कारण वह सेमीफाइनल में पहुंच गई। यह मैच जब रोका गया तब माया 6-3।-0 से आगे चल रही थी। माया के सामने सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त एलिजा इनिसन की मुश्किल चुनौती होगी। इनिसन ने सर्बिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त पेट्रा कोलजिकुसिक को 7-5, 6-0 से हराया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट को अभी बहुत कुछ दे सकता था, इस तरह से विदा लेने से निराश हूं : गुप्टिल

आकलैंड। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा लेने वाले मार्टिन गुप्टिल ने कहा कि वह न्यूजीलैंड क्रिकेट को काफी कुछ दे सकते थे और इस तरह से कैरियर पर विराम लगने से निराश हैं। न्यूजीलैंड के लिए खेलने वाले सीमित ओवरों के सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में से एक गुप्टिल ने 198 वनडे में 18 शतक और 39 अर्धशतक समेत 7346 रन बनाए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए 122 वनडे में 3531 रन बनाए जिसमें दो शतक और 20 अर्धशतक शामिल हैं। गुप्टिल ने आखिरी बार न्यूजीलैंड के लिए 2022 में खेला था। जब यह स्पष्ट हो गया कि न्यूजीलैंड क्रिकेट का जोर नए खिलाड़ियों पर है तो उन्होंने दुनिया भर में विभिन्न टी20 लीग खेलने के लिए अपना अनुबंध छोड़ दिया। उन्हें भारत में 2023 विश्व कप टीम में जगह नहीं मिली और संन्यास का ऐलान करने से दो साल पहले तक उन्होंने अंतराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेली। मैने हालात को देखकर फैसला लिया। मैं अभी न्यूजीलैंड क्रिकेट को बहुत कुछ दे सकता था।

मुझे लगता है बुमराह अगले कप्तान होंगे: गावस्कर

भाषा। सिडनी

जसप्रीत बुमराह की टीम की नेतृत्व क्षमता से प्रभावित पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने अनुमान लगाया कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) में शानदार प्रदर्शन करने वाला यह तेज गेंदबाज रोहित शर्मा के बाद भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी करेगा। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच मैचों में 32 विकेट लिए। यह ऑस्ट्रेलिया में किसी विदेशी तेज गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। बुमराह की कप्तान में टीम ने पर्थ में खेले गए इस श्रृंखला के शुरुआती मैच में जीत दर्ज की थी। गावस्कर ने चैनल 7 से कहा, वह (बुमराह) टीम का अगला कप्तान हो सकता है। वह जिम्मेदारी के साथ टीम का बढ़कर नेतृत्व करता है, उसकी छवि बहुत अच्छी है। उसमें कप्तान के गुण है और वह ऐसा व्यक्ति नहीं है तो आप पर अनावश्यक रूप से दबाव बनाए। इस पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने कहा, कभी-कभी आपके पास ऐसे कप्तान होते हैं जो आप पर बहुत दबाव डालते हैं। बुमराह को देखकर लगता है कि वह दूसरों से अपेक्षा करते हैं कि वे वही करें जो उनका काम है। वह जिस काम के लिए राष्ट्रीय टीम में है वह काम करें लेकिन इसके लिए किसी पर दबाव नहीं डालते है। बुमराह पिछले कुछ वर्षों से भारतीय तेज आक्रमण की अगुवाई कर रहे हैं उनके मार्गदर्शन ने मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ियों को एक तेज गेंदबाज के रूप में विकसित होने में मदद की है। उन्होंने कहा, वह मिड-ऑफ, मिड-ऑन पर खड़े रहते है और तेज गेंदबाजों के लिए उनकी मौजूदगी फायदेमंद रहती है। वह गेंदबाजों से अपने विचार साझा करने के लिए तैयार रहते है। मुझे लगता है कि वह बिल्कुल शानदार थे और अपनी भूमिका बहुत अच्छी भूमिका निभाते हैं। अगर वह कप्तान बने तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा। सिडनी क्रिकेट मैदान पर खेले गए अंतिम टेस्ट ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के बीच में चोटिल होने से पहले बुमराह ने 13.06 औसत और 28.37 की शानदार स्ट्राइक रेट से अपने विकेट निकाले थे।इस मैच में कप्तानी कर रहे बुमराह की गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया ने जीत के लिए मिले 162 रन के लक्ष्य को ज्यादा परेशानी के बिना हासिल कर लिया।

भारतीय टीम के कोच के लिए गंभीर सही विकल्प नहीं: मनोज तिवारी

कोलकाता। पूर्व बल्लेबाज मनोज तिवारी ने भारतीय टीम के हालिया प्रदर्शन पर सवाल उठाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि गौतम गंभीर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी को सलाह देने में माहिर हो सकते हैं लेकिन राष्ट्रीय टीम के कोच के लिए सही विकल्प नहीं है। गंभीर के कोच बनने के बाद भारतीय टीम को 27 वर्षों में पहली बार श्रीलंका में एकदिवसीय श्रृंखला हार का सामना करना पड़ा। टीम को इसके बाद घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 0-3 की हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम अपनी सरजमी पर पहली बार तीन मैचों की श्रृंखला में 0-3 से हारी थी। टीम ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक दशक में पहली बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गंवा दी। तिवारी का आईपीएल खेलने के दिनों में 2013 में गंभीर के साथ ड्रेसिंग रूम में तकरार हुआ था। तब दोनों कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम में शामिल थे। उन्होंने कोच के रूप में गंभीर की असफलता का हवाला देते हुए कहा, देखिए, परिणाम आपके सामने है। परिणाम झूठ नहीं बोलते। आंकड़े गलत नहीं होते। रिकॉर्ड खुद बोलता है। पश्चिम बंगाल सरकार के खेल राज्य मंत्री तिवारी ने गंभीर के कोचिंग के तरीके पर सवाल उठाते हुए कहा, वह राहुल द्रविड़ के अच्छे कामों को आगे नहीं बढ़ा पाए। उन्होंने कहा, गंभीर को चीजों को सही करने या जीत की राह पर आने में बहुत समय लगेगा। उन्हें भारत जैसी टीम के खिलाड़ियों को कोचिंग देने का कोई अनुभव नहीं है। मैं ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं लगता कि उनके पास टेस्ट या वनडे में कोचिंग देने का कोई अनुभव है।

क्विक न्यूज

चैम्पियंस ट्रॉफी से कमिंस की फिटनेस को लेकर अनिश्चितता, टखने का होगा स्कैन

सिडनी। अगले महीने होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले आस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस की फिटनेस को लेकर आशंकाएं पैदा हो गई है और मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने उनकी उपलब्धता की पुष्टि करने से इनकार कर दिया। कमिंस के टखने में सूजन है और वह पूरे सत्र में इस समस्या से जूझते नजर आए लेकिन भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला में टीम को 3-। से जीत दिलाई। बेली ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की कि कमिंस 19 फरवरी से शुरू हो रही चैम्पियंस ट्रॉफी खेलेंगे या नहीं। उन्होंने नाइन डॉट कॉम डॉट एयू से कहा , अभी कुछ कह नहीं सकते। हमें इंतजार करना होगा और स्कैन की रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। आस्ट्रेलिया ने श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम का ऐलान किया है जिसमें कमिंस की जगह स्टीव स्मिथ कप्तान हैं। बेली ने कहा , पैट पितृत्व अवकाश पर हैं। उनके टखने में भी सूजन है लिहाजा उनका स्कैन कराया जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा।

स्पोर्ट्स एक्टिविटी व्हीकल्स की बिक्री में वृद्धि

मुंबई। बीएमडब्ल्यू-7 सीरीज़ भारत में अपने सेगमेंट में सबसे आगे है। बीएमडब्ल्यू एक्स 7 लग्जरी क्लास की सेल में सबसे आगे है।इलेक्ट्रिक लग्जरी कार की सेल में भारत में लगातार तीसरे साल रहा दबदबा। बीएमडब्ल्यू आई एक्स भारत की सबसे ज़्यादा बिकने वाली लग्जरी ईवी है। बीएमडब्ल्यू आई7 अपनी श्रेणी में सबसे ज़्यादा बिकने वाली ईवी है। स्पोर्ट्स एक्टिविटी व्हीकल्स 16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ आगे बढ़ी। बीएमडब्ल्यू एक्स 5 की सबसे अधिक वार्षिक सेल दर्ज हुई। बीएमडब्ल्यू बीएमडब्ल्यू एक्स 1 सबसे ज़्यादा बिकने वाली एसएवी बनी। बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज सबसे ज्यादा बिकने वाली सेडान रही। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने सफलता का नया अध्याय लिखते हुए 11 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अब तक की सबसे ज़्यादा वार्षिक डिलीवरी की है। कंपनी द्वारा जनवरी-दिसंबर 2024 के बीच 15,721 कारें (बीएमडब्ल्यू और मिनी) और 8,301 मोटरसाइकिलें (बीएमडब्ल्यू मोटोराड) डिलीवर करने का कीर्तिमान बनाया गया। विक्रम पावाहप्रेसिडेंट एवं सीईओए बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा बीएमडब्ल्यू इंडिया ने भारत में इस साल अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ सेल्स की और साथ ही 15,000 कारों की सेल का कीर्तिमान बना लिया है।

स्क्विड गेम सीजन 2 के साथ की साझेदारी

मुंबई। सीग्रम्स रॉयल स्टैग ने नेटफ्लिक्स पर रिकॉर्ड-तोड़ सफलता हासिल करने वाली सीरीज़ स्क्विड गेम के दूसरे सीज़न के साथ साझेदारी की घोषणा की है। स्क्विड गेम के साथ यह साझेदारी रॉयल स्टैग की लिव इट लार्ज फिलॉसफी के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। यह दर्शकों को दुनिया के एक सबसे लोकप्रिय सांस्कृतिक उत्सव का हिस्सा बनने का एक बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है जो अब तक लाखों दिलों को जीत चुका है। इस सहयोग के बारे में बात करते हुए, पेरनोड रिकार्ड इंडिया के मार्केटिंग जनरल मैनेजर जॉयदीप बसुरॉय ने कहा, नेटफ्लिक्स के स्क्विड गेम के साथ रॉयल स्टैग का यह सहयोग ब्रांड को के-कल्चर के प्रति युवाओं की दीवानगी का लाभ उठाने में मदद करेगा। इस साझेदारी के साथ न सिर्फ ब्रांड युवाओं के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ेगा, बल्कि इससे ब्रांड की युवा छवि को भी उभारने में मदद मिलेगी। रॉयल स्टैग ब्रांड हमेशा उन लोगों के साथ खड़ा रहा है जो बड़े सपने देखते हैं और पूरे जुनून और उद्देश्य के साथ अपनी जिंदगी जीते हैं। ठीक वैसे ही जैसे कि इस शो में दिखाया गया है। स्क्विड गेम सीजन 2 के साथ यह साझेदारी हमें अपने दर्शकों और आज की पीढ़ी को एक जीवंत अनुभव और ठोस सामाजिक मूल्य प्रदान करने में मदद करता है।

मैकस्वीनी श्रीलंका दौरे के लिए आस्ट्रेलियाई टीम में

मेलबर्न। नाथन मैकस्वीनी को श्रीलंका दौरे के लिए आस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में शामिल किया गया है जबकि तीन सप्ताह पहले ही उन्हें टीम से बाहर किया गया था। आस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं ने दो टेस्ट के दौरे के लिए बृहस्पतिवार को टीम का ऐलान किया जिसमें कई नए चेहरों को जगह दी गई है। आस्ट्रेलिया ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भारत को 3-1 से हराकर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह बनाई। नियमित कप्तान पैट कमिंस अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण ब्रेक पर है लिहाजा स्टीव स्मिथ आस्ट्रेलिया की कमान संभालेंगे। मैकस्वीनी ने भारत के खिलाफ पहले तीन टेस्ट में 14 . 4 की औसत से 72 रन बनाए जिसके बाद उनकी जगह सैम कोंस्टास को मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट में टीम में शामिल किया गया। श्रीलंका के खिलाफ पहला टेस्ट 29 जनवरी से और दूसरा छह फरवरी से खेला जाएगा। एक वनडे मैच 13 फरवरी को गॉल में ही होगा।

एसए20 में खिताबी हैट्रिक पूरी करने का लक्ष्य : मारक्रम

केपटाउन। एमआई केपटाउन के खिलाफ एसए20 के शुरुआती मैच में अपने अभियान का आगाज करने को तैयार सनराइजर्स ईस्टर्न केप के कप्तान एडेन मारक्रम ने कहा कि उनकी टीम खिताबी हैट्रिक पूरा करने के लक्ष्य के साथ नए सत्र को शुरू करेगी। मारक्रम की टीम ने इस प्रतियोगिता के शुरुआती दोनों सत्र की विजेता रही है। मारक्रम ने लीग के आगाज से पहले कप्तानों के संवाददाता सम्मेलन में कहा, निश्चित रूप से इस साल हम तीसरी बार खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। मैं वास्तव में उत्साहित हूं। जाहिर है कि चैम्पियन बनने की कोई गारंटी नहीं है और यह बेहद प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट है। ऐसे में उम्मीद है कि एक महीने में कुछ अच्छा होगा। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसी ने कहा कि उनकी टीम जोबर्ग सुपर किंग्स को अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए मौसम का साथ नहीं मिला क्योंकि जोहान्सबर्ग में पिछले कुछ दिनों से बारिश हो रही है। उनके खिलाड़ी हालांकि इस लीग में हर तरह की चुनौती से निपटने के लिए तैयार हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी-210, 211 सेक्टर 63 नोएडा फोन नंबर 01204615800 एक्सटेंशन 142, से मुद्रित।
प्रधान सम्पादक : शोबोरी गाँगुली। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-693425001